ಶುಭ್ ಲಾಭ್

खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ

DAILY

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

रात भर हुई 100 मिमी से अधिक बारिश से जनजीवन प्रभावित @नम्मा बेंगलूरु

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 | मंगलवार, 20 मई, 2025 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | website : https://www.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 14 | मूल्य-6 रु.| वर्ष-7 | अंक-138

भारत में बांग्लादेशी और रोहिंग्या घुसपैठियों के बचे-खुचे दिन

30 दिन का अल्टिमेटम घुसपैठिए बाहर निकालें

नई दिल्ली, 19 मई (एजेंसियां)।

भारत सरकार अब बांग्लादेशी और रोहिंग्या घुसपैठियों को देश से निकालने पर दृढ़ है। गृह मंत्रालय ने 30 दिन का अल्टिमेटम भी दे दिया है। गृह मंत्रालय ने निर्देश दिया है कि 30 दिन के अंदर बांग्लादेशी और रोहिंग्या घुसपैठियों की पहचान कर उन्हें बाहर निकाल दिया जाए। घुसपैठियों को उनके देश भेजने की प्रक्रिया की अवधि में उन्हें डिटेंशन सेंटर में रखा जाएगा। गृह मंत्रालय ने कहा है कि जिन लोगों पर घुसपैठिए होने का संदेह है, उनके दस्तावेजों का वेरिफिकेशन 30 दिन के भीतर होना जरूरी है। यदि कोई व्यक्ति भारतीय नागरिक होने का दावा करता है, तो संबंधित राज्य सरकार का दायित्व होगा कि वह उसकी पहचान और पृष्ठभूमि की जानकारी एकत्र कर उपलब्ध कराए। गृह मंत्रालय ने राज्य सरकारों से भी कहा कि सभी राज्य अपनी वैधानिक शक्तियों का उपयोग करते हुए घुसपैठियों की पहचान करें और उनके निर्वासन की प्रक्रिया शुरू करें।

गृह मंत्रालय ने सभी राज्यों को दिया सख्त निर्देश

प्रत्येक राज्य को जिला स्तर पर पर्याप्त डिटेंशन सेंटर स्थापित करने का आदेश दिया गया है, जहां संदिग्ध प्रवासियों को निर्वासन की प्रक्रिया पूरी होने तक रखा जाएगा। इन केंद्रों में उनकी बायोमेट्रिक जानकारी भी ली जाएगी ताकि आगे भी ये लोग किसी तरह की धोखाधड़ी न करें। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) और असम राइफल्स जैसे सुरक्षा बलों को भी इस प्रक्रिया में शामिल किया गया है ताकि सीमाओं पर अवैध घुसपैठियों पर नजर रखी जा सके।

गौरतलब है कि पिछले कुछ समय से भारत में घुसैठियों को पकड़कर वापस भेजने की दिशा में जांच एजेंसियां लगातार काम कर रही है। इसी क्रम में राजस्थान में 30 अप्रैल 2025 से शुरू हुए विशेष अभियान में अब तक एक हजार से अधिक घुसपैठिए पकड़े गए हैं। यही संख्या गुजरात से भी सामने आई थी। इसी तरह हरियाणा के तीन जिलों नूंह, झज्जर और हांसी में ढाई सौ से अधिक बांग्लादेशी नागरिक हिरासत में लिए गए हैं। पश्चिम बंगाल के नदिया जिले में पिछले कुछ दिनों में 300 से अधिक घुसपैठियों को गिरफ्तार किया गया है। मुंबई में 1 जनवरी 2025 से अब तक 650 से ज्यादा बांग्लादेशी घुसपैठिए गिरफ्तार किए जा चुके हैं। ▶10पर

भारत कोई धर्मशाला नहीं है : सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली, 19 मई (एजेंसियां)। बांग्लादेशी और रोहिंग्या घुसपैठियों को तत्काल प्रभाव से निकाल बाहर करने का फैसला सुनाने के बाद अब फिर सुप्रीम कोर्ट ने साफ-साफ कहा है कि भारत कोई धर्मशाला नहीं है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा, भारत में पहले ही 140 करोड़ से अधिक लोग रहते हैं। यहां बाहरी लोगों को रहने नहीं दिया जा सकता। मद्रास हाईकोर्ट के एक आदेश को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने कहा, श्रीलंकाई तमिल नागरिक को यूएपीए मामले में सात साल की सजा पूरी होते ही भारत छोड़ देना चाहिए। भारत दुनियाभर के शरणार्थियों को शरण देने के लिए नहीं है। हम पहले से ही 140 करोड़ की आबादी से जूझ रहे हैं। श्रीलंकाई नागरिक ने भारत में ही रहने देने के लिए सरकार से इजाजत मांगी थी। लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने श्रीलंकाई नागरिक की याचिका पर सुनवाई करने से ही मना कर दिया। ▶10पर

कांग्रेसी सांसद की संदिग्ध पाकिस्तान यात्रा का मामला गरमाया

गोगोई आईएसआई से ट्रेनिंग लेने गए थे : सरमा

अगर मैंने गलत कहा तो सीएम पद से इस्तीफा दे दूंगा

नई दिल्ली/गुवाहाटी, 19 मई (एजेंसियां)।

कांग्रेस पार्टी के सांसद गौरव गोगोई की संदिग्ध पाकिस्तान यात्रा का मसला गरमाता जा रहा है। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा ने कहा है कि गौरव गोगोई पाकिस्तान घूमने नहीं, बल्कि पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई से ट्रेनिंग लेने गए थे। पाकिस्तान से आने के बाद ही गौरव गोगोई ने राफेल विमान सौदे के बारे में अनाप शनाप बयान देना शुरू किया। असम के मुख्यमंत्री ने यह भी चुनौती दी है कि यदि उनके आरोप गलत साबित हुए तो वे मुख्यमंत्री पद से तत्काल इस्तीफा दे देंगे। सीएम सरमा कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई की विदेशी पत्नी एलिजाबेथ के भी पाकिस्तान और आईएसआई कनेक्शन का गंभीर आरोप लगा चुके हैं।

सीएम सरमा ने आरोप लगाया कि गोगोई ने पाकिस्तान की सत्ता के साथ मिलकर काम किया और वापस लौटकर राफेल सौदे का विरोध किया। सीएम सरमा ने दावा किया कि गौरव गोगोई पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई के निमंत्रण पर वहां गए थे। गोगोई का पाकिस्तान दौरा पर्यटन के लिए नहीं, बल्कि ट्रेनिंग के उद्देश्य से था। गोगोई को पाकिस्तान के गृह मंत्रालय से निमंत्रण मिलना, देश की सुरक्षा के लिए अत्यंत खतरनाक बात है। सीएम सरमा ने दावा किया कि कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई के निमंत्रण पर पाकिस्तान गए थे। निमंत्रण पत्र से संबंधित दस्तावेज सीएम सरमा के पास उपलब्ध हैं। सीएम सरमा ने कहा, अभी तक मैंने इतना खुलकर कभी नहीं कहा, लेकिन आज पहली बार मैं साफ कह रहा हूं कि गौरव गोगोई पाकिस्तान आईएसआई के निमंत्रण पर गए थे। मैं दावे के साथ कह सकता हूं कि उन्हें वहां पर ट्रेनिंग मिली। गौरव गोगोई को पाकिस्तान के गृह मंत्रालय से पत्र मिला, इसके बाद ही वो पाकिस्तान गए। हिमंत बिस्व सरमा ने कहा, एक विदेशी यूनिवर्सिटी से निमंत्रण मिलना अलग बात होती है, लेकिन इसमें विदेशी सरकार के विभाग से उन्हें बुलावा आया था। ▶10पर

कोई सुराग नहीं दे रही शातिर ज्योति जासूस

नई दिल्ली, 19 मई (एजेंसियां)।

पाकिस्तान के लिए जासूसी करने वाली यूट्यूबर ज्योति मल्होत्रा पुलिस हिरासत में हो रही पूछताछ में कोई ठोस सुराग नहीं दे रही है। खुफिया एजेंसियों के मुताबिक ज्योति जासूस अत्यंत शातिराना तरीके से खुफिया एजेंसियों के सवालों का जवाब दे रही हैं। ज्योति ने यह भी नहीं बताया कि वह पाकिस्तान कब-कब गई और वहां किन-किन लोगों से मिली। पाकिस्तानी दानिश से उसकी जान पहचान कब और कैसे हुई, और कौन-कौन लोग हैं जो पाकिस्तान इंटेलिजेंस ऑपरेटिव के संपर्क में हैं। उसने खुफिया एजेंसियों को किसी सवाल का जवाब नहीं दिया। जबकि पाकिस्तान आने-जाने और पाकिस्तानी खुफिया एजेंसियों से लिंक के आधार पर ही उसे गिरफ्तार किया गया है। ▶10पर

संसदीय समिति को दी गई ऑपरेशन सिंदूर की जानकारी

पहलगाम आतंकी हमले का भारत ने कड़ा जवाब दिया

विदेश रवाना होने के पहले टीमों को दी जा रही ब्रीफिंग

नई दिल्ली, 19 मई (एजेंसियां)।

संसद के एनेक्सी भवन में विदेश मामलों की स्थायी संसदीय समिति को सोमवार को ऑपरेशन सिंदूर की जानकारी दी गई। विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने संसदीय समिति को बताया कि भारत ने पहलगाम आतंकी हमले का करारा जवाब दिया है। आतंकियों के ठिकानों को नेस्तनाबूद कर दिया गया। विदेश सचिव ने संसदीय समिति को भारत-पाकिस्तान सैन्य संघर्ष के बारे में विस्तार से जानकारी दी। ऑपरेशन सिंदूर को लेकर विश्व को जानकारी देने जा रहे प्रतिनिधिमंडलों को ऑपरेशन के बारे में पूरी जानकारी दी जा रही है, ताकि वे पूरी समझदारी और तथ्यों से दुनिया को पाकिस्तान की हरकतों के जवाब में ऑपरेशन सिंदूर की कार्रवाई से अवगत करा सकें।

विदेश मामलों पर संसद की स्थायी समिति की बैठक में समिति के अध्यक्ष और कांग्रेस सांसद शशि थरूर, तृणमूल कांग्रेस के अभिषेक बनर्जी, कांग्रेस के राजीव शुक्ला और दीपेंद्र हुड्डा, एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी और भारतीय जनता पार्टी के सांसद रविशंकर प्रसाद, सतनाम सिंह, नवीन जिंदल, अपराजिता सारंगी, अरुण गोविल और आरपीएन सिंह शामिल थे। बैठक भारतीय सशस्त्र बलों द्वारा पहलगाम हमले का बदला लेने के लिए ऑपरेशन सिंदूर शुरू करने और उसके बाद दोनों देशों के बीच हुए सैन्य संघर्ष को लेकर हो रही है।

पाकिस्तान को बेनकाब करने विदेश जाने वाले प्रतिनिधिमंडल में से एक का नेतृत्व कर रहे कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने कहा, मेरे प्रतिनिधिमंडल की ब्रीफिंग शुक्रवार को होगी। इसलिए मैं अभी कुछ नहीं कहूंगा। ▶10पर

ऑपरेशन सिंदूर पर भी गलतबयानी से नहीं चूके राहुल गांधी

तथ्यों को गलत तरीके से प्रस्तुत किया : जयशंकर

पाकिस्तान को चेतावनी दी गई थी, सूचना नहीं

नई दिल्ली, 19 मई (एजेंसियां)।

विदेश मंत्रालय ने कांग्रेस सांसद राहुल गांधी की ओर से विदेश मंत्री एस जयशंकर के खिलाफ लगाए गए उन आरोपों का खंडन किया है कि सरकार ने ऑपरेशन सिंदूर शुरू होने से पहले पाकिस्तान को सूचित किया। विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर ने कहा कि भारत ने ऑपरेशन सिंदूर शुरू होने के बाद शुरुआती चरण में पाकिस्तान को चेतावनी दे दी थी। विदेश मंत्री ने कहा, चेतावनी और सूचना में मौलिक फर्क होता है, जिसे राहुल गांधी को समझना चाहिए।

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने ऑपरेशन सिंदूर से जुड़े राहुल गांधी के बयान को सिरे से खारिज कर दिया है। विदेश मंत्रालय ने राहुल के बयान को तथ्यों का पूरी तरह से गलत प्रस्तुतीकरण बताया है। विदेश मंत्री ने कहा था कि हमने पाकिस्तान को शुरुआत में ही चेतावनी दे दी थी, जो स्पष्ट रूप से ऑपरेशन सिंदूर के शुरू होने के बाद का प्रारंभिक चरण है। इसे गलत तरीके से प्रचारित किया जा रहा है। तथ्यों को पूरी तरह से गलत तरीके से पेश किया जा रहा है।

जयशंकर ने कहा, यह स्पष्ट है कि कौन गोलीबारी बंद करना चाहता था। हमने आतंकवादी ढांचे को नष्ट करके जो लक्ष्य निर्धारित किए थे, उन्हें हासिल कर लिया है। चूंकि प्रमुख लक्ष्य हासिल कर लिए गए थे, इसलिए मुझे लगता है कि हमने उचित रूप से यह रुख अपनाया, क्योंकि ऑपरेशन की शुरुआत में ही हमने पाकिस्तान को यह संदेश भेज दिया था कि हम आतंकवादी ढांचे पर हमला कर रहे हैं, न कि सेना पर, और सेना के पास यह विकल्प है कि वह खड़ी रहे और हस्तक्षेप न करे। ▶10पर

सुप्रीम कोर्ट का स्वार्थसिद्ध फैसला

हाईकोर्ट के सभी जजों को पूर्ण पेंशन का अधिकार

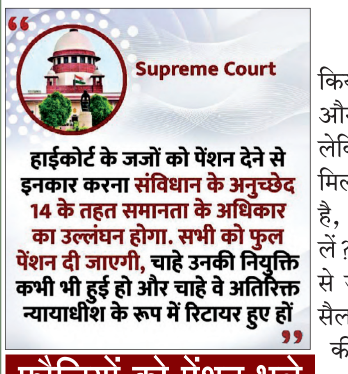

फौजियों को पेंशन भले न मिले, नेताओं और जजों को मिलनी चाहिए

नई दिल्ली, 19 मई (एजेंसियां)।

देश में सेना को पेंशन के अधिकार से वंचित किया जा सकता है। राज्य और केंद्र के कर्मचारियों और अधिकारियों की पेंशन छीनी जा सकती है। लेकिन इस देश में नेताओं और जजों को पेंशन जरूर मिलनी चाहिए। सत्ता और न्याय जिन लोगों के पास है, वे अपनी पेंशन और अपनी सुविधाएं क्यों न लें? सुप्रीम कोर्ट का ताजा फैसला इसी स्वार्थसिद्धि से जुड़ा है। इसके पहले संसद ने सभी सांसदों की सैलरी और पेंशन बढ़ाने का फैसला लिया था। देश की सीमा पर लड़ने वाले अग्निवीर भले ही चार साल की दिहाड़ी पर काम करके अपनी जान दे दें। हाईकोर्ट के जजों को पेंशन मिलने को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि देश के किसी भी हाईकोर्ट से सेवानिवृत्त जज पूर्ण पेंशन पाने के हकदार हैं, फिर चाहे वो किसी भी तारीख को सेवा में आए हों इसके अलावा हाईकोर्ट के अतिरिक्त न्यायाधीश भी पूर्ण पेंशन के हकदार हैं। सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस बीआर गवई और एजी मसीह की पीठ ने यह नायाब और मानवतावादी फैसला सुनाया है। चीफ जस्टिस ने संविधान के अनुच्छेद 14 का हवाला देते हुए कहा कि न्यायाधीशों के साथ किसी भी प्रकार का भेदभाव नहीं किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि ऐसा करना अनुच्छेद-14 के अंतर्गत कानून के समक्ष समानता के अधिकार का उल्लंघन है। मुख्य न्यायाधीश ने यह भी कहा कि हम इस बात को मानते हैं कि जजों के साथ किसी भी तरह का भेदभाव हिंसा को बढ़ावा देगा। उच्चतम न्यायालय ने कहा कि अगर कोई भी न्यायाधीश जो स्थायी है, वो समान वेतन और पेंशन का अधिकारी है। शीर्ष अदालत ने केंद्र सरकार को निर्देश दिया है कि वो उच्च न्यायालयों के सेवानिवृत्त मुख्य ▶10पर

शेयर मार्केट

बीएसई : 82,059.42
-271.17 -0.33% ↓
एनएसई :24,945.45
-74.35 (-0.30%) ↓

मौसम बेंगलूरु

अधिकतम : 34^0
न्यूनतम : 27^0

परमाणु ऊर्जा कानून में बदलाव पर विचार कर रही सरकार

परमाणु क्षेत्र में भी होगी निजी कंपनियों की इंट्री

नई दिल्ली, 19 मई (एजेंसियां)।

भारत सरकार परमाणु ऊर्जा कानूनों में बदलाव कर निजी कंपनियों की भागीदारी बढ़ाने पर विचार कर रही है। भारत सरकार का 2047 तक 100 गीगावाट परमाणु ऊर्जा उत्पादन का लक्ष्य है, जिसमें छोटे रिएक्टर भी शामिल होंगे। परमाणु ऊर्जा अधिनियम में बदलाव कर निजी कंपनियों को भी इस क्षेत्र में शामिल किया जा सकता है।

परमाणु क्षति के लिए नागरिक दायित्व अधिनियम में भी बदलाव पर विचार किया जा रहा है, ताकि परमाणु संयंत्र के लिए उपकरणों की आपूर्ति करने वालों पर ज्यादा जिम्मेदारी न आए। सरकार नियामक ढांचे में भी बदलाव पर विचार कर रही है और यह देख रही है कि कैसे भारतीय राष्ट्रीय अंतरिक्ष संवर्धन और प्राधिकरण केंद्र (इनस्पेस) जैसे मॉडल को अपनाया जा सकता है। 2020 में निजी कंपनियों के लिए अंतरिक्ष क्षेत्र खोलने के बाद से इनस्पेस उसका प्रमोटर और रेगुलेटर रहा है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने हाल ही में परमाणु ऊर्जा क्षेत्र को निजी कंपनियों के लिए खोलने की घोषणा की थी। न्यूक्लियर पावर कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (एनपीसीआईएल) देशभर में परमाणु बिजलीघर चला रही है, जो अभी बिजली उत्पादन में 8.7 गीगावाट का योगदान देती है। सीतारमण ने यह भी बताया कि 20 हजार करोड़ रुपए के बजट के साथ परमाणु उर्जा मिशन शुरू किया गया है। इसका मकसद छोटे परमाणु रिएक्टर (एसएमआर) पर अनुसंधान करना और उन्हें बनाना है, जिनमें से 5 रिएक्टर 2033 तक शुरू किए जाने का लक्ष्य है।

नियामक ढांचे में भी किया जाएगा बदलाव

परमाणु ऊर्जा विभाग (डीएई) ने बताया है कि यह मिशन निजी कंपनियों को शामिल करेगा, नियमों को आसान बनाएगा और परमाणु बिजली उत्पादन को बढ़ाएगा ताकि देश की बढ़ती ऊर्जा जरूरतें पूरी की जा सकें। विदेशी कंपनियां भी भारत में परमाणु संयंत्र बनाने में रुचि दिखा चुकी हैं, खासकर 2008 में भारत-अमेरिका परमाणु सौदे के बाद, जब भारत को परमाणु आपूर्तिकर्ता समूह (एनएसजी) से वैश्विक परमाणु व्यापार की अनुमति मिली। लेकिन 2010 का परमाणु क्षति के लिए नागरिक दायित्व अधिनियम निजी कंपनियों के लिए बाधा बन गया था।

कार्टून कॉर्नर

नाहर ग्रुप इंडिया एनपीएल 2025 टर्फ क्रिकेट टूर्नामेंट सम्पन्न

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
नाहर सेवा संघ के तत्वावधान में आयोजित नाहर ग्रुप इंडिया एनपीएल 2025 टर्फ क्रिकेट टूर्नामेंट का पांचवां सीजन बड़े ही उत्साह और सफलता के साथ सम्पन्न हुआ। टूर्नामेंट में नाहर पिच रनर्स (पुरुष वर्ग) और नाहर वंडर वूमन (महिला वर्ग) ने विजेता बनने का गौरव प्राप्त किया। वहीं, पुरुष वर्ग में सात्विक सुपर किंग्स और महिला वर्ग में सात्विक क्वीन्स उपविजेता रहीं। टूर्नामेंट का शुभारंभ नाहर सेवा संघ कर्नाटक के अध्यक्ष अनिल नाहर द्वारा किया गया। उन्होंने सभी विशिष्ट अतिथियों, प्रायोजकों और टीम मालिकों का गर्मजोशी से स्वागत करते हुए टूर्नामेंट की शुरुआत की। टूर्नामेंट में पुरुष वर्ग से नाहर पैंथर्स, नाहर पिच रनर्स, नाहर वॉरियर्स, सात्विक सुपर किंग्स, नाहर चैलेंजर्स, नाहर मल्टी टाइटन्स, मानक इंडिया और वाय-नॉट्स टीम ने भाग लिया। जबकि महिला वर्ग से नाहर वंडर वूमन, सात्विक क्वीन्स और नाहर मल्टी वूमन शामिल थी। संघ के सचिव कल्पेश नाहर ने समापन समारोह में सभी खिलाड़ियों, टीम मालिकों एवं प्रायोजकों को उनके उत्साहपूर्ण सहयोग और योगदान के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर प्रज्वल नाहर (कन्वीनर) और दीपाली नाहर (को-कन्वीनर) को टूर्नामेंट के सफल आयोजन में उनके विशेष योगदान के लिए सम्मानित भी किया गया। बेस्ट प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट पुरुष वर्ग से राहुल नाहर (नाहर पिच रनर्स) और महिला वर्ग से तनीषा नाहर (नाहर वंडर वूमन) थे। कार्यक्रम में भारतीय जनता पार्टी अल्पसंख्यक मोर्चा के इंद्र कुमार नाहर, नाहर समुदाय वरिष्ठ सदस्य गौतमचंद नाहर, रमेशचंद, सुरेशचंद, जयंतीलाल, अशोकज, सुरेन्द्र नाहर और कई वरिष्ठ सदस्य, महिलाएं और बच्चे उपस्थित थे, जिन्होंने युवा प्रतिभाओं का उत्साहवर्धन किया।

कॉन्फिडेंट पब्लिक स्पीकिंग जूनियर का दीक्षांत समारोह आयोजित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद द्वारा निर्देशित तेरापंथ युवक परिषद राजाजीनगर द्वारा आयोजित छह दिवसीय कॉन्फिडेंट पब्लिक स्पीकिंग जूनियर्स कार्यशाला का दीक्षांत समारोह तेरापंथ सभा भवन राजाजीनगर में साध्वी सोमयशाजी के सानिध्य एवं अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष पवन मांडोत की अध्यक्षता में हुआ सम्पन्न। दीक्षांत समारोह का विधिवत आगाज साध्वी सोमयशाजी के मंगलाचरण से हुआ। श्रावक निष्ठा पत्र का वाचन राष्ट्रीय उपाध्यक्ष पवन मांडोत द्वारा किया गया, भिक्षु श्रद्धा स्वर टीम ने विजय गीत का संगान किया। तेयुप अध्यक्ष कमलेश चौरड़िया ने सभी का स्वागत करते हुए अपनी मंगलकामनाए संप्रेषित की। छह दिवसीय कार्यशाला प्रशिक्षण जोनल ट्रेनर पिंकी टेबा एवं मोनिका गाँधी ने छह दिवस में सभी प्रतिभागियों को विभिन्न वक्तव्य कला सिखाया। कुल 43 बच्चों ने इस कार्यशाला में भाग लिया। सभी प्रतिभागियों ने अपने दिये गए विषयों पर वक्तव्य से उपस्थित श्रोताओं को ओत-प्रोत किया। प्रशिक्षण ट्रेनर्स ने सभी प्रतिभागियों के वक्तव्य एवं पिछले 5 दिनों में प्रतिभागियों की सुधार को देखते हुए विशेष सात प्रतिभागियों की घोषणा की एवं उन्हें पुरस्कृत किया। तेयुप राज-ाजीनगर द्वारा अभातेयुप राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, राष्ट्रीय सीपीसी प्रभारी, आभातेयुप परिवार एवं जोनल ट्रेनर्स का सम्मान किया गया। सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र, पदक एवं 33. स्टोर्स इन एवं कविता कोठारी द्वारा दिए गए गिफ्ट वाउचर्स से सम्मानित किया गया। इस अवसर पर सीपीएस दीक्षांत समारोह में अध्यक्षता निभाते हुए आभातेयुप उपाध्यक्ष पवन मांडोत, मुख्य अथिति एवं राजाजीनगर सभा मंत्री चंद्रेश मांडोत, विशिष्ट अतिथि आभातेयुप राष्ट्रीय सीपीएस प्रभारी एवं राजाजीनगर शाखा प्रभारी दिनेश मरोठी की उपस्थिति एवं सभा अध्यक्ष अशोक चौधरी एवं महिला मंडल अध्यक्षा उषा चौधरी एवं प्रशिक्षण जोनल ट्रेनर्स ने अपने विचार व्यक्त किये। इस अवसर पर अभातेयुप परिवार से राकेश पोखरणा, जोनल ट्रेनर आदित्य मांडोत एवं खुशी कोठारी, तेयुप प्रबंध मंडल, तेयुप सदस्य एवं अन्य श्रावक समाज की अच्छी उपस्थिति रही। आभार तेयुप मंत्री जयंतीलाल गाँधी ने व्यक्त किया।

शब्द की काव्य गोष्ठी में विषय-विविधता का जलवा

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
बेंगलूरु की प्रसिद्ध साहित्य संस्था 'शब्द' की रविवार को मासिक काव्यगोष्ठी में विषय-विविधता का जलवा छाया रहा। विस्थापन का दर्द, प्रेम का उजास, भीष्म बनाम अभिमन्यु, उद्धव बनाम माधव, मिथिला बनाम अयोध्या, युद्ध का अँधेरा बनाम मनुष्यता का सवेरा, आदमी का हठ, खोने का दर्द जैसे विषयों पर रची गई कविताएँ और गजलें खूब सुनी-सुनाई गईं। कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ. मैथिली पी राव कर रही थीं, जबकि संचालन डॉ. उषारानी राव ने किया। सुधा दीक्षित विशिष्ट कवि के तौर पर मंच पर थीं। 'शब्द' के अध्यक्ष श्रीनारायण समीर ने अपने उद्बोधन में कविता को पुनर्नवा कहा और उसके बार-बार प्रासंगिक होने को उसका असाधारण गुण बताया। उन्होंने कहा कि जीवन की बेहतरी का जो काम वैज्ञानिक अपने अनुसंधानों के माध्यम से करता है, वही काम कवि अपनी कविताओं में सुंदर दुनिया की कल्पना के द्वारा करता है। इसलिए हम आइंस्टीन और न्यूटन को याद करते हैं तो शेक्सपियर और तुलसी को भी। डॉ. मैथिली राव ने अध्यक्षीय वक्तव्य में गोष्ठी में पढ़ी गई कविताओं की विषय विविधता की प्रशंसा की और कहा कि कविता के रंग हजार होने की चर्चा प्रायः की जाती है। आप सभी की कविताएँ उसे सिद्ध करती हैं। कविगोष्ठी की शुरुआत करते हुए युवा कवि दीपक सोप-ोरी ने मसनवी शैली में रची अपनी कविता से भीष्म और अभिमन्यु के युद्ध की स्मृति ताजा कर श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। आनंद मोहन झा का गीत मिथिला बनाम अयोध्या के रिश्ते के माधुर्य का रसपान कराता प्रतीत हुआ। कुछ ऐसा ही रसपान पंडित राज-गुरु कराते दिखे, जब वे उद्धव-कृष्ण संवाद पर आधारित अपनी कविता का पाठ कर रहे थे। कार्यक्रम की शुरुआत में वरिष्ठ कवि रचना उनियाल ने वंदना के स्वरचित मधुर छंद गाए। वे खोयी चीजों की पीड़ानुभूति सुनाते हुए कुछ क्षण के लिए भावविह्वल हो गईं। गोष्ठी में 'शब्द' की कार्यकारी अध्यक्ष नलिनी पोपट की कविता में मनुष्य जीवन को मुसाफिर सदृश्य चित्रित करते हुए दार्शनिक अभिव्यक्ति की गई थी। इसी तरह सुचित्रा कौल मिश्र की कविता 'कश्मीर' विस्थापन के दर्द का प्रभावशाली बयान थी। डॉ उष-ारानी राव, बिंदु रायसोनी, भूमिका श्रीवास्तव, अचला प्रवीन, आशोक कुमार सूर्य, श्रीकांत शर्मा, राजेन्द्र गुलेच्छा और नितिन मोहन गुप्ता तथा राहुल तिवारी द्वारा प्रस्तुत विविध मनोभावों वाली कविताएँ भी सराहनीय थीं। कार्यक्रम संयोजक श्रीकांत शर्मा के धन्यवाद ज्ञापन के साथ गोष्ठी संपन्न हुई।

वनबंधु परिषद के बेंगलूरु चैप्टर की नई कार्यसमिति का शपथ ग्रहण समारोह आयोजित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
ग्रामीण क्षेत्रों में एकल विद्यालय संचालित करने वाली अग्रणी संस्था वनबंधु परिषद के बेंगलूरु चैप्टर की नई कार्यसमिति का शपथ ग्रहण समारोह संकल्प नाम से भव्य रूप से आयोजित किया गया। समारोह में नई कार्यकारिणी का औपचारिक रूप से चयन और शपथ ग्रहण संपन्न हुआ। कार्यक्रम की गरिमा बढ़ाते हुए चैप्टर के संरक्षकगण मुर-ारीलाल सरावगी, सुरेन्द्र गोयल और रमेश अग्रवाला ने मंच से नई कार्यकारिणी की घो-षणा की।

इस अवसर पर हाथीमल बैद को पुनः अध्यक्ष के रूप में चुना गया। वैभव गुप्ता चैप्टर के नए सचिव और रंजीत जैन को कोषाध्यक्ष के रूप में नियुक्त किया गया। पूर्व अध्यक्ष बिमल कुमार सरावगी, उपाध्यक्ष के लिए सुरेश कुमार मोदी, रतनलाल सिंघल, रवि सिंघानिया, अशोक हिसारिया को और ऑर्गेनाइजिंग सचिव के रूप में बृजेश कुमार अग्रवाल को नियुक्त किया गया। सहसचिव पवन राजलीवाल, सहकोषाध्यक्ष मनीष अग्रवाल, सहऑर्गेनाइजिंग सचिव आशीष गुप्ता सहित देवकीनंदन डागा, मदनलाल अग्रवाल, संजय अग्रवाल, सुशील बंसल, नरेंद्र भरिंदवाल, संजय बैद, विक्रम अग्रवाल, रजत बैद, चैनरूप सिंघी को कार्यकारिणी सदस्यों के रूप में लेकर एक सशक्त टीम का चयन किया गया। समारोह में एफटीएस युवा के अध्यक्ष प्रीतेश बुरड़, सचिव विकास गुप्ता और एफटीएस महिला समिति की अध्यक्षा कांता काबरा, सचिव अनीता जैन सहित सभी कार्यकारिणी सदस्यों ने समाज के उत्थान व कल्याण का एक स्वर में संकल्प लिया, जिससे आयोजन में नई ऊर्जा और उमंग का संचार हुआ। युवा और महिला वर्ग की सक्रिय भागीदारी ने संगठन की भावी योजनाओं और संकल्पों को और भी सशक्त बनाने का संदेश दिया। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन और मंगलाचरण से हुई। इसके पश्चात संरक्षकों ने परिषद की कार्यशैली, समाज सेवा और शिक्षा क्षेत्र में चल रहे एकल अभियानों की भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने नई टीम को शुभकामनाएं देते हुए समाज के प्रति जिम्मेदारियों को निभाने का आह्वान किया।

बिजनेस की ग्रोथ का सबसे प्रभावशाली जरिया रेफरल नेटवर्किंग: नितिन लुनिया

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
जीतो महिला विंग बेंगलूरु साउथ द्वारा आयोजित एम्पॉवर हर एक सशक्त और प्रेरणादायक बिजनेस नेटवर्किंग इवेंट रहा, जो स्वयं जेबीएन वी प्रेन्यूर्स एक ऑल-वूमन बिजनेस नेटवर्क के सहयोग से 1947 बैंक्वेट हॉल, जयनगर में संपन्न हुआ। इस कार्यक्रम में 80 से अधिक महिला उद्यमियों ने भाग लिया और अपने व्यवसाय का 30 सेकेंड का प्रभावशाली प्रजेंटेशन दिया। कार्यक्रम की शुरुआत नवकार मंत्र के पावन उच्चारण से हुई। जीतो महिला विंग बेंगलूरु साउथ की चेयरपर्सन बबीता रायसोनी ने सभी का स्वागत करते हुए कहा कि उन्हें गर्व है कि वे समाज की सशक्त परिवर्तनकारी महिलाओं के बीच खड़ी हैं। उन्होंने कहा कि जेबीएन सिर्फ विचारों का मंच नहीं, बल्कि वहां आइडिया से इनवॉइस बनते हैं। सफलता के लिए ना तो धन चाहिए, ना प्रसिद्धि सिर्फ आत्मविश्वास, आत्म-प्रेरणा और कुछ कर दिखाने का जज्बा चाहिए। जेबीएन महिलाओं को एक पहचान देता है। नितिन लुनिया, जीतो बेंगलूरु साउथ के मुख्य सचिव ने कहा कि महिलाएं अक्सर निर्णय लेने में पुरुषों से आगे होती हैं। उन्होंने एक सर्वे का हवाला देते हुए बताया कि बिजनेस की ग्रोथ का सबसे प्रभावशाली जरिया रेफरल नेटवर्किंग है, न कि पारंपरिक मार्केटिंग। जेबीएन एपेक्स सेक्रेटरी मनोज कोचर ने मुस्कान भरे अंदाज में कहा, हम दुनिया के सबसे चतुर राष्ट्र के, सबसे चतुर वर्ग के, सबसे चतुर परिवार के सबसे चतुर सदस्य हैं। विजय मेहता, जेबीएन बेंगलूरु के कन्वीनर ने बताया कि कैसे छोटी-छोटी कनेक्शन्स बड़े बिजनेस बदलाव ला सकती हैं। पिंकी जैन, केकेजी जोन कन्वीनर ने जेबीएन कंपनी के लॉन्च की बात कही और महिलाओं से इस अवसर का भरपूर लाभ उठाने की अपील की। रिंकू भंसाली, जेबीएन एपेक्स को-कन्वीनर ने कहा कि जब महिलाएं सशक्त होती हैं, तो समाज भी सशक्त होता है, और इससे भारत की अर्थव्यवस्था को भी गति मिलती है।

उन्होंने सभी को उठो, चमको और सबसे चमकदार बनो का संदेश दिया। मुख्य वक्ता नेहा चौधरी ने कहा कि हमें अपनी सीमाओं को खुद चुनौती देनी होगी, खुद पर विश्वास रखना होगा, बड़ा सपना देखना होगा और साहसिक कदम उठाने होंगे। उनका परिचय को-कन्वीनर अर्पिता लधानी ने दिया। अनिता पिरगल, जेआईआईएफ और जे-पॉइंट कन्वीनर ने आने वाले कार्यक्रमों की जानकारी दी, जिसमें एपेक्स चेयरमैन और सफल स्टार्टअप्स के लोग बतौर ट्रेनर उपस्थित रहेंगे। सुनीता गांधी, एपेक्स कन्वीनर - श्रमण आरोग्यम ने नई और पुरानी टीम को बधाई दी और श्री संकेश्वर धाम एवं पालीताना में होने वाले वैयावच्च कार्यक्रम की जानकारी साझा की। बिंदु रायसोनी, एपेक्स कन्वीनर - स्मॉल हाउसहोल्ड बिजनेस ने बताया कि उन्होंने 50 से अधिक लेख समाचार पत्रों में लिखे हैं और पुस्तकें प्रकाशित की हैं। यह सब जेबीएन रेफरल के माध्यम से संभव हुआ। रेखा चाजेड़, एपेक्स कन्वीनर - स्मॉल बिजनेस ने गर्व से बताया कि 2 वर्ष पहले उन्होंने एक ऑल वूमन जेबीएन ग्रुप की कल्पना की थी और आज उसका शानदार परिणाम देख रही हैं। सचिव निधि पलरेचा ने शानदार एंकरिंग करते हुए 30 सेकेंड प्रजेंटेशन की अहमियत और ऑफिस दर्शन की जरूरत पर बल दिया। लाताशा, रेफरल लीड ने साझा किया कि कैसे जेबीएन ने उन्हें एक सफल स्टाइलिस्ट बनने में मदद की। कोमल जैन, बेंगलूरु साउथ की सचिव ने भावुकता के साथ बताया कि वे तुमकुरु से हैं और बेंगलूरु में किसी को नहीं जानती थीं, लेकिन जेबीएन से जुड़ने के बाद आज वे इवेंट मैनेजमेंट में शानदार व्यापार कर रही हैं। नीलम शांड (रेफरल हेड) और ज्योति कोचट्टा (सचिव) ने टीम को शुभकामनाएं दीं। नवगठित नेतृत्व टीम का भी परिचय हुआ, जिसमें निशा कोठारी रेफरल हेड, रजुल धोका रेफरल लीड और सलोनी नेतानी सचिव शामिल थी। कार्यक्रम में जेबीएन को-कन्वीनर ललित बागरेचा, पूर्व चेयरपर्सन मधु दोशी, एपेक्स जे पॉइंट ओरिएंटेशन ऑफिसर अंजलि जैन, जेएलडबल्यू, बेंगलूरु नॉर्थ की चीफ सेक्रेटरी रक्षा चाजेड़, जेएलडबल्यू बेंगलूरु साउथ की जॉइंट सेक्रेटरी चंद्रा जैन और प्रबंधन समिति की सदस्याएं हेमा सोलंकी, अस्मिता चौहान, अंजिका बाफना, संगीता सियाल, तरुणा मेहता, नीतू गुलेचा एवं कविता मुथा प्रमुख रूप से उपस्थित थी।

प्रेरणा महिला साहित्यिक मंच की साहित्यिक गोष्ठी आयोजित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। प्रेरणा महिला साहित्यिक मंच की साहित्यिक गोष्ठी रविवार को गूगल मीट पर संपन्न हुई। साहित्यिक चर्चा का विषय साहित्य का सौंदर्य था। अध्यक्षता वरिष्ठ साहित्यकार भारती जैन 'दिव्यांशी' ने निभाई तो बतौर मुख्य अतिथि वरिष्ठ साहित्यकार मनीषा सहाय सुमन एवं विशिष्ट अतिथि रूणा रश्मि दीप्ति थी। कार्यक्रम राष्ट्रीय गीत एवं गीता सिन्हा गीतांजलि की सरस्वती वंदना से शुरू हुई। प्रथम सत्र में साहित्यिक चर्चा हुई। परिचर्चा में वीणा मेदनी, गीता चौबे गूँज, कमल अरोड़ा, मधु मनमौजी, अंजनीकुमार तिवारी सुधाकर, मुकेश कुमार दुबे दुर्लभ, गीता सिन्हा गीतांजलि ने भाग लिया। सभी ने साहित्य के सौंदर्य को साहित्य के हस्ताक्षर साहित्यकारों के उदाहरण द्वारा अपने विचार रखें। मुख्य अतिथि मनीषा सहाय सुमन ने अपने उद्बोधन में कहा कि

साहित्य के सौंदर्य का तात्पर्य कलात्मक विचार, विषय की गहराई, विषय की उपयोगिता, विधा शैली शब्द चयन के साथ आनंद की अनुभूति की व्याखया है। अध्यक्ष उद्बोधन में भारती जैन दिव्यांशी ने अपने विचार रखते हुए कहा कि रस, छंद, अलंकार काव्य में प्रयुक्त उपकरण हैं, जो काव्य को सजाने और अर्थ को गहरा करने में मदद करते हैं। तत्पश्चात कविता पाठ में रतिंदर कौर, कमल अरोड़ा, सुलेखा कुलश्रेष्ठ आदि ने भाग लिया।

मीट एंड इट पोटलक का आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
तेरापंथ प्रोफेशनल फोरम बेंगलूरु वेस्ट द्वारा रविवार को सनडेज इन फनवेज सीरीज के अंतर्गत मीट एंड ईट पोटलक कार्यक्रम का भव्य आयोजन विजयनगर तेरापंथ भवन में हर्षोल्लास के साथ किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत नमस्कार महामंत्र के सामूहिक उच्चारण से हुई।

इसके पश्चात टीपीएफ बेंगलूरु वेस्ट अध्यक्ष ललित बेगानी ने स्वागत भाषण में सभी सदस्यों एवं उनके परिवारों का अभिनंदन करते हुए ऐसे आयोजनों को आपसी जुड़ाव, मैत्री और संगठन की शक्ति को बढ़ाने वाला बताया। विजयनगर सभा अध्यक्ष मंगल कोचर ने टीपीएफ के कार्यों की सराहना करते हुए अपने जीवन में धर्मसंघ का महत्व बताया। कार्यक्रम का आरंभ परिचय एवं आइसब्रेकर सेशन से हुआ, जिसमें सभी सदस्यों ने अपना परिचय दिया और एक-दूसरे से संवाद स्थापित किया। इसके पश्चात बैलेंस द ग्लास और डांसिंग चा-इनीज विस्पर जैसे मनोरंजक खेलों ने सभी को हँसी और उत्साह से भर दिया। कार्यक्रम के संयोजन में दिक्षा जैन और दिव्या जैन ने उत्कृष्ट भूमिका निभाई। टीपीएफ के राष्ट्रीय अध्यक्ष हिम्मत मांडोत, सुशीला मांडोत, टीपीएफ उपाध्यक्ष संजय मालू, डॉ. प्रकाश छाजेड़ एवं निहाल बैद की उपस्थिति उल्लेखनीय रही।

रात भर हुई 100 मिमी से अधिक बारिश से जनजीवन प्रभावित

शहर के विभिन्न इलाकों में बाढ़ जैसी स्थिति

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

रविवार और सोमवार के दरम्यान रात को शहर में हुई भारी बारिश ने बेंगलूरु को पूरी तरह से तबाह कर दिया, क्योंकि सड़कें, बस स्टैंड, लेआउट पानी से भर गए, जिससे नागरिकों को परेशानी का सामना करना पड़ा। कुछ इलाकों में लोगों को नावों और ट्रैक्टरों की मदद से सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया।

प्री मानसून बारिश और बृहत बेंगलूरु महानगर पालिका (बीबीएमपी) द्वारा बाढ़ से निपटने के उपायों में कमी के कारण पिछले तीन दिनों से शहर जलमग्न है। बाढ़ के लिए बदनाम लेआउट - साई लेआउट, ट्रिनिटी फॉर्च्यून लेआउट, रेनबो ड्राइव लेआउट - में पानी घरों में घुस गया, जिससे बीबीएमपी को लोगों को सुरक्षित स्थानों पर ले जाने के लिए मजबूर होना पड़ा। सोमवार की सुबह शहर के कुछ हिस्सों में सड़कों पर पानी भर गया, जबकि रविवार रात हुई मध्यम से भारी बारिश के कारण सवारियों को मुश्किलों का सामना करना पड़ा। कोरमंगला, इंदिरानगर, सिल्क बोर्ड जंक्शन, इलेक्ट्रॉनिक सिटी फ्लाईओवर और अन्य इलाकों में सुबह-सुबह यातायात जाम हो गया, क्योंकि पानी जमा होने से वाहनों की आवाजाही धीमी हो गई। कुमार नामक एक यात्री ने कहा कि उनके घर और कार्यालय के बीच की अधिकांश सड़कें जलमग्न थीं और यातायात जाम के कारण उनकी यात्रा में लगभग एक घंटे की देरी हुई। कुमार ने कहा कि मानसून आने से पहले ही शहर में यही स्थिति है और बारिश के मौसम में उड़ानों का क्या हाल होगा। एक अन्य यात्री ने कहा कि इलेक्ट्रॉनिक सिटी फ्लाईओवर को सुबह के समय यातायात के लिए बंद कर दिया गया था, क्योंकि फ्लाईओवर के बीच में पानी जमा हो गया था। हर बार जब बारिश होती है तो फ्लाईओवर यातायात के लिए बंद हो जाता है। बन्नेरघट्टा रोड और अन्य जगहों पर भी जलभराव के कारण यातायात जाम हो गया। शांतिनगर बस स्टैंड का एक हिस्सा भी जलमग्न हो गया।

कई जगहों पर हवा के कारण शाखाएं और पेड़ भी गिर गए, जिससे सड़कें अवरुद्ध हो गईं और कुछ वाहन क्षतिग्रस्त हो गए। खास तौर पर होरमावु में श्री साई लेआउट में बीबीएमपी ने निवासियों को बचाने के लिए आपदा प्रबंधन दल भेजा। नीलूफर अहमद नामक एक निवासी ने कहा कि पानी कमर के स्तर तक बढ़ गया है और सौ से ज्यादा घरों में घुस गया है, इसलिए बीबीएमपी ने लोगों को निकालने के लिए नावों और ट्रैक्टरों का इस्तेमाल किया है। बाढ़ के पानी के कारण निवासियों को रोजमर्रा की जरूरत की चीजें खरीदने में काफी संघर्ष करना पड़ा। इस लेआउट में कई सालों से बाढ़ आ रही है। गेड्डालाहल्ली के ट्रिनिटी फॉर्च्यून लेआउट की स्थिति भी अलग नहीं है। राजकालुवे में ओवरफ्लो के कारण पानी 10 से ज्यादा घरों में घुस गया है। रेनबो ड्राइव लेआउट के अंदर भी पानी सड़कों पर घुस गया है। शहर के कई इलाकों में बिजली भी गुल हो गई क्योंकि खंभे उखड़ गए और ट्रांसमिशन केबल टूट गए। कई निवासियों ने बिजली आने तक घंटों अंधेरे में बिताए। 19 मई को सुबह 8:30 बजे दर्ज किए गए आंकड़ों के अनुसार, पिछले 24 घंटों में बेंगलूरु शहर में 105.5 मिमी बारिश हुई। एचएएल एयरपोर्ट पर 78.3 मिमी बारिश दर्ज की गई, जबकि केम्पेगौड़ा इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर 105.5 मिमी बारिश हुई। इसकी तुलना में, मई 2022 में 114.6 मिमी बारिश हुई, जबकि मई का अब तक का रिकॉर्ड 153.9 मिमी है, जो 6 मई, 1909 को बना था।

शहर के कई हिस्सों में बिजली कटौती

कर्नाटक राज्य प्राकृतिक आपदा निगरानी केंद्र (केएसएनडीएमसी) के आंकड़ों के अनुसार, 18 मई को सुबह 8:30 बजे से 19 मई को सुबह 7 बजे के बीच बेंगलूरु के कई स्थानों पर 100 मिमी से अधिक बारिश दर्ज की गई। इनमें केंगेरी (132 मिमी), केएसएनडीएमसी जीईओ कैंपस (125.8 मिमी), सोमाशेट्टीहल्ली (119.5 मिमी), मदनायकनहल्ली (116.5 मिमी) और येलहंका चौडेश्वरी (103.5 मिमी) शामिल हैं। शहर के कई हिस्सों में बिजली कटौती भी देखी गई, क्योंकि खंभे उखड़ गए और ट्रांसमिशन केबल टूट गए। कई निवासियों को बिजली आपूर्ति बहाल होने तक घंटों अंधेरे में रहना पड़ा। येलहंका, हेनूर, सिंगसंद्रा, शिवाजीनगर, कस्तूरी नगर, बानसवाड़ी, बीटीएम लेआउट, मुन्नेकोलाल और मत्तीकेरे जैसे कई इलाकों में नागरिकों ने शिकायत की है कि रविवार रात या सोमवार सुबह से ही बिजली आपूर्ति बाधित है। येलहंका के पास रामंगोंडानहल्ली की निवासी मंजुला आर. ने कहा सुबह से बिजली आपूर्ति नहीं हो रही है और इस वजह से हम टैंक में पानी भी नहीं भर पा रहे हैं। सप्ताह के दिनों में सुबह के समय हमारे पास खाना पकाने के लिए भी बिजली या पानी नहीं होता है।

हम जिन समस्याओं का सामना कर रहे हैं, वे नए नहीं हैं

हम उन्हें हल करने के लिए काम कर रहे: डीके शिवकुमार

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

राज्य के उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने कहा कि आज हम जिन समस्याओं का सामना कर रहे हैं, वे नई नहीं हैं, हम उन्हें दीर्घकालिक, स्थायी समाधानों के साथ हल करने के लिए काम कर रहे हैं। जबकि बेंगलूरु में रात भर हुई बारिश के बाद बाढ़ और यातायात जाम की स्थिति बनी हुई है, उपमुख्यमंत्री और बेंगलूरु विकास मंत्री ने कहा कि वह चुनौतियों का समाधान करने और राहत सुनिश्चित करने के लिए चौबीसों घंटे काम कर रहे हैं। एक्स पर एक पोस्ट में शिवकुमार ने बेंगलूरु में लगातार बारिश के कारण हुई तबाही के लिए अपनी चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि वह संबंधित अधिकारियों के साथ लगातार संपर्क में हैं और स्थिति पर बारीकी से नजर रख रहे हैं। हमेशा की तरह, मैं बेंगलूरु के लिए प्रतिबद्ध हूं - चुनौतियों का समाधान करने और राहत सुनिश्चित करने के लिए चौबीसों घंटे काम कर रहा हूं। मैं जमीनी स्तर पर जायजा लेने के लिए व्यक्तिगत रूप से बीबीएमपी वार रूम और बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का दौरा करूंगा। मंत्री का यह पोस्ट कई विपक्षी भाजपा नेताओं द्वारा बेंगलूरु के बुनियादी ढांचे की खराब स्थिति और प्रबंधन के बारे में लगाए गए आरोपों के मद्देनजर आया है। भाजपा नेता डॉ. सी.एन. अश्वथ नारायण और पी.सी. मोहन ने बारिश के बाद आईटी शहर में बार-बार होने वाली अव्यवस्था को उजागर किया। रविवार रात की बारिश ने बेंगलूरु के बुनियादी ढांचे को उजागर नहीं किया। इसने शिवकुमार के पिछले 2 वर्षों के कुछ भी नहीं करने के ट्रैक रिकॉर्ड को उजागर किया। करोड़ों खर्च। शून्य परिणाम। टूटी सड़कें। ओवरफ्लो हो रही नालियाँ। जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया।

आईएमडी ने गुरुवार तक बेंगलूरु में भारी बारिश का अनुमान लगाया है। मैं नागरिक अधिकारियों से आपातकालीन योजनाओं को सक्रिय करने का आग्रह करता हूं। नालियों को साफ करें, त्वरित प्रतिक्रिया दल तैनात करें, निचले इलाकों की निगरानी करें, हेल्पलाइन स्थापित करें और सार्वजनिक सुरक्षा सुनिश्चित करें। समय पर कार्रवाई से टाली जा सकने वाली कठिनाई को रोका जा सकता है। इस तरह की आलोचनाओं के जवाब में, शिवकुमार ने लिखा हमें स्पष्ट होना चाहिए। आज हम जिन मुद्दों का सामना कर रहे हैं, वे नए नहीं हैं। सरकारों और प्रशासनों में उन्हें वर्षों से नजरअंदाज किया गया है। अब केवल इतना अंतर है - हम उन्हें हल करने के लिए काम कर रहे हैं। अस्थायी समाधानों के साथ नहीं, बल्कि दीर्घकालिक, टिकाऊ समाधानों के साथ। उन्होंने नागरिकों को आश्वस्त करते हुए कहा मेरे साथी बेंगलूरु वासियों, मैं भी आप में से एक हूं। मैं आपकी चिंताओं को समझता हूं, आपकी निराशा को साझा करता हूं और उन्हें हल करने के लिए अपनी प्रतिबद्धता का आश्वासन देता हूं। मैं आपके साथ खड़ा हूं।

अगले चार दिनों तक राज्य के कुछ हिस्सों में भारी बारिश की संभावना

कुछ जिलों के लिए अलर्ट घोषित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

दक्षिण-पश्चिम मानसून के आने से पहले ही राज्य में बारिश हो रही है। पिछले आठ-दस दिनों से रुक-रुक कर हो रही बारिश पिछले दो दिनों से भारी मात्रा में हो रही है। मौसम पूर्वानुमान के अनुसार अगले चार दिनों तक राज्य के कुछ हिस्सों में भारी बारिश की संभावना है। कर्नाटक राज्य प्राकृतिक आपदा निगरानी केंद्र के अनुसार, सबसे अधिक बारिश केंगेरी में 132 मिमी हुई। बेंगलूरु सिटी, बेंगलूरु ग्रामीण, रामनगर, चामराजनगर, कोलार, यादगिरी, मैसूरु, मांड्या, बेल-गावी, धारवाड़, विजयपुरा, कोडागु, चिक्कबल्लापुर और हासन सहित 15 जिलों में व्यापक बारिश हुई। कलबुर्गी, कोप्पल, रायचूर, बागलकोट और गदग जिलों में मध्यम से व्यापक वर्षा हुई है। दक्षिण कन्नड़, उत्तर कन्नड़, बीदर, चिक्कमगलूरु, बल्लारी, चित्रदुर्ग, हावेरी, विजयनगर, दा-वणगेरे, उडुपी और शिवमोग्गा जिलों में छिटपुट बारिश हुई है। जैसे-जैसे मानसून-पूर्व वर्षा जारी है, चिलचिलाती गर्मी और सूरज की तपिश कम होती जा रही है, तथा मौसम ठंडा होता जा रहा है। इसलिए, हम गर्मियों में भी बरसात का मौसम अनुभव कर रहे हैं। मौसम में कई बदलावों के कारण मानसून का आगमन शुरू हो गया है, जिससे बादल छाए रहेंगे और बारिश की स्थिति बन रही है। मौसम विभाग ने एक और सप्ताह में मानसून की बारिश शुरू होने का अनुमान जताया है। हालांकि, मानसून का मौसम पहले से ही सक्रिय है और राज्य के लगभग सभी जिलों में बारिश हो रही है। 15 से 20 जिलों में व्यापक वर्षा हुई है। रविवार और पिछली रात राजधानी बेंगलूरु सहित राज्य के कई हिस्सों में भारी बारिश हुई।

बंगाल की खाड़ी के ऊपर एक चक्रवाती तूफान उत्पन्न हो गया है, तथा राज्य के अंदरूनी भाग में एक द्रोणिका बन गई है। भारतीय मौसम विभाग के बेंगलूरु क्षेत्रीय केंद्र के निदेशक सी.एस. पाटिल ने बताया कि अरब सागर में दबाव का क्षेत्र बन रहा है और भारी बारिश का अनुमान है। मौसम में इस बदलाव के परिणामस्वरूप बादल छाए रहेंगे। इसके परिणामस्वरूप अधिकतम तापमान में उल्लेखनीय कमी आई है।

उन्होंने कहा कि शाम और रात में गरज, बिजली और 40-50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चलने के साथ बारिश होने की प्रबल संभावना है। 22 मई तक अरब सागर में दबाव विकसित होने की संभावना है। इस प्रकार चार दिनों तक राज्य के सभी जिलों में व्यापक बारिश होगी। तटीय, मलनाड, उत्तरी और दक्षिणी आंतरिक जिलों में व्यापक भारी वर्षा का अनुमान है। पाटिल ने कहा कि भारी बारिश के पूर्वानुमान के मद्देनजर बेलगावी, धारवाड़, हावेरी, गदग, शिवमोग्गा, चिक्कमगलूरु, हासन, कोडागु, उत्तर कन्नड़, दक्षिण कन्नड़ और उडुपी जिलों के लिए यलो अलर्ट घोषित किया गया है।

ग्रेटर बेंगलूरु आज वाटर बेंगलूरु बन गया

साधना सम्मेलन का उद्देश्य क्या है: बीवाई विजयेंद्र

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष एवं विधायक बी.वाई. विजयेन्द्र ने सोमवार को मुख्यमंत्री सिद्धरामैया से साधना सम्मेलन आयोजित करने के उद्देश्य के बारे में सवाल किया। डॉलर्स कॉलोनी स्थित अपने धवलगिरी आवास पर मीडिया से बातचीत में उन्होंने कहा कि राज्य सरकार और मुख्यमंत्री मंगलवार को दो दिवसीय साधना सम्मेलन आयोजित कर रहे हैं। आप लगातार कीमतें बढ़ाते रहे हैं। राज्य में लगातार भ्रष्टाचार हो रहा है। उन्होंने राज्य में हिंदू कार्यकर्ताओं की लगातार हो रही हत्या की आलोचना की। हमारे राज्य में कांग्रेस सरकार किसानों के लिए कोई नई योजना नहीं ला पाई है। महिलाओं के लिए कोई विकास योजना की घोषणा नहीं की गई है। उन्होंने आपत्ति जताई कि युवाओं के लिए नौकरियां पैदा नहीं की गई हैं और उन्हें आत्मसम्मान की जिंदगी नहीं दी गई है। ग्रेटर बेंगलूरु आज वाटर बेंगलूरु बन गया है।

थोड़ी सी बारिश से भी बेंगलूरु जलमग्न हो सकता है। डी.के. शिवकुमार ने बड़ी परियोजनाओं के बारे में बात की। बेंगलूरु शहर में मेट्रो का काम तेजी से और समय पर नहीं किया जा रहा है। उन्होंने शिकायत की कि वे तुमकुरु तक मेट्रो लाने की बात कर रहे हैं। विकास पूरी तरह रुक गया है। आपने दो साल में क्या किया है? उन्होंने कहा कि यह सर्वविदित है कि सत्ताधारी पार्टी के विधायक विकास के लिए पैसा न मिलने से तंग आ चुके हैं। विजयेंद्र ने इस तथ्य की ओर ध्यान आकर्षित किया कि हम, पहली बार विधायक बनने के बावजूद, अपने विधानसभा क्षेत्र में एक भी स्कूल का कमरा नहीं बनवा पाए हैं। विधायकों को अस्पतालों के लिए बुनियादी ढांचा उपलब्ध नहीं कराया जा रहा है। सिंचाई सुविधाएं उपलब्ध नहीं कराई जा रही हैं। इतना सब होने के बावजूद राज्य सरकार फिजूलखर्ची कर रही है। राज्य की जनता सरकार पर हंस रही है। उन्होंने लोगों पर सरकार के व्यवहार की आलोचना करने का आरोप लगाया। यह एक भ्रष्ट सरकार है। यह एक विज्ञापन देने वाली सरकार है जो विज्ञापन देती है। उन्होंने गारंटियों को ठीक से पूरा न करके देश की जनता को धोखा दिया है। उन्होंने इसकी आलोचना करते हुए कहा कि यह शून्य उपलब्धियों वाला प्रशिक्षण सम्मेलन है। उन्होंने कहा कि राज्य की जनता में इस सरकार के प्रति अच्छी राय नहीं है। सरकार को गारंटियों को पूरा करने के लिए धन आवंटित करना होगा। लेकिन, क्या गारंटी देना एक उपलब्धि है? क्या विकास कार्य गारंटी के साथ नहीं होना चाहिए? उन्होंने स्पष्ट किया कि विधायक अब उस स्थिति में पहुंच गए हैं जहां वे सिर ऊंचा करके नहीं घूम सकते। वे बेंगलूरु में गड्ढों को बंद करने में असमर्थ हैं। क्या वे बेघर लोगों को घर उपलब्ध कराने में सक्षम हैं? जब भाजपा सरकार सत्ता में थी तो गंगा कल्याण योजना के तहत प्रत्येक निर्वाचन क्षेत्र में 20-25 कनेक्शन दिए जाते थे। उन्होंने उन पर हमला करते हुए कहा कि अब वे इसे भीख की तरह दे रहे हैं, जैसे कि यह एक या दो हों।

येदियुरप्पा प्रधानमंत्री किसान सम्मान योजना के तहत अतिरिक्त राशि दे रहे थे। उन्होंने वह भी बंद कर दिया है। उन्होंने कृषक शिक्षा कोष भी बंद कर दिया है। एक तरफ वे भाजपा सरकार की योजन-ाओं को रोकते हैं। सरकार की कोई विकासोन्मुख सोच नहीं है। उन्होंने कहा कि यह हास्यास्पद है कि इस बीच सम्मेलन आयोजित की जा रही है। कांग्रेस सरकार विज्ञापनों के जरिए लोगों को भ्रमित करने की कोशिश कर रही है। विपक्षी दल आलोचना करने का दम भर रहे हैं। हालांकि, उन्होंने सवाल किया कि क्या सत्तारूढ़ पार्टी आज विकास की कमी के बारे में बात कर रही है। हम राज्य सरकार को चेतावनी देने के लिए लगातार संघर्ष कर रहे हैं। उन्होंने इस प्रश्न का उत्तर देते हुए कहा कि उन्होंने हाल ही में एक जन आक्रोश मार्च भी आयोजित किया था। उन्होंने एक अन्य प्रश्न के उत्तर में कहा कि देश और बेंगलूरु में विकास की कमी के लिए मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री को जिम्मेदार ठहराया जाना चाहिए।

सर्वदलीय संसदीय प्रतिनिधिमंडल में सांसद कैप्टन बृजेश चौटा शामिल

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

पाकिस्तान के साथ हाल ही में हुए तनाव की पृष्ठभूमि में आतंकवाद पर भारत के रुख को वैश्विक समुदाय तक पहुंचाने के लिए गठित सर्वदलीय संसदीय प्रतिनिधिमंडल में दक्षिण कन्नड़ सांसद कैप्टन बृजेश चौटा को शामिल किया गया है। अपने चयन पर प्रतिक्रिया देते हुए कैप्टन चौटा ने कहा पहली बार वैश्विक मंच पर भारत का प्रतिनिधित्व करना मेरे लिए बहुत सम्मान की बात है। एक सैनिक के रूप में, मैं इस बात पर बहुत गर्व करता हूं कि भारत ने ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम से कायरतापूर्ण आतंकवादी हमलों का किस तरह से जवाब दिया। मैं इस प्रतिनिधिमंडल का हिस्सा बनने के लिए चुने जाने के लिए बहुत आभारी हूं, जो इस पहल के पीछे प्रेरक शक्ति, हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विजन और मिशन के लिए एक आवाज के रूप में काम करेगा। उन्होंने आगे कहा मैं इस मंच का उपयोग आतंकवाद के प्रति भारत के शून्य सहिष्णुता के संदेश को संप्रेषित करने और यह दिखाने के लिए करूंगा कि नया भारत कैसे अलग, दृढ़ और अपने रुख के प्रति प्रतिबद्ध है। डीएमके सांसद कनिमोझी के नेतृत्व में आठ सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल रूस, स्पेन, ग्रीस, स्लोवेनिया और लातविया का दौरा करेगा।

कांग्रेस सरकार की उपलब्धियां अभी दिखनी बाकी हैं: अश्वथनारायण

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

भाजपा ने कांग्रेस सरकार द्वारा मंगलवार को होने वाले साधना सम्मेलन को लेकर 'कर्नाटक लूट-कांग्रेस कर्तव्य' शीर्षक से एक पोस्टर जारी किया। इस अवसर पर राज्य मुख्य प्रवक्ता अश्वथनारायण, बेंगलूरु उत्तर जिला अध्यक्ष एस. हरीश, प्रवक्ता प्रकाश शेषराघवचार, एससी मोर्चा कार्यालय सचिव जी. प्रशांत, नेता सी. मुनिकृष्णा उपस्थित थे। पोस्टर जारी करने के बाद भाजपा प्रदेश कार्यालय जगन्नाथ भवन में मीडिया से बात करते हुए प्रदेश मुख्य प्रवक्ता अश्वथनारायण ने कहा कि राज्य सरकार ने पिछले दो वर्षों में अपनी उपलब्धियों को राज्य की जनता तक पहुंचाने के लिए बेल्लारी के होस्पेट में साधना समावेश का आयोजन किया है। हालांकि, बेंगलूरु में भारी बारिश के कारण कांग्रेस सरकार की इस उपलब्धि वाली फिल्म का ट्रेलर रिलीज हो गया है और उपलब्धि वाली फिल्म अभी बाकी है। उन्होंने उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार पर बेंगलूरु में बारिश की तबाही के लिए सीधे तौर पर जिम्मेदार होने का आरोप लगाया है, जबकि मौसम विभाग ने एक सप्ताह पहले ही बारिश का पूर्वानुमान लगा दिया था, लेकिन कोई एहतियाती कदम नहीं उठाया गया।

पिछले 2 वर्षों में, बेंगलूरु शहर को ब्रांड बेंगलूरु कहा गया है, और पिछले सत्र में ग्रेटर बेंगलूरु विधेयक को मंजूरी मिलने के बाद, ब्रांड बेंगलूरु ग्रेटर बेंगलूरु बन गया है। ग्रेटर बेंगलूरु एक डूबता हुआ बेंगलूरु है। उन्होंने इसे राज्य सरकार की उपलब्धि बताया।

बेंगलूरु शहर से करोड़ों रुपए का कर राजस्व एकत्र होने के बावजूद, शिवकुमार ने बेंगलूरु में एक भी विकास कार्य नहीं कराया है। मौसम विभाग ने पूर्वानुमान लगाया था कि इस वर्ष मानसून जून से पहले यानि मई के पहले सप्ताह में शुरू हो जाएगा और भारी वर्षा होगी। हालांकि, उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य सरकार और बीबीएमपी, जो ग्रेटर बेंगलूरु प्रशासनिक क्षेत्र का हिस्सा है, ने वर्षा आपदा तैयारी उपायों के संबंध में कोई निर्णय नहीं लिया है।

नगर आयुक्त तुषार गिरिनाथ ने अपना समय प्रेस में बयान देने और डी.के. शिवकुमार सरकार के लिए राजस्व उत्पन्न कर रहे हैं। उन्होंने इस बात पर दुख व्यक्त किया कि उन्होंने कोई अन्य प्रकार का भुगतान वाला काम नहीं किया है। यह सर्वविदित है कि साई लेआउट, बेंगलूरु दक्षिण आदि क्षेत्रों में हर बार बारिश होने पर बाढ़ आने का खतरा रहता है। उन्होंने कहा कि न तो उन क्षेत्रों के निर्वाचित प्रतिनिधि, न ही बीबीएमपी, न ही प्रभारी डी.के. शिवकुमार ने उन क्षेत्रों में बाढ़ के पूर्वानुमान के संबंध में कोई कार्रवाई की।

हैदराबाद अग्नि त्रासदी के मद्देनजर कर्नाटक को सुरक्षा उपायों की समीक्षा करने का निर्देश

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

गृह मंत्री डॉ. जी. परमेश्वर ने कहा कि हैदराबाद में भीषण अग्नि त्रासदी के मद्देनजर एहतियात के तौर पर बेंगलूरु सहित पूरे राज्य में सुरक्षा उपायों की समीक्षा करने के लिए अग्निशमन अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए गए हैं। पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि युद्ध की स्थिति की पृष्ठभूमि में कुछ दिन पहले एक नकली प्रदर्शन आयोजित किया गया था। उन्होंने कहा कि जहां भी ऊंची इमारतों समेत संवेदनशील स्थितियां और शॉर्ट सर्किट समेत अन्य खतरनाक स्थितियां हों, वहां क्षेत्रवार निरीक्षण करने और कार्रवाई करने का सुझाव दिया गया है।

राज्य में मौजूद किसी भी पाकिस्तानी नागरिक का पता लगाने और उन्हें वापस भेजने के लिए आवश्यक कदम उठाए गए हैं। उन्होंने कहा कि हुब्बल्ली, धारवाड़ और बेलगावी समेत कई इलाकों से कुछ लोगों की पहचान कर उन्हें वापस भेज दिया गया है। बेंगलूरु में भारी बारिश के कारण काफी समस्याएँ पैदा हो गई हैं।

लोग परेशानी में हैं। दक्षिण से उत्तर की ओर यात्रा करना कठिन होता जा रहा है। सिल्क बोर्ड के पास पानी भर गया है। उन्होंने कहा कि यातायात भीड़भाड़ बढ़ गई है। बीबीएमपी को एहतियाती कदम उठाने चाहिए थे। कई स्थानों पर सफेदी और मरम्मत का काम चल रहा है। बरसात के मौसम में मलबा साफ करना पड़ता था। निचले इलाकों में काम में देरी के प्रति सावधानी बरती जानी चाहिए थी। संयुक्त आयुक्तों को मानसून सीजन से पहले संबंधित क्षेत्रों का निरीक्षण करना चाहिए था और आवश्यक कार्रवाई करनी चाहिए थी। मैंने सुना है कि उपमुख्यमंत्री और बेंगलूरु के शहरी विकास मंत्री शिवकुमार और बीबीएमपी आयुक्त ने इस संबंध में निर्देश दिए हैं।

उन्होंने कहा कि यह सुनिश्चित करने के लिए सावधानी बरती जाएगी कि ऐसा दोबारा न हो। जिन क्षेत्रों में वर्षा का पानी रुका हुआ है, वहां से उसे निकालने के लिए तत्काल कदम उठाए जा रहे हैं। पत्तियां, प्लास्टिक और अन्य कचरा हर जगह फंस रहा है, जिससे जल प्रवाह में समस्या उत्पन्न हो रही है। उन्होंने कहा कि विपक्षी दलों द्वारा आलोचना करना सामान्य बात है। बेंगलूरु के लोग बारिश के कारण परेशान हैं। भाजपा की आलोचना का जवाब देते हुए उन्होंने कहा कि यह सम्मेलन बेंगलूरु में नहीं हो रहा है। होस्पेट में आयोजित किया गया।

उन्होंने कहा कि यह पहले से तय था। उम्मीद है कि निगम के बोर्ड में सदस्यों की नियुक्ति के लिए जल्द ही कदम उठाए जाएंगे। उन्होंने कहा कि उनके नेतृत्व में समिति कार्यकर्ताओं की सूची पहले ही मुख्यमंत्री और केपीसीसी अध्यक्ष को सौंप दी गई है। तुमकुरु और बेंगलूरु के बीच मेट्रो रेलवे परियोजना के निर्माण से न केवल उद्योगों को लाभ होगा बल्कि बेंगलूरु पर दबाव भी कम होगा। वहां एक विशाल औद्योगिक एस्टेट बनाया गया है। इस प्रकार, प्रतिदिन लाखों लोग यात्रा कर रहे हैं। मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने बजट में मेट्रो परियोजना के लिए घोषणा की है। डी.पी.ए.आर. की तैयारियां चल रही हैं। क्या हमें राजमार्ग के ठीक बगल में मेट्रो की आवश्यकता है? या फिर हमें कोई अलग रास्ता चुनना चाहिए? वित्तीय व्यवहार्यता की समीक्षा की जा रही है। बेंगलूरु के दो सदस्यों ने तुमकुरु मेट्रो का विरोध करते हुए इसे मूर्खतापूर्ण परियोजना बताया है। शायद वे ठीक से समझ नहीं पाए। लंदन, न्यूयॉर्क और टोक्यो जैसे प्रमुख शहरों से दूरदराज के कस्बों तक मेट्रो कनेक्शन हैं। उन्होंने कहा कि बेंगलूरु के सांसदों को यह बात समझनी चाहिए और सहयोग करना चाहिए।

सोमन्ना बेंगलूरु से हैं। वह तुमकुरु से सांसद हैं। यह बात समझ में आती है कि उन्हें भी मेट्रो की जरूरत है। तुमकुरु को भी मेट्रो की जरूरत है। उन्होंने कहा कि इसमें लोगों को लाभ पहुंचाने के अलावा कोई दुर्भावनापूर्ण इरादा नहीं है। दूसरे अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे के लिए बिदादी या नेलमंगला स्थल प्रस्तावित किए गए हैं। डबासपेट और देवनहल्ली के बीच 5,000 एकड़ भूमि पर स्वच्छ शहर का निर्माण किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि इन सभी कारणों से मेट्रो परियोजना का निर्माण पीपीटी मॉडल पर किया जाना चाहिए।

उडुपी एसपी समेत चार को डीजी, आईजीपी प्रशंसा पदक के लिए चुना गया

उडुपी/शुभ लाभ ब्यूरो।

राज्य में पहली बार वर्ष 2024-25 के लिए 'डीजी और आईजीपी प्रशस्ति पदक' प्रदान किया गया है।

पुलिस अधीक्षक डॉ. अरुण के सहित उडुपी जिले के चार पुलिस कर्मियों को इस प्रतिष्ठित सम्मान के लिए चुना गया है। अन्य प्राप्तकर्ताओं में मालपे तटीय सुरक्षा पुलिस की उप-निरीक्षक वायलेट फेमिना, कुंदापुर यातायात पुलिस स्टेशन के हेड कांस्टेबल गुरुदास और उडुपी जिला सशस्त्र रिजर्व बल के सशस्त्र रिजर्व हेड कांस्टेबल संतोष शामिल हैं। ये पदक बुधवार को बेंगलूरु में एक समारोह में आधिकारिक रूप से प्रदान किए जाएंगे।

मैसूरु राजपरिवार की प्रमोदा देवी ने तिरुपति मंदिर को चांदी के विशाल दीपक भेंट किए

मैसूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

मैसूरु राजपरिवार की एक भक्त, प्रमोदा देवी ने सोमवार को भगवान वेंकटेश्वर मंदिर को दो विशाल चांदी के दीपक (अखंडम) दान किए। तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) की ओर से जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है कि प्रत्येक अखंडम का वजन लगभग 50 किलोग्राम है। अखंडम पारंपरिक विशाल दीपक होते हैं

जिन्हें गर्भगृह के अंदर जलाया जाता है। प्रमोदा देवी ने मंदिर निकाय के अध्यक्ष बीआर नादिउ और अतिरिक्त कार्यकारी अधिकारी वेंकैया चौधरी की मौजूदगी में तिरुमाला मंदिर के रंगनायकुला मंडपम में अखंडम सौंपे।

पिछले दो वर्षों में बेंगलूरु के विकास पर खर्च की गई धनराशि पर श्वेत पत्र की मांग

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

पिछले दो वर्षों में राजधानी बेंगलूरु में बुनियादी ढांचे के विकास पर कितना पैसा खर्च किया गया है? विधायक व पूर्व मंत्री सुनील कुमार ने राज्य सरकार से इस मामले पर पहले श्वेत पत्र प्रकाशित करने का आग्रह किया। उन्होंने अपने आधिकारिक सोशल मीडिया साइट एक्स पर इस बारे में पोस्ट करते हुए कहा जिस तरह रोम में आग लगी थी, उस समय कोई वायलिन बजा रहा था, उसी तरह यहां की सरकार उस समय साधना सम्मेलन आयोजित कर रही है, जब राजधानी बेंगलूरु बारिश से जलमग्न है। कांग्रेस के विधायक और मंत्री, जिन्हें ग्रेटर बेंगलूरु के जलमग्न होने के दौरान पीड़ित नागरिकों की मदद करनी थी, होस्पेट की ओर भाग रहे हैं। क्या बेंगलूरु के लोगों को इस उत्सव की जरूरत है जब वे मुसीबत में हैं? क्या आपके राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खड़गे इस कुप्रबंधन का समर्थन करते हैं?

बस की चपेट में आने से युवक की मौत

उडुपी/शुभ लाभ ब्यूरो।

केएसआरटीसी की एक बस ने तेज गति से दूसरे वाहन को ओवरटेक करते समय एक स्कूटर को टक्कर मार दी, जिसके परिणामस्वरूप रविवार देर रात नेहरू नगर, पनमंगलोर में हुई दुर्घटना में स्कूटर सवार की मौत हो गई। मृतक की पहचान मेंगलूरु निवासी एलिस्टर डिसूजा (24) के रूप में हुई है। यह घटना उस समय हुई जब वह विट्टल में एक गृह प्रवेश समारोह में भाग लेने के बाद दोस्तों के साथ दूसरी बाइक पर मेंगलूरु लौट रहा था। मेंगलूरु से बेंगलूरु जा रही केएसआरटीसी अम्बारी बस ने नेहरू नगर में एक टेंपो ट्रैवलर को ओवरटेक करने की कोशिश करते समय स्कूटर को टक्कर मार दी। बंटवाल ट्रैफिक पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया है।

भड़काऊ सोशल मीडिया पोस्ट के लिए दो लोगों पर मामला दर्ज, जांच जारी

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

शहर की पुलिस ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर कथित तौर पर भड़काऊ और अपमानजनक सामग्री पोस्ट करने के लिए व्यक्तियों के खिलाफ दो अलग-अलग मामले दर्ज किए हैं।

दोनों मामलों को आगे की जांच के लिए मेंगलूरु सिटी सीईएन क्राइम पुलिस स्टेशन में स्थानांतरित कर दिया गया है।

पहले मामले में, श्वेता पुजारी नामक एक फेसबुक उपयोगकर्ता ने कथित तौर पर अपने अकाउंट पर दक्षिण कन्नड़ जिले के प्रभारी मंत्री दिनेश गुंडू राव की तस्वीर के नीचे अपमानजनक टिप्पणी पोस्ट की थी। यह पोस्ट कथित तौर पर बाजपे पुलिस स्टेशन के अधिकार क्षेत्र में सुहास शेट्टी की हाल ही में हुई हत्या के मामले से जुड़ी थी। इसके आधार पर, सूरतकल पुलिस स्टेशन में भारतीय दंड संहिता की धारा 353 (2) के तहत अपराध संख्या 62/2025 के तहत मामला दर्ज किया गया था। श्वेता पुजारी का पता लगा लिया गया है, और जांच जारी रहने के दौरान उससे पूछताछ की जा रही है। दूसरे मामले में, रेशमाबारिगा हैंडल से काम करने वाली एक इंस्टाग्राम उपयोगकर्ता ने कथित तौर पर भारतीय सेना के ऑपरेशन सिंदूर का जिक्र करते हुए एक गुप्त और भड़काऊ पोस्ट किया। इस पोस्ट में अस्पष्ट रूपक थे, जिन्हें ऑपरेशन की अप्रत्यक्ष आलोचना के रूप में देखा गया। इसके आधार पर, आईपीसी की धारा 192, 196, 353(1)(बी), और 353(2) के तहत अपराध संख्या 59/2025 के तहत मामला दर्ज किया गया। उपयोगकर्ता की पहचान दक्षिण कन्नड़ जिले के बेलटांगडी तालुक के बेलाल पोस्ट की रेशमा के रूप में हुई है। उसका पता लगा लिया गया है और फिलहाल उससे पूछताछ की जा रही है। पुलिस ने पुष्टि की है कि दोनों मामलों में जांच जारी है।

कैलाश मानसरोवर यात्रा के लिए नाथूला में पूरी हो रही तैयारियां

अगले महीने से शुरू होगी यात्रा

नाथुला पास, 19 मई (एजेंसियां)। कैलाश मानसरोवर यात्रा इस साल जून से शुरू हो रही है जो कि अगस्त महीने तक जारी रहेगी। इस अवधि में लगभग 250 यात्रियों को दर्शन करने का मौका मिलेगा। यात्रियों का चयन कैलाश मानसरोवर यात्रा के लिए रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया के तहत होता है।

कोविड-19 महामारी के चलते 2019 में बंद हुई कैलाश-मानसरोवर यात्रा अगले महीने से नाथुला के रास्ते फिर होने जा रही है। यात्रा को लेकर खास उत्साह देखने को मिल रहा है। वहीं यात्रा को लेकर तैयारियां भी जोरों पर हैं। इस बाबत सिक्किम में भारत-चीन सीमा पर यात्रा का मार्ग दुरुस्त किया जा रहा है। यहां तैयारियां अंतिम चरणों में है। इसमें बुनियादी ढांचे का विकास भी शामिल है।

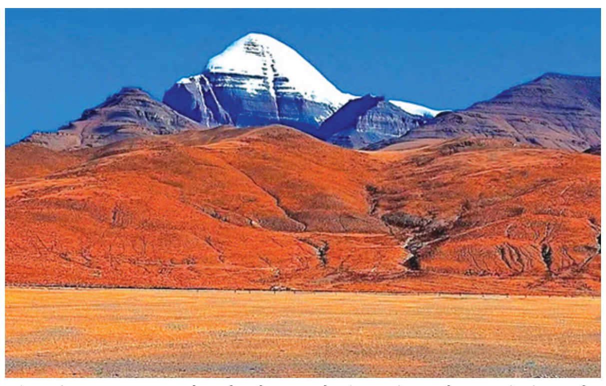

नाथुला में जारी निर्माण कार्यों के श्रम प्रभारी सुनील कुमार ने बताया कि मार्ग के किनारे दो अनुकूलन केंद्र स्थापित किए जा रहे हैं। एक 16वें मील (10,000 फीट) पर और दूसरा कुपुप रोड (14,000 फीट) के किनारे हंगू झील के पास। हर केंद्र में दो पांच-बिस्तर वाली और दो दो-बिस्तर वाली इमारतें होंगी। साथ ही इनमें तीर्थयात्रियों के लिए एक चिकित्सा केंद्र, कार्यालय, रसोई और अन्य आवश्यक सुविधाएं प्रदान की जाएंगी। इन अनुकूलन केंद्रों के जीर्णोद्धार और पुनर्निर्माण का काम अगले चार से पांच दिनों में पूरा होने की उम्मीद है। इनमें कुल 50-60 लोग रह सकेंगे।

कैलाश मानसरोवर यात्रा शुरू होने का यहां के स्थानीय निवासियों और 2016 की यात्रा में भाग लेने वाले आईके रसैली ने फिर से खुलने का स्वागत किया है। उन्होंने कहा कि यहां पर्यटन फिर से शुरू होगा और इससे स्थानीय लोगों की आजीविका में सुधार होगा। कैलाश मानसरोवर यात्रा के लिए सिक्किम मार्ग अपनी अच्छी सड़क कनेक्टिविटी के कारण सबसे सुरक्षित और सबसे सुलभ बना हुआ है। काबी लुंगचोक के विधायक थिनले शेरिंग भूटिया ने भी सिक्किम के रास्ते यात्रा को फिर से खोलने की पहल का स्वागत किया है। इसके लिए उन्होंने केंद्र और राज्य सरकारों का आभार व्यक्त किया। भूटिया ने कहा कि सिक्किम शांतिपूर्ण राज्य है, जहां आतंकवादी गतिविधियों का कोई इतिहास नहीं है। इसके चलते यह मानसरोवर तीर्थयात्रियों के लिए सबसे सुरक्षित मार्ग साबित हो रहा है। उन्होंने आश्वासन दिया कि यात्रा शुरू होने से पहले मार्ग पर शौचालय और अन्य आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध करा दी जाएंगी।

गौरतलब है कि मानसरोवर यात्रा के लिए नाथुला मार्ग को फिर से खोलने की मांग सिक्किम के राज्यसभा सांसद डीटी लेप्चा ने संसद में उठाया था, जिसके बाद भारत सरकार और सिक्किम सरकार के बीच समन्वित प्रयास किए गए। नाथुला के रास्ते यात्रा को फिर से शुरू करने से न केवल तीर्थयात्रियों को राहत मिलेगी बल्कि पर्यटन को भी बढ़ावा मिलेगा। 30 जून से शुरू हो रही कैलाश मानसरोवर यात्रा के लिए यात्रियों को 2019 के मुकाबले में ज्यादा खर्च करना पड़ेगा। इस बार चीन प्रति यात्री 17 से 20 हजार रुपए तक ज्यादा शुल्क वसूल कर रहा है। उत्तराखंड के लिपुलेख के रास्ते यात्रा करने पर प्रति व्यक्ति 1.84 लाख रुपए खर्च होंगे। हालांकि इसमें से 95 हजार रुपए चीन का शुल्क होगा। 2019 में 1.30 लाख रुपए के खर्च में 77 हजार रुपए प्रति यात्री शुल्क चीन ने वसूला था। वहीं नाथू ला से यात्रा करने पर चीन प्रति यात्री 2.05 लाख रुपए वसूल करेगा। इस मार्ग से यात्रा पर कुल खर्च 2.84 लाख रुपए आएगा। दोनों मार्गों से 17000 से 25000 रुपए तक खर्चा बढ़ा है।

पहले लिपुलेख से कैलाश मानसरोवर यात्रा में 20-21 दिन लगते थे जबकि इस बार 23 दिन लगेंगे। इसका कारण यात्रियों का दिल्ली में 12 दिन गुजारना शामिल है। सिर्फ नौ दिन तिब्बत में गुजरेंगे। वहीं नाथू ला से यात्रा में 25 दिन लगेंगे। पहले 23 दिन लगते थे। इस बार यात्री 10 दिन तिब्बत तो 15 दिन भारत में बिताएंगे।

कैलाश मानसरोवर यात्रा इस साल जून से शुरू हो रही है जो कि अगस्त महीने तक जारी रहेगी। इस अवधि में लगभग 250 यात्रियों को दर्शन करने का मौका मिलेगा। यात्रियों का चयन कैलाश मानसरोवर यात्रा के लिए रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया के तहत होता है। विदेश मंत्रालय की आधिकारिक वेबसाइट पर ऑनलाइन पंजीकरण किया जाता है। हर साल आवेदन प्रक्रिया मार्च से अप्रैल माह तक चलती है। इस वर्ष पंजीकरण कराने की अंतिम तिथि 13 मई रही। पंजीकरण के लिए पासपोर्ट और फिटनेस प्रमाणपत्र अनिवार्य होते हैं।

इस वर्ष यात्रा दो प्रमुख मार्गों, उत्तराखंड के लिपुलेख दर्रे और सिक्किम के नाथुला दर्रे से होगी। उत्तराखंड से यात्रा की शुरुआत करने वाले यात्री लिपुलेख दर्रे से रवाना होंगे।

यहां से कैलाश मानसरोवर की दूरी लगभग 5000 किमी है और यात्रा में 24-26 दिन का वक्त लग सकता है। इस यात्रा के दौरान ट्रैकिंग करनी होती है। कैलाश मानसरोवर यात्रा के लिए यह कठिन मार्ग माना जाता है। सिक्किम से यात्रा की शुरुआत करने वाले यात्रियों का जत्था नाथू ला पास से रवाना होगा। यह यात्रा सड़क मार्ग द्वारा की जाएगी, जिसमें 20-22 दिन का समय लगेगा।

सुप्रीम कोर्ट न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा के खिलाफ मुकदमा दर्ज करने की याचिका पर सुनवाई को सहमत

नई दिल्ली, 19 मई (एजेंसियां)। उच्चतम न्यायालय ने इलाहाबाद उच्च न्यायालय के न्यायाधीश न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा के खिलाफ कथित नकदी बरामदगी विवाद मामले में मुकदमा दर्ज करने की याचिका पर तत्काल सुनवाई करने के लिए सोमवार को सहमति व्यक्त की।

मुख्य न्यायाधीश बी आर गवई और न्यायमूर्ति ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह ने याचिकाकर्ता अधिवक्ता मैथ्यूज जे नेदुम्परा के इस मामले में तत्काल सुनवाई के अनुरोध के बाद कहा कि यदि प्रक्रिया संबंधी खामियां दूर हो गई हों तो इस मामले को मंगलवार के लिए (सुनवाई) सूचीबद्ध किया जा सकता है।

शीर्ष अदालत के समक्ष अधिवक्ता नेदुम्परा ने 14 मई को भी मामले का उल्लेख किया था, लेकिन तब अदालत ने उनसे प्रक्रिया का पालन करने को कहा था।

अपनी याचिका में नेदुम्परा ने न्यायमूर्ति वर्मा के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने का निर्देश देने की गुहार लगाई है। इसके लिए याचिका में कहा गया है कि चूंकि इन-हाउस न्यायाधीशों की जांच समिति ने मामले में उन्हें (न्यायामूर्ति वर्मा) दोषी ठहराते हुए प्रतिकूल रिपोर्ट दी थी।

शीर्ष अदालत ने 28 मार्च को अधिवक्ता नेदुम्परा द्वारा न्यायाधीश के खिलाफ मुकदमा दर्ज करने की इसी तरह की याचिका को समय से पहले की गई याचिका पाया था। अदालत ने तब कहा था कि एक बार आंतरिक जांच पूरी हो जाने के बाद सभी रास्ते खुले हैं। अदालत ने यह भी कहा था कि यदि आवश्यक हो, तो भारत के मुख्य न्यायाधीश मुकदमा दर्ज करने का निर्देश दे सकते हैं।

गौरतलब है कि न्यायमूर्ति वर्मा के पद छोड़ने से इनकार के बाद तत्कालीन मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना ने 8 मई को केंद्र सरकार को एक पत्र भेजा था, जिसमें न्यायमूर्ति वर्मा के खिलाफ महाभियोग चलाने की सिफारिश की गई थी।

न्यायमूर्ति वर्मा को लेकर यह विवाद 14-15 मार्च को उनके दिल्ली के आधिकारिक आवास पर आग की घटना के दौरान कथित तौर पर नकदी बरामद होने के कई दिनों बाद शुरू हुआ था। उस वक्त वह दिल्ली उच्च न्यायालय के न्यायाधीश थे। इसके बाद उन्हे उनके मूल उच्च न्यायालय इलाहाबाद उच्च न्यायालय में स्थानांतरित कर दिया गया। तब से उन्हें किसी भी न्यायिक कार्य से अलग कर दिया गया है।

उल्लेखनीय है कि के. वीरास्वामी बनाम भारत संघ (1991) मामले में शीर्ष न्यायालय के फैसले के अनुसार, भारत के मुख्य न्यायाधीश की पूर्व अनुमति के बिना किसी उच्च न्यायालय या शीर्ष न्यायालय के न्यायाधीश के खिलाफ कोई आपराधिक मामला दर्ज नहीं किया जा सकता है।

ट्रेन टिकटों पर ऑपरेशन सिंदूर और मोदी की फोटो छापना शर्मनाक: कांग्रेस

नई दिल्ली, 19 मई (एजेंसियां)। कांग्रेस ने कहा है कि सरकार संवेदनशील मुद्दों को भी प्रचार के रूप में इस्तेमाल कर रही है और इसी का परिणाम है कि रेल टिकटों पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और ऑपरेशन सिंदूर की फोटो लगाई जा रही है। कांग्रेस ने कहा ट्रेन के टिकट पर 'ऑपरेशन सिंदूर' और नरेंद्र मोदी की फोटो छापी जा रही है। 'ऑपरेशन सिंदूर'- आतंक के खिलाफ भारत का करारा जवाब था। हमारे जांबाज सैनिकों के शौर्य और पराक्रम की गाथा थी। लेकिन मोदी सरकार ऐसे संवेदनशील मुद्दे पर भी प्रचार करने से बाज नहीं आ रही है।

पार्टी में इसे सरकार की असंवेदनशीलता करार दिया और कहा कि वह हर मौके का इस्तेमाल खुद के प्रचार के लिए करती है। इससे पहले श्री मोदी कोविड वैक्सीन के सर्टिफिकेट, खाद के बोरे, अनाज के थैले और बच्चों के बैग पर अपनी फोटो छपवा चुके हैं। ये बेहद शर्मनाक है। इस बी कांग्रेस प्रवक्ता पवन खेड़ा ने कहा कि भाजपा देशहित के मुद्दों पर ओछी राजनीति कर रही है। उसके बाद भी सोचती है कि विपक्ष चुप रहेगा और देश की सुरक्षा से जुड़े सवाल नहीं पूछेगा। हम सवाल पूछते रहेंगे और नहीं पूछेंगे तो देश में आतंकी घटनाएं होती रहेंगी।

कानून का शासन समाज का आधार: धनखड़

नई दिल्ली, 19 मई (एजेंसियां)। उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने कानून के शासन को सामाजिक व्यवस्था का आधार करार देते हुए कहा है कि न्यायपालिका को मजबूत करने की आवश्यकता है।

श्री धनखड़ ने सोमवार को यहां एक पुस्तक 'दी कॉन्स्टिट्यूशन वीं एडोप्टिड (विद आर्ट वर्क) ' के विमोचन कार्यक्रम

को संबोधित करते हुए कहा कि न्यायपालिका की रक्षा करनी होगी।यह सुनिश्चित करना होगा कि न्यायाधीश भयमुक्त होकर निर्णय ले सकें। वे कार्यपालिका की शक्तियों से निपटना, उद्योग की शक्तियों से जूझना, आर्थिक और संस्थागत ताकतों से टकराना जैसे कठिन काम करते हैं। उन्होंने कहा कि न्यायपालिका को मजबूत सुरक्षा देनी चाहिए। लेकिन इसका यह अर्थ नहीं है कि न्यायाधीश जांच से बचें रहे।इसके लिए एक पारदर्शी, उत्तरदायी और त्वरित 'इन-हाउस' जांच प्रणाली विकसित की जानी चाहिए।

श्री धनखड़.ने कहा कि वर्ष 1991 के 'के. वीरस्वामी निर्णय' पर अब पुनर्विचार करने का समय आ गया है। इस अभेद्य सुरक्षा कवच की उत्पत्ति उच्चतम न्यायालय के के. वीरस्वामी निर्णय (1991) से हुई है। इसने जवाबदेही और पारदर्शिता की हर कोशिश को निष्प्रभावी किया है। अब समय आ गया है कि इसमें बदलाव होना चाहिए।

श्री धनखड़ ने कहा कि एक मजबूत न्यायिक व्यवस्था लोकतंत्र के अस्तित्व और उसकी समृद्धि के लिए अनिवार्य है। यदि कोई एक घटना इस व्यवस्था को कलंकित करती है, तो जल्द से जल्द सच सामने लाया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि देश में जांच कार्यपालिका का और न्यायिक निर्णय न्यायपालिका का कार्य है। एक न्यायाधीश को

हटाने के लिए समिति केवल संसद के सदस्य प्रस्ताव लाकर लोकसभा अध्यक्ष या राज्यसभा के सभापति ही गठित कर सकते है।

श्री धनखड़ ने न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा प्रकरण के संदर्भ में कहा कि दो उच्च न्यायालयों के मुख्य न्यायाधीशों को जांच में लगाया गया है जिसका कोई संवैधानिक आधार या वैधानिक वैधता नहीं है। यदि उस जांच में इलेक्ट्रॉनिक उपकरण जब्त किए गए तो यह और भी गंभीर विषय है। न्होंने कहा कि दिल्ली के लुटियंस इलाके में एक न्यायाधीश के आवास पर जली हुई नकदी और नोट मिले, लेकिन अब तक एफआईआर दर्ज नहीं हुई है। देश में कानून का शासन है। न्यायपालिका को जांच से बाहर और निरीक्षण से दूर रखना कमजोर करने का सबसे आसान तरीका है। उपराष्ट्रपति ने कहा कि हर संस्था को जवाबदेह और कानूनी प्रक्रिया के अधीन होना चाहिए।

श्री धनखड़ ने कहा कि न्यायिक परिदृश्य बेहतर हो रहा है। अब समय आ गया है कि 90 के दशक के निर्णयों की पुनर्समीक्षा की जाय। देश की जनता इस पर सच जानना चाहती है । उन्होंने कहा कि यह घटना 14 और 15 मार्च की रात की है, लेकिन देश को इसके बारे में एक सप्ताह बाद पता चला।अन्य घटनाएं हो सकती हैं जिनकी जानकारी ही नहीं मिलती।ऐसी घटना सामान्य नागरिक और कानून में विश्वास रखने वालों के मन को चोट पहुंचाती है। उन्होंने कहा, अगर हम लोकतंत्र को मजबूत करना चाहते हैं, तो हमें इस मामले में सच्चाई को सामने लाना ही होगा।

उन्होंने कहा कि इस मामले में दो महीने बीत चुके हैं। जनता जवाब चाहती है। यह एक परीक्षण मामला है, जिससे तय होगा कि हमारी न्यायिक प्रणाली कितनी पारदर्शी और जवाबदेह है। जब दोषियों को कानून के कटघरे में लाया जाएगा, तभी 'सिस्टम' का शुद्धिकरण और छवि सुधार संभव होगा।

साइबर अपराध समन्वय केन्द्र ने जीरो एफआईआर पहल शुरू की

नई दिल्ली, 19 मई (एजेंसियां)। केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा है कि साइबर अपराधियों को जल्द से जल्द पकड़ने के लिए ई-जीरो प्राथमिकी दर्ज करने की नयी पहल शुरू की गयी है।

श्री शाह ने सोमवार को सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर कहा कि अपराधियों को जल्द से जल्द पकड़ने के लिए ई जीरो प्राथमिकी (एफआईआर) पहल शुरू की गयी है।

उन्होंने कहा कि अभी इसे राजधानी दिल्ली में शुरू किया जा

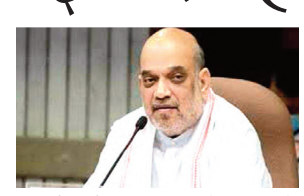

रहा है और जल्द ही देश भर में लागू किया जायेगा।

उन्होंने कहा , गृह मंत्रालय के भारतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र (आई4सी) ने किसी भी अपराधी को अभूतपूर्व गति से पकड़ने के लिए नई ई-जीरो एफआईआर पहल शुरू की है। दिल्ली के लिए पायलट प्रोजेक्ट के रूप में शुरू की गई यह नई प्रणाली हेल्पलाइन 1930 पर दर्ज साइबर वित्तीय अपराधों को स्वचालित रूप से एफआईआर में बदल देगी, जो शुरू में 10 लाख रूपये की सीमा से ऊपर होगी। नई प्रणाली, जो साइबर अपराधियों पर तेजी से कार्रवाई करते हुए जांच को आगे बढ़ाएगी, जल्द ही पूरे देश में लागू की जाएगी। मोदी सरकार साइबर-सुरक्षित भारत बनाने के लिए साइबर सुरक्षा ग्रिड को मजबूत कर रही है।

जीईएम से लालफीताशाही खत्म, बचत भी सुनिश्चित : मोदी

नई दिल्ली, 19 मई (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि सरकारी ई मार्केट प्लेस, जीईएम लालफीताशाही को खत्म कर वंचित लोगों के लिए दरवाजे खोल रहा है जिससे उन्हें बचत भी हो रही है।

प्रधानमंत्री कार्यालय ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल का जीईएम पर लिखा गया एक लेख साझा किया है। श्री मोदी ने इस पोस्ट में लिखा है , सरकार

के पारदर्शी शासन के प्रयासों को डिजिटल बढ़ावा मिला है। जीईएम इंडिया हाशिए पर पड़े लोगों के लिए दरवाजे खोल रहा है, लालफीताशाही को खत्म कर रहा है और भारी बचत सुनिश्चित कर रहा है। उन्होंने कहा है कि श्री गोयल ने इस विषय पर पूरी जानकारी देने वाला ज्ञानवर्धक लेख लिखा है।

सेना प्रमुख ने लोंगेवाल का दौरा कर स्थिति की समीक्षा की

नई दिल्ली, 19 मई (एजेंसियां)। सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने ऑपरेशन सिंदूर के जवाब में जैसलमेर से कच्छ तक फैले रेगिस्तान में दुश्मन के नापाक इरादों को विफल करने के लिए सेना, वायु सेना और सीमा सुरक्षा बलों (बीएसएफ) के जवानों और अधिकारियों की सराहना की तथा स्थिति की समीक्षा की।

जनरल द्विवेदी ने सोमवार को कोणार्क कोर के अग्रिम क्षेत्रों में लोंगेवाला का दौरा किया और सैनिकों के साथ बातचीत की। उन्होंने विशेष रूप से सेनाओं और बीएसएफ की संयुक्त कार्रवाई के दौरान तालमेल की समीक्षा की। इन संयुक्त कार्रवाइयों में न केवल दुश्मन के इरादों को कुंद किया गया बल्कि पश्चिमी मोर्चे पर संचालन प्रभुत्व बनाए रखने में भी सफलता मिली और। इस ऑपरेशन से सेनाओं ने एक 'न्यू नार्मल' भी स्थापित किया।

ऑपरेशन सिंदूर के हिस्से के रूप में सेना ने वायुसेना और बीएसएफ के साथ समन्वय में निगरानी परिसंपत्तियों और वायु रक्षा प्रणालियों की तेजी से तैनाती की।

नागरिक प्रशासन के सामंजस्य से हथियार प्रणालियों और अन्य परिचालन क्षमता ने प्रभावी वर्चस्व के साथ संभावित खतरों को बेअसर किया। कोणार्क कोर के सैनिकों के साथ बातचीत के दौरान, सेना प्रमुख ने अंतरराष्ट्रीय सीमा की रक्षा में उनकी वीरता, अटूट प्रतिबद्धता और दृढ़ संकल्प को स्वीकार करते हुए उन्हें शाबाशी दी।

उन्होंने दुश्मन की ड्रोन घुसपैठ को सफलतापूर्वक बेअसर करने सहित उनके सतर्क कार्यों के लिए सैनिकों की प्रशंसा की, जिसने रेगिस्तानी क्षेत्र में विरोधी द्वारा किसी भी दुस्साहस को प्रभावी ढंग से रोका।

जनरल द्विवेदी ने कमांडरों और इकाइयों की उनकी व्यावसायिकता, उच्च मनोबल और परिचालन योजनाओं के एकीकृत निष्पादन के लिए भी सराहना की। उन्होंने सेना की सम्मान की परंपरा और निर्णायक ताकत के साथ भविष्य की चुनौतियों का सामना करने की उसकी अडिग तत्परता पर प्रकाश डाला,। साथ ही देश की संप्रभुता की रक्षा करने और बदलते सुरक्षा परिदृश्य के बीच उच्च परिचालन तैयारियों को सुनिश्चित करने के लिए भारतीय सेना की प्रतिबद्धता की पुष्टि की। प्रचंड गर्मी के बीच कठोर रेगिस्तानी इलाकों में सेवा करने वाले रणबांकुरों के धैर्य की सराहना करते हुए सेना प्रमुख ने राष्ट्रीय उद्देश्यों की रक्षा में उनकी अथक सेवा के लिए उनकी सराहना की।

गौ तस्करों ने गाड़ी से हेड कांस्टेबल को रौंद डाला

मुठभेड़ में गौ तस्कर सलमान मारा गया

जौनपुर, 19 मई (एजेंसियां)। जौनपुर में गौ तस्करों ने पुलिस पर हमला कर हेड कांस्टेबल दुर्गेश कुमार सिंह को पिकअप वाहन से कुचल दिया, जिससे उनकी मौत हो गई। घटना शनिवार 17 मई की रात आजमगढ़-वाराणसी मार्ग पर चंदवक थाना क्षेत्र में हुई।

इसके बाद पुलिस ने गौ तस्कर सलमान और उसके साथियों का करीब 60 किलोमीटर तक पीछा किया, जो वाराणसी के चोलापुर क्षेत्र तक चला। जब पुलिस ने बदमाशों को घेरा तो उन्होंने फायरिंग शुरू कर दी। जवाबी कार्रवाई में पुलिस ने भी गोली चलाई। इस मुठभेड़ में गौ तस्कर सलमान के सीने में गोली लगी और जिला अस्प-ताल में उसकी मौत हो गई। उसके दो साथियों नरेंद्र यादव और गोलू यादव के पैर में गोली लगी। घायल अवस्था में उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। तीन अन्य तस्कर राहुल यादव, राजू यादव और आजाद यादव फरार हैं। उनकी तलाश में पुलिस छापेमारी कर रही है। पुलिस ने पिकअप वाहन जब्त कर लिया और चंदवक थाने में मामला दर्ज किया है।

मुरादाबाद में आईएसआई का जासूस शहजाद गिरफ्तार

मुरादाबाद, 19 मई (एजेंसियां)। देश के अलग-अलग हिस्सों से पाकिस्तानी जासूसों का पकड़ा जाना लगातार जारी है। इसी क्रम में अब उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद से भी पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई से जुड़े शहजाद नाम के जासूस को पकड़ा गया है। शहजाद को यूपी एटीएस की टीम ने गिरफ्तार किया है। आरोप है कि शहजाद व्यवसाय के बहाने से कई बार पाकिस्तान गया था और वो कारोबार की आड़ में देश के खिलाफ जासूसी का काम करता था।

शहजाद की बीवी राजिया ने भी इस बात को स्वीकार किया है कि उसका शौहर कई बार पाकिस्तान के लाहौर की यात्रा कर चुका है। बताया जाता है कि मूल रूप से रामपुर जिले के आजाद नगर मोहल्ले का रहने वाला शहजाद मुख्यत: कपड़े का कारोबार करता ह। उसकी बीवी के अनुसार, शहजाद लाहौर से लेडीज कपड़े लाता था। वहीं एटीएस के अनुसार, जांच एजेंसी को इस बात के पुख्ता सबूत मिले थे कि वो सीमा पर सामानों की तस्करी करता है। और अधिक जांच करने पर पता चला कि वह कॉस्मेटिक, कपड़े, मसाले का अवैध कारोबार करता था।

इस बीच यह भी पता चला कि वो आईएसआई के लिए भी काम करता है। उसके पाकिस्तानी एजेंसी के साथ बहुत ही अच्छे संबंध हैं। बस फिर क्या था एटीएस ने उसे गिरफ्तार कर लिया। आरोप ये भी है कि उसने भारत से जुड़ी कई गोपनीय जानकारियों को आईएसआई को दिया है। उसके खिलाफ लखनऊ के एटीएस ऑफिस में बीएनएस की धारा 152 के तहत केस दर्ज किया गया है। सबसे मुख्य बात शहजाद पाकिस्तानी आईएसआई से पैसे लेकर भारत में फैले उसके एजेंटों को पैसा देता था। इससे उसके लिंक के बारे में समझा जा सकता है। वो कई लोगों को पाकिस्तान भी भेज चुका है।

उल्लेखनीय है कि हाल ही में पाकिस्तान के लिए जासूसी के मामले में कई लोगों को पकड़ा गया है, जिसमें यूट्यूबर ज्योति मल्होत्रा हिसार से, कैथल से देवेंद्र सिंह, नूंह से अरमान और कैराना से नोमान इलाही समेत कई अन्य को पकड़ा जा चुका है। तस्करी की आड़ में पाकिस्तान को खुफिया जानकारी दे रहा था रामपुर का शहजाद, आईएसआई के कई हैंडलर के सम्पर्क में था, यूपी एटीएस ने उसे मुरादाबाद से दबोचा।

शहजाद आईएसआई के कई हैंडलर के संपर्क में था और पाकिस्तान को गोपनीय सूचनाएं भेजता था। वह भारत-पाकिस्तान के बीच कॉस्मेटिक, कपड़े और मसाले की तस्करी करता था और इसके साथ-साथ पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई के लिए भी काम कर रहा था। एटीएस को सूचना मिली थी कि रामपुर से शहजाद नाम का एक युवक भारत-पाकिस्तान की सीमा पर देश विरोधी गतिविधियों में शामिल है। पुलिस जब शहजाद के बारे में जानकारी प्राप्त करने लगी तो उसे पता चला कि वह रामपुर का रहने वाला है। पुलिस के मुताबिक उसने देश की सुरक्षा से जुड़ी खुफिया जानकारियां आईएसआई एजेंट्स से साझा भी की हैं। जानकारी मिलने के तुरंत बाद एटीएस ने उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज किया और मुरादाबाद से शहजाद को गिरफ्तार कर लिया गया।

संभल के हरिहर मंदिर मामले में मुस्लिम पक्ष की याचिका खारिज

प्रयागराज, 19 मई (एजेंसियां)। इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने मुस्लिम पक्ष की सिविल पुनरीक्षण याचिका खारिज कर दी। सर्वेक्षण मामले की आगे की सुनवाई संभल की जिला अदालत में होगी। मस्जिद कमेटी ने इलाहाबाद उच्च न्यायालय में मुकदमे की पोषणीयता को चुनौती दी गई थी। कमेटी ने 19 नवंबर 2024 के सिविल कोर्ट के फैसले को चुनौती दी थी।

संभल के जामा मस्जिद और हरिहर मंदिर के बीच विवाद में मस्जिद कमेटी की ओर से इलाहाबाद उच्च न्यायालय में सिविल पुनरीक्षण याचिका दायर की गई थी। गत 13 मई को मस्जिद कमेटी की सिविल रिवीजन याचिका की सुनवाई के बाद बहस पूरी हो गई थी। बहस पूरी होने के बाद उच्च न्यायालय ने निर्णय सुरक्षित रख लिया था।

पौराणिक इतिहास और साक्ष्यों के आधार पर हिंदू पक्ष का दावा है कि संभल की जामा मस्जिद दरअसल में हरिहर मंदिर है। हिंदू पक्ष की तरफ से जनपद न्यायालय में वाद योजित किया गया है। इस मुकदमे की सुनवाई करते हुए जनपद न्यायालय ने अधिवक्ता रमेश राघव को एडवोकेट कमिश्नर नियुक्त कर यह कहा था कि विवादित परिसर का सर्वे करके न्यायालय में रिपोर्ट प्रस्तुत की जाय।

गौरतलब है कि इस प्रकृति के किसी भी सिविल वाद में न्यायालय, एडवोकेट कमिश्नर से विवादित भूखण्ड या परिसर की सर्वे रिपोर्ट मांगती है। इस दौरान मुसलमानों को उनके नेताओं ने यह कहकर उकसाया कि मस्जिद खतरे में है और मस्जिद को बचाना है। इसके बाद गत 24 नवंबर को जब सर्वे टीम मस्जिद में पहुंची तो उन लोगों पर हमला किया गया था। अभी हाल ही में बिजली की चेकिंग के दौरान अधिकारियों को संभल में एक मंदिर के बारे में पता लगा। मंदिर को 46 वर्ष पहले बंद करा दिया गया था। मंदिर में कई दशक पुरानी हनुमान जी की मूर्ति एवं शिवलिंग भी मिले। सफाई कराने के बाद पूजा अर्चना शुरू कराई गई। इसके साथ ही मंदिर के पास स्थित कुआं पर भी अवैध रूप से कब्जा पाया गया। संभल मामले में याची महंत ऋषिराज का कहना है कि बाबर ने अयोध्या के बाद संभल के मंदिर को भी तोड़ा था। संभल के मंदिर को तोड़कर बाबर ने मस्जिद का निर्माण कराया था। उसी समय से हिंदू, संभल के हरिहर मंदिर की लड़ाई लड़ रहा है। आसपास के सभी लोगों की जानकारी में है कि वहां पर हरिहर मंदिर है। बाबरनामा में भी हरिहर मंदिर का विवरण मिलता है। हिंदू पक्ष के अधिवक्ता विष्णु शंकर जैन का कहना है कि वर्ष 1920 में किये गए नोटिफिकेशन के अनुसार, हरिहर मंदिर का परिसर आर्केलॉजिकल सर्वे आफ इंडिया के नियंत्रण में था। मगर बाद में मुसलमानों ने हरिहर मंदिर पर कब्जा कर लिया। मुसलमानों के कारण भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण को वहां से हटना पड़ा। हमारी मांग है कि भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण को इस स्थान का पुनः अधिकार दिया जाए तथा हिंदुओं को वहां आने-जाने का अधिकार दिया जाए।

2027 तक बाल श्रम मुक्त प्रदेश बन जाएगा यूपी

अब तक 10,336 बाल श्रमिकों की हो चुकी है पहचान

लखनऊ, 19 मई (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में बाल श्रम के विरुद्ध निर्णायक अभियान की शुरुआत हो चुकी है। योगी सरकार ने वर्ष 2027 तक प्रदेश को बाल श्रम से पूरी तरह मुक्त करने का लक्ष्य तय करते हुए बहुआयामी योजनाओं को जमीन पर उतार दिया है। जागरूकता से लेकर शिक्षा और पुनर्वास तक, हर स्तर पर ठोस प्रयास किए जा रहे हैं, ताकि बचपन को मजबूरी नहीं, अवसर मिल सके।

योगी सरकार का यह अभियान अब सिर्फ सरकारी फाइलों तक सीमित नहीं, बल्कि हर गांव, हर गली तक पहुंच चुका है, जहां बचपन मुस्कुरा रहा है और भविष्य आकार ले रहा है।

बाल श्रम की रोकथाम के लिए 12 जून को अंतर्राष्ट्रीय बाल श्रम निषेध दिवस के माध्यम से विशेष जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाने का प्रस्ताव है। इन कार्यक्रमों के माध्यम से समाज को यह संदेश दिया जाएगा कि बच्चों का स्थान केवल स्कूल में है, श्रम में नहीं। इसके लिए विभिन्न विभागों के माध्यम से समन्वय बनाकर जागरूकता अभियान को धार दिया जाएगा।

योगी सरकार के प्रयासों से अब तक 10,336 बाल श्रमिकों की पहचान की जा चुकी है। वर्ष 2017-18 से 2024-25 तक 12,426 बाल श्रमिकों का शैक्षिक पुनर्वास कराया गया है, ताकि ये बच्चे फिर से विद्यालय में जाकर एक नई शुरुआत कर सकें।

यही नहीं, इन बच्चों के परिवारों को भी सरकार ने अकेला नहीं छोड़ा। 1,089 परिवारों को आर्थिक पुनर्वास के जरिए सहायता दी गई है, ताकि वे मजबूरीवश अपने बच्चों से काम न करवाएं। योगी सरकार द्वारा संचालित 'बाल श्रमिक विद्या योजना' के अंतर्गत 2,000 कामकाजी बच्चों को स्कूल में दाखिला दिलाया गया है और उन्हें आर्थिक सहायता भी प्रदान की गई, जिससे उनके पढ़ाई के रास्ते में कोई बाधा न आए। यह योजना न केवल शिक्षा को बढ़ावा देती है, बल्कि सामाजिक दृष्टिकोण को भी बदलने का काम कर रही है।

इसके अलावा, बंधुआ मजदूरी के खिलाफ भी सरकार ने सख्त रुख अपनाया है। वर्ष 2017-18 से 2024-25 तक कुल 1,408 बंधुआ श्रमिकों का पुनर्वास कर उन्हें 1,817.21 लाख रुपए की आर्थिक सहायता दी गई है। यह प्रयास उन्हें स्वतंत्र और गरिमामय जीवन की ओर ले जाने में एक बड़ा कदम साबित हो रहा है। श्रम कल्याण परिषद के माध्यम से संगठित क्षेत्र के श्रमिकों के लिए 8 कल्याणकारी योजनाएं संचालित की जा रही हैं। इनके संचालन के लिए सरकार ने 40 करोड़ रुपए की कॉर्पस निधि उपलब्ध कराई है। वर्ष 2024-25 में अब तक 309 श्रमिकों को 1.32 करोड़ रुपए की सहायता देकर राहत पहुंचाई जा चुकी है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के स्पष्ट निर्देश हैं कि बचपन से बड़ा कोई भविष्य नहीं होता, और बच्चों से बड़ा कोई निवेश नहीं। इसी सोच के तहत सरकार प्रदेश के हर बच्चे को बाल श्रम से मुक्त कर शिक्षा, सुरक्षा और सम्मान की दिशा में अग्रसर कर रही है।

गोरखपुर में बनेगा यूपी का चौथा अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम

लखनऊ, 19 मई (एजेंसियां)। योगी सरकार ने प्रदेश में चौथे इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम के निर्माण की तैयारी तेज कर दी है। प्रदेश में फिलहाल कानपुर और लखनऊ के स्टेडियम में इंटरनेशनल क्रिकेट मैचों का आयोजन होता है, वहीं वाराणसी में निर्माणाधीन इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम को भी तेजी से पूरा किया जा रहा है। इस बीच, सीएम योगी के ड्रीम प्रोजेक्ट्स में शुमार गोरखपुर इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम के निर्माण व विकास कार्यों को भी धरातल पर उतारने की प्रक्रिया शुरू हो गई है। सीएम योगी के विजन अनुसार नियोजन विभाग द्वारा इस विषय में एक विस्तृत खाका तैयार किया गया है। कार्ययोजना के अनुसार, गोरखपुर के ताल नदौर में 236.40 करोड़ रुपए खर्च कर 50 एकड़ भूमि पर 18 महीनों में निर्माण व विकास कार्यों को पूरा किया जाएगा।

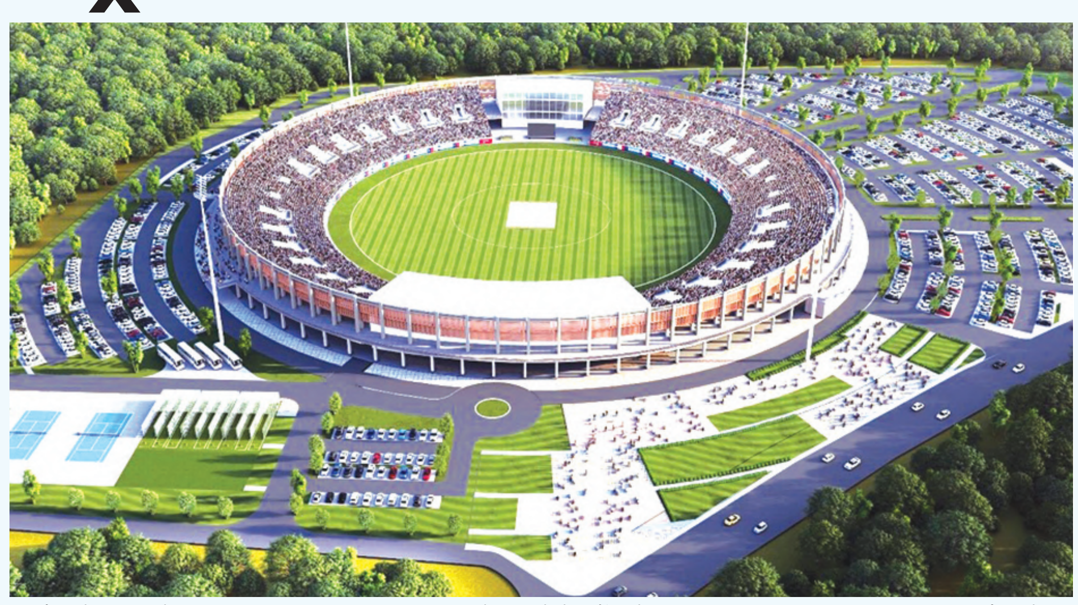

गोरखपुर में बनने वाले इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम के मुख्य परिसर का निर्माण 45 एकड़ में होगा जबकि 5 एकड़ में अन्य सुविधाओं का विकास होगा। यह स्टेडियम एयरपोर्ट से 23.6 किमी, राप्तीनगर बस अड्डे से 22 किमी तथा गोरखपुर जंक्शन से 20.8 किमी की दूरी पर स्थित होगा तथा उत्तम कनेक्टिविटी को प्रशस्त करने के लिए इसे संपर्क मार्ग के जरिए गोरखपुर-वाराणसी हाईवे (एनएच-24) से जोड़ने की तैयारी है। आईसीसी समेत विभिन्न वैश्विक संस्थाओं के मानकों के अनुसार इस 2 मंजिला क्रिकेट स्टेडियम का निर्माण होगा। इसमें 7 मुख्य पिच व 4 प्रैक्टिस पिच होंगी तथा यह 30 हजार दर्शकों की क्षमता युक्त होगा। यह स्टेडियम मल्टीपर्पज यूज मॉड्यूल पर बनेगा, यानी यहां इंटरनेशनल क्रिकेट इवेंट्स के साथ ही अन्य बड़े कार्यक्रमों का आयोजन भी किया जा सकेगा।

गोरखपुर इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम को ईपीसी मोड पर बनाए जाने की तैयारी है। इसके अंतर्गत स्टेडियम परिसर में एंट्री गेट्स, सिक्योरिटी चेक प्वॉइंट्स, ईस्ट व वेस्ट स्टैंड तथा नॉर्थ व साउथ पवेलियन का निर्माण किया जाएगा। परिसर में 1500 गाड़ियों की पार्किंग की क्षमता भी होगी। ईस्ट स्टैंड में 14,490 तथा वेस्ट स्टैंड में 14,490 के दर्शकों के बैठने की क्षमता होगी। यानी, इन दोनों स्टैंड्स में 28980 दर्शकों के बैठने की क्षमता होगी। दोनों स्टैंड में ग्राउंड फ्लोर पर पार्किंग की व्यवस्था होगी। यहां दर्शकों के लिए कॉनकोर्स, टॉयलेट, पेयजल व्यवस्था, सर्विस रूम, फर्स्ट एड रूम, मर्केंडाइज स्टोर, वीडियो बोर्ड व मिड विकेट कैमरा प्लेटफॉर्म का निर्माण किया जाएगा।

नॉर्थ पवेलियन में 208 वीआईपी सीटिंग वाली गैलरी व 382 सीटिंग वाली मीडिया व ब्रॉडकास्टर्स गैलरी का निर्माण होगा। यहां ग्राउंड फ्लोर पर मीडिया एंट्रेंस लॉबी, ब्रॉडकास्टिंग कंट्रोल रूम, इक्विपमेंट्स स्टोर रूम, किचन, स्टोर, सर्विसेस व यूटिलिटी एरिया का निर्माण होगा। पहले फ्लोर पर स्टेडियम सिक्योरिटी ऑफिस का निर्माण होगा जिसमें पुलिस, ब्रॉडकास्टिंग स्पॉन्सर रूम, मीडिया लाउंज व सर्विस व यूटिलिटी एरिया का निर्माण होगा। दूसरे फ्लोर पर रिटन प्रेस ट्रिब्यून, टीवी व रेडियो कॉमेंटेटर बॉक्स तथा मीडिया डाइनिंग एरिया का निर्माण होगा। स्टेडियम की छत पर मेन कैमरा प्लैटफॉर्म का भी निर्माण किया जाएगा। इसी प्रकार, साउथ पवेलियन में प्लेयर्स के ड्रेसिंग रूम व प्लेयर्स-मैच ऑफिशियल्स एरिया बनेगा। यहां पर भी वीआईपी और वीवीआईपी गैलरी का निर्माण होगा जिसकी क्षमता 1708 की होगी। यहां ग्राउंड फ्लोर पर प्लेयर्स लाउंज, प्रेस कॉन्फ्रेंस रूम, प्लेयर व मैच ऑफिशियल चेंजिंग रूम (ड्रेसिंग रूम), डोपिंग कंट्रोल रूम, फर्स्ट एड रूम, वी-वीआईपी एंट्रेंस लॉबी तथा मेन स्टेडियम किचन समेत विभिन्न सुविधाओं का निर्माण व विकास होगा।

एक्सप्रेस-वे के किनारे उद्योगों की लगेगी कतार

इंडस्ट्रियल कॉरिडोर की तरह विकसित हो रहे एक्सप्रेस-वे

लखनऊ, 19 मई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश की योगी सरकार एक्सप्रेस-वे को न केवल सुलभ परिवहन का साधन बना रही है, बल्कि इन्हें औद्योगिक विकास के मजबूत आधार के रूप में भी स्थापित कर रही है। योगी सरकार ने गंगा, बुंदेलखंड, आगरा-लखनऊ, पूर्वांचल और गोरखपुर लिंक एक्सप्रेस-वे के किनारे इंडस्ट्रियल कॉरिडोर विकसित करने की योजना के तहत अब तक 3827 हेक्टेयर भूमि का अधिग्रहण और क्रय कर लिया है, जो अनुमोदित भूमि का लगभग 70 प्रतिशत है। इस महत्वाकांक्षी परियोजना पर सरकार ने 5500 करोड़ रुपए से अधिक की धनराशि खर्च की है, जिसमें स्टांप और निबंधन शुल्क भी शामिल हैं। योगी सरकार की यह पहल उत्तर प्रदेश को उद्यम प्रदेश के रूप में स्थापित करने की दिशा में एक बड़ा कदम है। इन औद्योगिक गलियारों में वेयरहाउस, लॉजिस्टिक, इलेक्ट्रॉनिक्स, खाद्य प्रसंस्करण, दवा और आईटी जैसे उद्योगों को बढ़ावा दिया जाएगा। यूपी एक्सप्रेस-वे इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट अथॉरिटी (यूपीडा) के अनुसार, ये कॉरिडोर प्रदेश की अर्थव्यवस्था को वन ट्रिलियन डॉलर तक ले जाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

इंडस्ट्रियल कॉरिडोर के लिए भूमि अधिग्रहण और क्रय की प्रक्रिया में लगभग 20 हजार भूस्वामियों को मुआवजा प्रदान किया गया है। यह

पहल न केवल औद्योगिक विकास को गति दे रही है, बल्कि स्थानीय भूस्वामियों को भी आर्थिक लाभ पहुंचा रही है। योगी सरकार की एक्सप्रेस-वे आधारित औद्योगिक कॉरिडोर योजना न केवल उत्तर प्रदेश के बुनियादी ढांचे को मजबूत कर रही है, बल्कि लाखों लोगों के लिए रोजगार के अवसर भी सृजित कर रही है। यह परियोजना स्थानीय समुदायों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने और राज्य को औद्योगिक विकास के नए शिखर पर ले जाने का एक सशक्त प्रयास है। योगी सरकार की इस योजना से अगले 10 वर्षों में लाखों नौकरियां सृजित होने का अनुमान है।

गंगा एक्सप्रेस-वे के किनारे औद्योगिक गलियारों के लिए अब तक 1043 हेक्टेयर से अधिक भूमि का अधिग्रहण किया गया है, जिसमें 998 हेक्टेयर क्रय और 45 हेक्टेयर से अधिक का पुनर्ग्रहण शामिल है। यह अनुमोदित भूमि का 70 प्रतिशत से अधिक है। इसके लिए सरकार ने 1882 करोड़ रुपए का मुआवजा वितरित किया है, जिससे 5415 भूस्वामियों को लाभ हुआ है। गंगा एक्सप्रेस-वे के 11 स्थानों पर औद्योगिक कॉरिडोर विकसित किए जा रहे हैं, जो 12 जिलों को जोड़ेंगे। बुंदेलखंड एक्सप्रेस-वे के लिए 1528 हेक्टेयर से अधिक भूमि का अधिग्रहण किया गया है, जिसमें 1475 हेक्टेयर क्रय और 53 हेक्टेयर से अधिक का पुनर्ग्रहण शामिल है। यह अनुमोदित भूमि का लगभग 80 प्रतिशत है। इसके लिए 1655 करोड़ रुपए खर्च किए गए हैं, और 3783 भूस्वामियों को मुआवजा मिला है। बांदा और जालौन जैसे क्षेत्रों में औद्योगिक गलियारे स्थानीय अर्थव्यवस्था को मजबूत करेंगे।

पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे के लिए 873 हेक्टेयर भूमि का क्रय और पुनर्ग्रहण किया गया है, जो अनुमोदित भूमि का लगभग 60 प्रतिशत है। इसके लिए 1365 करोड़ रुपए खर्च किए गए हैं और 6632 भूस्वामियों को मुआवजा मिला है। लखनऊ, बाराबंकी, सुल्तानपुर, आजमगढ़ और गाजीपुर जैसे क्षेत्रों में औद्योगिक कॉरिडोर विकसित होंगे। गोरखपुर लिंक एक्सप्रेस-वे के लिए 168 हेक्टेयर से अधिक भूमि का क्रय और पुनर्ग्रहण किया गया है, जो अनुमोदित भूमि का 80 प्रतिशत से अधिक है। इसके लिए 305 करोड़ रुपए से अधिक खर्च किए गए हैं, और 1768 भूस्वामियों को मुआवजा प्रदान किया गया है। इस एक्सप्रेस-वे के किनारे दो औद्योगिक केंद्र स्थापित होंगे, जो गोरखपुर और आजमगढ़ को लाभ पहुंचाएंगे।

आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस-वे के किनारे 212 हेक्टेयर से अधिक भूमि का क्रय और पुनर्ग्रहण किया गया है, जिस पर 300 करोड़ रुपए से अधिक खर्च हुए हैं।

संपादकीय

भारत विरोधियों का बहिष्कार

भारत के देशभक्त नागरिकों की ओर से तुर्की और अजरबैजान के बहिष्कार का अभियान चलाया जा रहा है, जो रंग लाता दिख रहा है। इस अभियान को व्यापक जन समर्थन मिल रहा है। यहाँ तक कि व्यापारिक समूहों ने भी इस आंदोलन को मजबूती दी है। भारतीय नागरिकों का तुर्की और अजरबैजान पर गुस्सा इसलिए फूटा है क्योंकि इन दोनों देशों ने भारत की दोस्ती को भुलाकर इस्लाम के नाम पर आतंक के संरक्षक देश पाकिस्तान के साथ खड़ा होना अधिक उचित समझा। जब आतंकवादियों की मौत से बौखलाकर पाकिस्तान ने भारत पर हमला किया, तब तुर्की ने खुलकर पाकिस्तान का साथ दिया। उसने पाकिस्तान को हथियार भी उपलब्ध कराए, जिनका भारत की सेना ने धुआं उड़ा दिया। तुर्की और अजरबैजान के पर्यटन के बहिष्कार से शुरू हुआ यह अभियान फल, कपड़ा, मार्बल और तेल सहित अन्य सभी प्रकार के व्यापार के विरोध तक पहुँच चुका है। जहाँ एक ओर तुर्की और अजरबैजान को लेकर देश की भावना स्पष्ट रूप से सामने आ गई है। वहीं, दूसरी ओर मुस्लिम तुष्टीकरण की नीति के चलते कांग्रेस मतिभ्रम का शिकार है। देश की भावना से अधिक महत्व कांग्रेस के लिए मुस्लिम तुष्टीकरण है। जब एक प्रेसवार्ता में कांग्रेस के नेता जयराम रमेश और पवन खेड़ा से तुर्की के बहिष्कार पर सवाल पूछा तो दोनों नेता उत्तर देने की जगह माइक एक-दूसरे को थमाने लगे। उन्हें समझ ही नहीं आ रहा था कि क्या बोलें? भारत के विरोध में खड़े होनेवाले देशों को लेकर कांग्रेस का क्या स्टैंड है, यह उसके नेताओं को स्पष्ट नहीं है। क्या कांग्रेस इसलिए भ्रमित है कि एक इस्लामिक देश का विरोध करने से उसका मुस्लिम वोटबैंक नाराज न हो जाए? तय निश्चित ही कांग्रेस को अपनी सोच को लेकर पुनर्विचार करना चाहिए। कांग्रेस की जो दुर्दशा है, उसका आकलन 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान उसके व्यवहार को देखकर किया जा सकता है। जो राजनीतिक दल देश की भावनाओं के साथ नहीं खड़ा हो पा रहा है, वह क्या खाक देश का नेतृत्व कर पाएगा। बहरहाल, तुर्की स्वयं की भूमिका को लेकर स्पष्ट है। वह आर्थिक नुकसान उठाकर भी इस्लाम और भाईचारे के नाम पर पाकिस्तान का साथ देता रहेगा। तुर्की के तानाशाह एर्दोगन ने भारत को चिढ़ाने की मंशा से अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर लिखा है- "पाकिस्तान-तुर्की दोस्ती अमर रहे। अतीत की तरह, हम भविष्य में भी अच्छे और बुरे समय में पाकिस्तान के साथ खड़े रहेंगे"। इसके बाद भी यदि कोई तुर्की के बहिष्कार में संकोच कर रहा है, तब उसकी नीयत और देश के प्रति निष्ठा पर संदेह होना स्वाभाविक है। भारत के उन सभी नागरिकों और व्यापारियों की सराहना करनी चाहिए, जिन्होंने तुर्की और अजरबैजान के बहिष्कार को अपना पूर्ण समर्थन दिया है। भारतीय पर्यटकों से तुर्की और अजरबैजान को बहुत लाभ होता है। पिछले वर्ष ही दोनों देशों को भारतीय पर्यटकों से चार हजार करोड़ रुपये का व्यापार मिला है। यह अच्छी बात है कि हमारे लोगों ने यह विचार करना शुरू कर दिया है कि हम अपनी मेहनत की गाढ़ी कमाई ऐसे देश में क्यों खर्च करें, जो संकट के समय में भारत के विरुद्ध खड़ा होता है। भारत में ही घूमने के लिए एक से बढ़कर एक स्थान है और पर्यटन के लिए विदेश ही जाना है, तब दुनिया में कई देश हैं, वहाँ जाएंगे। सभी देशवासी संकल्प लें कि हम उन सभी देशों का बहिष्कार करेंगे, जो भारत के विरुद्ध खड़े होते हैं।

भारतीय नागरिकों का तुर्की और अजरबैजान पर गुस्सा इसलिए फूटा है क्योंकि इन दोनों देशों ने भारत की दोस्ती को भुलाकर इस्लाम के नाम पर आतंक के संरक्षक देश पाकिस्तान के साथ खड़ा होना अधिक उचित समझा। जब आतंकवादियों की मौत से बौखलाकर पाकिस्तान ने भारत पर हमला किया, तब तुर्की ने खुलकर पाकिस्तान का साथ दिया। उसने पाकिस्तान को हथियार भी उपलब्ध कराए, जिनका भारत की सेना ने धुआं उड़ा दिया। तुर्की और अजरबैजान के पर्यटन के बहिष्कार से शुरू हुआ यह अभियान फल, कपड़ा, मार्बल और तेल सहित अन्य सभी प्रकार के व्यापार के विरोध तक पहुँच चुका है। जहाँ एक ओर तुर्की और अजरबैजान को लेकर देश की भावना स्पष्ट रूप से सामने आ गई है। वहीं, दूसरी ओर मुस्लिम तुष्टीकरण की नीति के चलते कांग्रेस मतिभ्रम का शिकार है। देश की भावना से अधिक महत्व कांग्रेस के लिए मुस्लिम तुष्टीकरण है।

प्रधानमंत्री अगर घोषणा कर रहे हैं कि टेरर के साथ टॉक, ट्रेड यानी आतंकवाद के साथ बातचीत और व्यापार नहीं चल सकता है

भारत ने आतंकवाद के विरुद्ध लड़ाई का दुनिया के सामने प्रतिमान पेश किया

अवधेश कुमार

भारत के अंदर और पूरे विश्व में जिन्हें भी सीमा पार आतंकवाद, जम्मू कश्मीर और भारत-पाकिस्तान संबंधों को लेकर कोई भ्रम रहा होगा वह दूर हो जाना चाहिए। अगर दूर नहीं होता है तो देशों की अपनी कुटिल नीति हो सकती है और भारत के अंदर मानसिक ग्रंथि। वास्तव में 10 मई को टकराव रुकने की सेना की दोनों महिला अधिकारियों तथा विदेश सचिव के वक्तव्य के बाद कम से कम भारत के अंदर आश्वस्ति होनी चाहिए थी। उसके बाद लगातार दो दिनों तक सेना के तीनों अंगों के तीन शीर्ष अधिकारियों ने जिस तरह बिंदुवार सुस्पष्ट और मुखर भाषा में सैन्य रणनीति और स्टैंड को सामने रखा उनसे साफ हो गया था कि ऑपरेशन सिंदूर के तात्कालिक लक्ष्य और उद्देश्य पूरे हो गए हैं किंतु पाकिस्तान के विरुद्ध केवल सैन्य कार्रवाई छोड़कर संपूर्ण रणनीति जारी है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की दो टूक , प्रखर और समयानुकूल स्वाभाविक प्रखर आक्रामक तेवर और घोषणाओं के साथ भाव भंगिमाओं को देखने के बाद भारत के अंदर और पूरे विश्व में जिन्हें भी सीमा पार आतंकवाद, जम्मू कश्मीर और भारत-पाकिस्तान संबंधों को लेकर कोई भ्रम रहा होगा वह दूर हो जाना चाहिए। अगर दूर नहीं होता है तो देशों की अपनी कुटिल नीति हो सकती है और भारत के अंदर मानसिक ग्रंथि। वास्तव में 10 मई को टकराव रुकने की सेना की दोनों महिला अधिकारियों तथा विदेश सचिव के वक्तव्य के बाद कम से कम भारत के अंदर आश्वस्ति होनी चाहिए थी। उसके बाद लगातार दो दिनों तक सेना के तीनों अंगों के तीन शीर्ष अधिकारियों ने जिस तरह बिंदुवार सुस्पष्ट और मुखर भाषा में सैन्य रणनीति और स्टैंड को सामने रखा उनसे साफ हो गया था कि ऑपरेशन सिंदूर के तात्कालिक लक्ष्य और उद्देश्य पूरे हो गए हैं किंतु पाकिस्तान के विरुद्ध केवल सैन्य कार्रवाई छोड़कर संपूर्ण रणनीति जारी है। प्रधानमंत्री अगर घोषणा कर रहे हैं कि टेरर के साथ टॉक, ट्रेड यानी आतंकवाद के साथ बातचीत और व्यापार नहीं चल सकता है, पानी और खून एक साथ नहीं बह सकता है और उसके बाद अगर देश के अंदर कोई सोचता है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप या वहां के विदेश मंत्री के पोस्ट के आधार पर भारत की नीति चल रही है तो वैसे लोगों के लिए क्या शब्द प्रयोग किया जाए यह पाठक तय कर लें। प्रधानमंत्री ने कहीं भी अपने संबोधन में सीजफायर यानी युद्धविराम शब्द का प्रयोग नहीं किया और इसके पूर्व सेना के प्रवक्ताओं ने भी नहीं किया। विदेश सचिव के वक्तव्य तब में भी यह शब्द नहीं था। प्रधानमंत्री के वक्तव्य से साफ है कि आतंकवाद और सैन्य दुस्साहस रोकने की पाकिस्तान द्वारा दी गई गारंटी के आधार पर ही ऑपरेशन सिंदूर और सेना का प्रतिप्रहार रुका तथा इस कसौटी पर उसके आचरण को देखकर ही भविष्य तय होगा। वास्तव में प्रधानमंत्री के वक्तव्य में मूल पांच बातें स्पष्ट थी। पहला, पहलगाम हमले के बाद सीमा पार आतंकवाद और पाकिस्तान के संदर्भ में हमारा स्टैंड और पूरी सैन्य रणनीति कायम है। दूसरा, पाकिस्तान के हमले के लगातार विफल होने और उनके सैन्य अड्डों के तवाह होने के बाद शांति की पहल उन्होंने की और भारत अपनी शर्तों पर इसे स्वीकार किया । यह देश के अंदर बनाए गए झूठे नैरेटिव का उत्तर था जो सेना के प्रवक्ताओं द्वारा पत्रकार वार्ताओं में पहले भी दिया जा चुका था। आत्महीनता की मानस वाले समूह इसे स्वीकारने की जगह अपनी ही नीति को कटघरे में खड़ा करने लगे ।अगर आतंकवाद हुआ तो कार्रवाई केवल आतंकवादियों और उनके अड्डों के विरुद्ध ही नहीं होगी इसे पाकिस्तानी सत्ता की भूमिका मानकर होगी। कोई भी समझ सकता है कि यह सीधी सीधी चेतावनी है । तीसरा, अमेरिका सहित दूसरे देशों के लिए

संदेश था कि यह संभव नहीं की आतंकवादी देश न्यूक्लियर ब्लैकमेल के आधार पर शांति की बात करें और हम स्वीकार कर लें। यानी मार पड़ने से डरा पाकिस्तान किसी देश के पास यह कहते हुए जाता है कि हम न्यूक्लियर अस्त्र का प्रयोग करेंगे और उसके आधार पर कार्रवाई रोकने या समझौता करने को कहा जाएगा तो स्वीकार नहीं होगा। ध्यान रखिए, भारत ने जिन वायु सेना अड्डों पर पाकिस्तान में कार्रवाई की उनमें माना जाता है कि उसके तीन न्यूक्लियर इंस्टॉलेशन के पास थे और वह घबरा गया कि अगर भारत यहां पहुंच सकता है तो आगे हमारे लिए इसका भी उपयोग करना संभव नहीं होगा। चौथा, अगर पाकिस्तान से कोई बातचीत होगी तो केवल पाक अधिकृत कश्मीर पर और आतंकवाद पर। यह भारत के अंदर विरोधियों और विशेषकर ट्रंप प्रशासन को उत्तर था जो जम्मू कश्मीर समस्या को सुलझाने और तटस्थ स्थान पर बातचीत करने का दंभ भर रहे थे। मोदी सरकार का यह स्टैंड पहले से क्लियर था। और पांचवां, हमारे स्वदेशी निर्मित विषयों और सैनिक उपकरणों ने जैसी सफलता प्राप्त की है उसके बाद कोई देश यह न सोचे कि युद्ध के दौरान हमको उनकी अपरिहार्यता रहेगी। गहराई से देखें अमेरिका सहित पश्चिमी देशों को संदेश के साथ ही यह भारत की रक्षा सामग्रियों के अंतरराष्ट्रीय बाजार की एक बड़ी ब्रांडिंग थी। यानी हम भी प्रतिस्पर्धा में उतर गये हैं। आप भले किन्ही कारण से प्रधानमंत्री मोदी का सार्वजनिक विरोध करिए लेकिन किसी घटना को वे केवल तत्कालिकता में न देखकर उसके साथ दूरगामी और भविष्य के भारत के वैश्विक उद्देश्यों के आधार पर समग्र विचार कर सामने रखते हैं। देखा जाए तो भारत ने स्वयं को ऑपरेशन सिंदूर तथा उसके बाद प्रधानमंत्री के वक्तव्य से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एक नेतृत्वकारी भूमिका वाले देश के रूप में प्रस्तुत किया है। अमेरिका की परेशानी यह भी हो गई कि अगर भारत इस तरह साहसिक सैन्य कार्रवाई करता रहा तो दुनिया के नेता का उसका स्थान खतरे में होगा और बड़ी संख्या में देश उसके साथ खड़े हो जाएंगे। तभी डोनाल्ड ट्रंप की भाषा भारत और पाकिस्तान दोनों के लिए समान थी। उन्होंने दोनों को महान देश बताया तथा दोनों के साथ सतत व्यापार करने की भावना व्यक्त की। अचानक चीन के साथ व्यापार टकराव दूर करने के पीछे भी यही रणनीति हो सकती है। प्रधानमंत्री को सारी बातें ध्यान में रही होगी और उसी अनुसार 22 अप्रैल के पहलगाम हमले के बाद पूरी तात्कालिक और दूरगामी सैन्य रणनीति , कूटनीति , अंतर्राष्ट्रीय व्यापार नीति और राजनीति निश्चित हुई है। प्रधानमंत्री ने अमेरिका और यूरोप को भी यह कहते हुए आईना दिखा दिया कि आपके यहां भी 11 सितंबर, 2001 के और ब्रिटेन में ट्यूब के हमले के पीछे भी यही बहावलपुर के जैश ए मोहम्मद और मुरीदके के लश्कर ए तैयबा केंद्र की भूमिका थी। यह सच है कि तब वैश्विक आतंकवाद के केंद्र में ये स्थल थे। ओसामा बिन लादेन खुल्लमखुल्ला इन स्थानों में तकरीरें - बैठकें करता था, इनसे सीधे रिश्ते थे और अलकायदा एवं उसके द्वारा स्थापित इंटरनेशनल इस्लामिक फ्रंट के साथ सारे संगठन संबद्ध हो गए थे। अगर प्रधानमंत्री कहते हैं कि उन्होंने हमारी माताओं - बहनों की मांगों के सिंदूर उजड़े तो हमने उनके अड्डों को ही उजाड़ दिया। साथ यह भी कि ऑपरेशन सिंदूर एक अखंड प्रतिज्ञा है। नहीं लगता कि इस समय विश्व का कोई भी नेता इतने खतरनाक पड़ोसी , जिसके पास न्यूक्लियर अस्त्रागार हो और मजहबी उन्माद के आधार पर देश के बड़े वर्ग को मरने- मारने पर उतारू करने की विचारधारा, इस प्रकार के विचार और तेवर सामने रख सकता है । अब न केवल आतंकवादियों बल्कि उनको प्रायोजित करने वाले पाकिस्तान की सेना और संपूर्ण सत्ता को इस चेतावनी को गंभीरता से लेना होगा कि उन्हें आतंकवाद का इंफ्रास्ट्रक्चर ध्वस्त करना ही होगा। नहीं करेंगे तो फिर ऑपरेशन सिंदूर की विस्तारित प्रचंड हमले के लिए तैयार रहें और वह निर्णायक होगा। वास्तव में ऑपरेशन सिंदूर सीमा पार ही नहीं वैश्विक आतंकवाद से संघर्ष के लिए भी विचारधारा और रणनीति दोनों स्तरों पर एक विशिष्ट मानक बना है। यह बताता है कि नेतृत्व के पास इसके पीछे की संपूर्ण सोच और योजनाओं की पूरी समझ हो, प्रतिकार के लिए दीर्घकालिक सोच और रणनीति तथा उसे क्रियान्वित करने की संकल्पबद्धता और दृढ़ता हो तो पाकिस्तान जैसे दुष्ट देश को भी सबक सिखाया जा सकता है। प्रधानमंत्री ने साफ कर दिया है कि आतंकवाद से पीड़ित विश्व शांति की बजाय इस रणनीति को अपनायें तथा भयभीत छोटे देश भारत के साथ आएं। कुल मिलाकर यहां से भारत की दक्षिण एशिया सहित संपूर्ण विश्व के आतंकवाद तथा कश्मीर जैसे मुद्दों के संदर्भ में विजय और समाधान के आत्मविश्वास से भरी निर्भीक, दूरगामी और तथा कमजोर देशों के लिए नेतृत्वकारी भूमिका सामने आई है। इस तरह ऑपरेशन सिंदूर के साथ भारत एक ऐसे नए दौर में प्रवेश का संदेश दे चुका है जहां उसकी स्वयं की सुरक्षा, आत्मनिर्भरता तथा वैश्विक शांति की उसकी अपनी दृष्टि सर्वोपरि है और किसी देश का इसके परे सुझाव या साथ उसे स्वीकार नहीं। क्या देश में विरोधी भी इस युगांतरकारी सच को स्वीकार करेंगे ?

आप का नजरिया

संयुक्त परिवार : मात्र समझौता नहीं, आज की "जरूरत"

कहते हैं कि परिवार से बड़ा कोई धन नहीं। पिता से बड़ा कोई सलाहकार नहीं। मां के आंचल से बड़ी कोई दुनिया नहीं। भाई से अच्छा कोई भागीदार नहीं। और बहन से बड़ा कोई शुभ चिंतक नहीं। यही वजह है कि परिवार के बिना जीवन की कल्पना करना कठिन है। किसी भी देश और समाज की परिवार एक सबसे छोटी इकाई है। परिवार एक सुरक्षा कवच है और एक मानवीय संवेदना की छतरी भी। एक अच्छा परिवार बच्चे के चरित्र निर्माण से लेकर व्यक्ति की सफलता में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। परिवार से इतर व्यक्ति का बजूद नहीं है। इसलिए परिवार के बिना अस्तित्व के बिषय में कभी सोचा नहीं जा सकता। लोगों से परिवार बनता हैं और परिवार से राष्ट्र और राष्ट्र से विश्व बनता हैं। परिवार के इसी महत्व को जान और समझकर लोग आप संयुक्त परिवार को एक बार फिर से अपनाने लगे हैं। देश और दुनिया में परिवार के दो स्वरूप मुख्य रूप से देखने को मिलते हैं। इनमें पितृसत्तात्मक एवं मातृ सत्तात्मक परिवार शामिल है। किसी भी सशक्त देश के निर्माण में परिवार एक आधारभूत संस्था की भांति होता है, जो अपने विकास कार्यक्रमों से दिनोंदिन प्रगति के नए सोपान तय करता है। कहने को तो प्राणी जगत में परिवार एक छोटी इकाई है। लेकिन इसकी मजबूती हमें हर बड़ी से बड़ी मुसीबत से बचाने में कारगर है। बीते सालों में यह देखने में आया है कि संयुक्त परिवार की जगह अब एकल परिवारों ने ले ली है। समाज के इस नए चलन न केवल परिवारों को बिखराव दिया है, वहीं, समूचे सामाजिक ताने-बाने पर भी संकट छा गया है। हालात ऐसे हैं कि एकल परिवारों के सदस्य अब रिश्तों के नाम तक भूलने लगे हैं, निभाने की बात तो और है। एकल परिवारों में लोग एकाकी जीवन जीने को मजबूर है और इससे उनका मानसिक स्वास्थ्य भी प्रभावित हो रहा है । इसी चिंता और देश और दुनिया में परिवार के महत्व को देखते हुए संयुक्त राष्ट्र ने 1980 के दशक के दौरान परिवार से जुड़े मुद्दों पर ध्यान देना शुरू किया। इसके बाद वर्ष 1983 में आर्थिक और सामाजिक परिषद सामाजिक विकास आयोग ने विकास प्रक्रिया में परिवार की भूमिका पर अपने संकल्प की सिफारिश की और महासचिव से निर्णय लेने वालों और जनता के बीच जागरूकता बढ़ाने का अनुरोध किया। इसके साथ ही जनता को परिवार की समस्याओं और आवश्यकताओं के साथ-साथ उनकी जरूरतों को पूरा करने के प्रभावी तरीकों से अवगत कराया। संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 9 दिसंबर 1989 के अपने संकल्प 44/82 में परिवार के अंतर्राष्ट्रीय वर्ष की घोषणा की और 1993 में महासभा ने फैसला किया कि 15 मई को हर साल अंतर्राष्ट्रीय परिवार दिवस के रूप में मनाया जाएगा। सामाजिक संरचना के तौर पर परिवार का विवेचन करें तो परिवार जन्म, विवाह या गोद लेने से संबंधित दो या अधिक व्यक्तियों का समूह है, जो एक साथ रहते हैं। ऐसे सभी संबंधित व्यक्तियों को एक परिवार के सदस्य माना जाता है। उदाहरण के लिए यदि एक वृद्ध विवाहित जोड़ा, उनका बेटा ओर बहू, पोता-पोती और वृद्ध जोड़े का भतीजा सभी एक ही घर या अपार्टमेंट में रहते हैं। तो वे सभी एक ही परिवार के सदस्य माने जाएंगे। परिवारों की प्रकृति की व्याख्या करें तो ऐतिहासिक दृष्टि से अधिकांश संस्कृतियों में परिवार पितृसत्तात्मक यानि पुरुष-प्रधान परिवार ही देखने में आते हैं। इनमें परिवार के सबसे बड़े पुरुष द्वारा ही परिवार के सभी कार्यों का संचालन अथवा निर्णय लिए जाते हैं। इसके साथ ही आदिवासी समाज सहित कुछ अन्य समाजों में मातृ सत्तात्मक परिवारों की पृष्ठभूमि देखने को मिलती है। ऐसे परिवारों में परिवार की बुजुर्ग महिला की प्रधानता रहती है तथा परिवार एवं समाज के सभी निर्णय लेने में बुजुर्ग महिलाएं मुख्य भूमिका निभाती है। यह सभी परिवार संयुक्त परिवार का एक रूप है जहां तीन पीढ़ियां एक साथ रहती हैं।

देश दुनिया से

क्यों जरूरी है हर विषयों पर लिखना...

एक दौर था जब जवानी इश्क में डूबी होती थी लेकिन एक यह दौर है जहाँ जवानी लेखन में डूबी हुई है। विषय की समझ हो या ना हो, लिखने का सऊर हो या ना हो लेकिन लिखना है, वह भी बिना तथ्य और तर्क के। ऐसे लेखकों की बड़ी फौज तैयार हो गई है जिसे हर विषय पर लिखना शगल हो गया है। जिन्हें अपने शहर के बारे में नहीं मालूम, जिन्होंने कभी इतिहास के पन्ने नहीं पलटे, वे सारे के सारे विषय विशेषज्ञ हो गए हैं। उन्हें शायद बात का भी भान नहीं है कि वे ऐसा करके अपना और अपने देश भारत वर्ष का कितना नुकसान कर रहे हैं। हालिया भारत-पाकिस्तान युद्ध के समय कलमवीरों ने सारी हदें पार कर लिखना शुरू कर दिया। अखबारों के सम्पादकों की समझ बड़ी है तो उन्हें पता था कि अखबारों में जगह नहीं मिलेगी सो सोशल मीडिया पर टूट पड़े। आधी-अधूरी और अधकचरी जानकारी लेकर सौ-पचास शब्दों की टिप्पणी करने लगे। ऐसा लिखने वाले कुपढ़ लोगों को इस बात का भी भान नहीं था कि इससे देश और समाज को कितना नुकसान होगा लेकिन विशेषज्ञता झाडने के चक्कर में और सोशल मीडिया की स्वच्छंदता ने इन्हें बेलाग बना दिया था। हैरानी ही नहीं, खतरनाक बात है कि जिन विषयों, खासकर रक्षा जैसे विषयों पर क्या जरूरत है लिखने की? क्यों हम बेताब हो रहे हैं लिखने के लिए। जबकि इन्हें यह भी नहीं मालूम की दो देशों के मध्य युद्ध की स्थिति कब बनती है? सेना की रणनीति कभी उजागर नहीं होती है और ना ही सरकार किस नीति पर कार्ययोजना तैयार कर रही है, यह आम आदमी को पता ही नहीं होता है। इधर और उधर के खेल में मनचाहे ढंग से लिखा जा रहा है, बोला जा रहा है। यह सब बेहद खतरनाक प्रवृत्ति है। बार बार यह चेताये जाने के बाद कि केन्द्र सरकार द्वारा जारी अधिकृत जानकारी पर ही भरोसा करें लेकिन ये हैं कि मानते ही नहीं। अच्छा होता कि ये सारे लोग स्वयं पर नियंत्रण रखते और सेना और सरकार को उनका कार्य करने देते लेकिन ऐसा नहीं किया गया। युद्ध भूमि में ही जाना देशभक्ति नहीं है बल्कि समाज में शांति और शुचिता बनाये रखने में भी अपना योगदान देकर देशभक्ति की जा सकती है। इन लोगों के कारण सरकार पर अतिरिक्त दबाव है। समाज की शांति ना बिगड़े इसके लिए एक बड़ा अमला सोशल मीडिया की निगरानी के लिए तैनात करना पड़ा है। सोशल मीडिया पर नजर रखी जा रही

है कि कोई भी ऐसी पोस्ट करने वालों के खिलाफ कार्यवाही की जाए। यदि ये लोग स्वयं को नियंत्रित कर लेते तो सरकार पर अनावश्यक ना दबाव होता और ना ही इस निगरानी पर अतिरिक्त बजट खर्च करना पड़ता। यह गैर जिम्मेदारी लेखन भी एक तरह का अपराध है। अभिव्यक्ति की आजादी है लेकिन ऐसे मुद्दों पर खामोश रहना ही बेहतर होता। बल्कि यह भी होना चाहिए था कि ऐसा कोई कर रहा है, सोच रहा है तो उसे रोकने का प्रयास किया जाना चाहिए। जब सत्ता पक्ष और विपक्ष देश की सुरक्षा के लिए, सम्मान के लिए साथ हैं तो आपको क्या चूल मची है कि लिखते जाओ। मीडिया की भूमिका के बारे में कुछ कहना बेकार ही अपना ऊर्जा खर्च करना होगा। जिस तरह से मनगढंत खबरें दिखायी जा रही थीं, उससे आम आदमी के मन में धारणा गलत बन रही थी। आखिरकार सेना और सरकार की चेतावनी के बाद कुछ सम्हले लेकिन कब सम्हले रहेंगे, यह कहना मुश्किल है। टीआरपी की होड़ ने इन्हें भी बेलगाम कर दिया था। बिना समझे-बूझे और विषय की जानकारी के बिना गैर-जिम्मेदारी से लिखने की यह बीमारी समाज ने कोविड के दरम्यान भी देखा है। चूंकि उस समय हर व्यक्ति इस बात से भयभीत था कि जाने कब कोविड उन्हें घेर ले तो वह कभी कभी चुप्पी साध लेता था लेकिन तब भी वह गैरजिम्मेदारी लेखन से बाज नहीं आया। डॉक्टर और पुलिस के साथ जिम्मेदार मीडिया हर पल की खबर दे रहा था लेकिन कोविड के इंजेक्शन और दवाईयों को लेकर बेखौफ लिखा जा रहा था। कोविड ने कितनों को मौत की नींद सुला दिया और कितनों को श्माशान में जगह मयस्सर नहीं हुई, इस पर घर बैठे खबर लिखने वालों की कमी नहीं थी। यह गैर जिम्मेदाराना लेखन हर बार देखा जाता है। चूंकि सोशल मीडिया पर किसी का नियंत्रण नहीं है तो ऐसे कृत्य करने वालों की भरमार हो जाती है। एक किसी साहब ने सोशल मीडिया पर लिखा कि युद्ध में जाने के लिए कौन-कौन तैयार हैं लेकिन इन साहब ने यह बताने की जरूरत नहीं समझी कि वे अब तक घर पर क्यों हैं? क्यों उन्होंने रणभूमि में जाना स्वीकार नहीं किया। मध्यप्रदेश के ट्रक संचालकों ने सरकार से अनुरोध किया कि ऐसे वक्त में उनकी जरूरत है तो वे तैयार हैं। इस पर एक बुद्धिजीवि ने लिखा कि हम हैं तैयार। यह समझना मुश्किल था कि वे ट्रक संचालकों का हौसला बढ़ा रहे हैं या स्वयं ट्रक लेकर सेना की मदद के लिए जाने की बात कर रहे हैं। अफसोस कि ऐसे लोगों की संख्या बेशुमार है। अभिव्यक्ति की आजादी है तो आप सम-सामयिक मुद्दों पर लिखिए। स्वास्थ्य, शिक्षा, रोजगार, किसान, महिलाएं, अपराध जैसे हजारों विषय है, इस पर लिखिए।

प्रेरक प्रसंग

कोई अन्याय नहीं किया

भिक्षा ले कर लौटते हुए एक शिक्षार्थी ने मार्ग में मुर्गे और कबूतर की बातचीत सुनी। कबूतर मुर्गे से बोला- "मेरा भी क्या भाग्य है? भोजन न मिले, तो मैं कंकर खा कर भी पेट भर लेता हूँ। कहीं भी सींक, घास आदि से घोंसला बना कर रह लेता हूँ। माया मोह भी नहीं, बच्चे बड़े होते ही उड़ जाते हैं। पता नहीं ईश्वर ने क्यों हमें इतना कमजोर बनाया है? जिसे देखो वह हमारा शिकार करने पर तुला रहता है। पकड़ कर पिंजरे में कैद कर लेता है। आकाश में रहने को जगह होती तो मैं कभी पृथ्वी पर कभी नहीं आता। मुर्गे ने भी जवाब दिया-" मेरा भी यही दुर्भाग्य है। गंदगी में से भी दाने चुन चुन कर खा लेता हूँ। लोगों को जगाने के लिए रोज सवेरे सवेरे बेनागा बाँग देता हूँ। पता नहीं ईश्वर ने हमें भी क्यों इतना कमजोर बनाया है? जिसे देखो वह हमें, हमारे भाइयों से ही लड़ाता है। कैद कर लेता है। हलाल तक कर देता है। पंख दिये हैं, पर इतनी शक्ति दी होती कि आकाश में उड़ पाता तो मैं भी कभी भी पृथ्वी पर नहीं आता।" शिष्य ने सोचा कि अवश्य ही ईश्वर ने इनके साथ अन्याय किया है। आश्रम में आकर उसने यह घटना अपने गुरु को बताई और पूछा-" गुरुवर, क्या ईश्वर ने इनके साथ अन्याय नहीं किया है? ऋषि बोले- "ईश्वर ने पृथ्वी पर मनुष्य को सबसे बुद्धिमान प्राणी बनाया है। उसे गर्व न हो जाये, इसलिये शेष प्राणियों में गुणावगुण दे कर, मनुष्य को उनसे, कुछ न कुछ सीखने का स्वभाव दिया है। वह प्रकृति और प्राणियों में संतुलन रखते हुए, सृष्टि के सौंदर्य को बढ़ाए और प्राणियों का कल्याण करे। मुर्गे और कबूतर में जो विलक्षणता ईश्वषर ने दी है, वह किसी प्राणी में नहीं दी है। मुर्गे जैसे छोटे प्राणी के सिर पर ईश्वर ने जन्मजात राजमुकुट की भाँति कलगी दी है। इसीलिए उसे ताम्रचूड़ कहते हैं। अपना संसार बनाने के लिए, उसे पंख दिये हैं किन्तु उसने पृथ्वी पर ही रहना पसंद किया। वह आलसी हो गया। इसलिए लम्बी उड़ान भूल गया। वह भी ठीक है, पर भोजन के लिए पूरी पृथ्वी पर उसने गंदगी ही चुनी। गंदगी में व्याप्त जीवाणुओं से वह इतना प्रदूषित हो जाता है कि उसका शीघ्र पतन ही सृष्टि के लिए श्रेयस्कर है। बुराई में से भी अच्छाई को ग्रहण करने की सीख, मनुष्य को मुर्गे से ही मिली है। इसलिए ईश्वर ने उसके साथ कोई अन्याय नहीं किया है।" "किन्तु ऋषिवर, कबूतर तो बहुत ही निरीह प्राणी है। क्या उसके साथ अन्याय हुआ है?" शिष्य ने पूछा। शिष्य, की शंका का समाधान करते हुए ऋषि बोले-"पक्षियों के लिए ईश्वर ने ऊँचा स्थान खुला आकाश दिया है, फिर भी जो पक्षी पृथ्वी के आकर्षण से बँधा, पृथ्वी पर विचरण पसंद करता है, तो उस पर हर समय खतरा तो मँडरायेगा ही। प्रकृति ने भोजन के लिए अन्न बनाया है, फिर कबूतर को कंकर खाने की कहाँ आवश्योकता है। कबूतर ही है, जिसे आकाश में बहुत ऊँचा व दूर तक उड़ने की सामर्थ्य है। इसीलिये उसे "कपोत" कहा जाता है। वह परिश्रम करे, उड़े, दूर तक जाये और भोजन ढूँढे ।

दृष्टि कोण

रिश्वत लेकर सवाल पूछने का नेताओं काला इतिहास रहा है

देश के नेताओं ने आजादी के बाद से भ्रष्टाचार के इतने काले कारनामे किए हैं कि यदि कोई नेता ईमानदारी से अच्छा भी काम करे तब भी उस पर सहज भरोसा करना मुश्किल होता है। देश के लोगों की याद से नेताओ के काले कारनामे की छाप मिटे, इससे पहले ही कोई न कोई नया कांड ऐसा सामने आता है और पूरे तंत्र की विश्वसनीयता पर सवाल खड़े हो जाते हैं। नया मामला राजस्थान का है। भारत आदिवासी पार्टी (बीएपी) के एक विधायक जयकृष्ण पटेल को राजस्थान भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो ने विधानसभा में सवाल पूछने के बदले 20 लाख रुपए की रिश्वत लेने के आरोप में रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया। राजस्थान की इस क्षेत्रीय पार्टी के दो विधायक और एक सांसद हैं। आदिवासियों के उत्थान के आहवान के साथ इस पार्टी का गठन किया गया। इस पार्टी ने 2023 के विधानसभा चुनाव मे कुल चार सीटें जीती, तीन सीटें राजस्थान मे और एक सीट मध्यप्रदेश मे जीती। बीएपी की टिकट पर डूंगरपुर बांसवाड़ा संसदीय सीट जीतने वाले राजकुमार रोत लोकसभा से सांसद बने। रिश्वत लेने के आरोपी बीएपी विधायक पटेल ने विधानसभा में बीते सत्र के दौरान 11 जुलाई 2024 को अवैध खनन, फार्म हाउस, वन्य जीव और नशा तस्करी को लेकर सरकार पर गंभीर आरोप लगाते हुए कुछ सवाल किये गए थे। विधानसभा में इन्हीं खनन से जुड़े सवालों को हटवाने को लेकर रिश्वत का खेल शुरु हुआ। बीएपी विधायक ने इन सवालों को हटाने के लिए 10 करोड़ की डिमांड की थी। अंततः 20 लाख में सौदा तय हुआ और विधायक पटेल को रंगे हाथों दबोच लिया गया। यह पहला मौका नहीं है जब किसी जनप्रतिनिधि ने सदन की पवित्रता को तार-तार किया है। इससे पहले भी मामले सामने आ चुके हैं, जब विधानसभा हो या लोकसभा में सवाल पूछने या नहीं पूछने के ऐवज में रिश्वत मांग कर समूचे लोकतंत्र को कलंकित करने का काम किया गया है। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की तृणमूल कांग्रेस पार्टी (टीएमसी) की सांसद महुआ मोइत्रा का मामला अभी भी देश के लोगों की स्मृति से मिटा भी नहीं है।

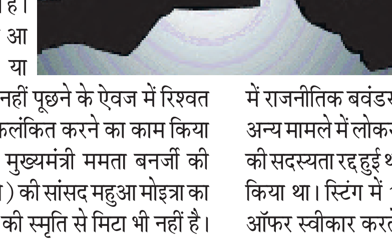

महुआ मोइत्रा ने रियल एस्टेट कारोबारी दर्शन हीरानंदानी के व्यवसायिक हितों की रक्षा के लिए संसद में सवाल पूछे। आरोप था कि महुआ मोइत्रा ने हीरानंदानी के इशारे पर 61 सवालों में 50 में अंबानी और अडानी को टारगेट किया। दर्शन हीरानंदानी ने खुलासा किया कि महुआ मोइत्रा ने अपनी संसद लॉगिन और पासवर्ड उनके साथ साझा किया था। उन्होंने महुआ की ओर से सवाल पोस्ट किए थे। एथिक्स कमेटी ने 6-4 के बहुमत से महुआ मोइत्रा की संसद सदस्यता खत्म करने की सिफारिश कर दी। टीएमसी सांसद मोइत्रा से पहले भी जनप्रतिनिधियों के ऐसे कृत्यों से देश में राजनीतिक बवंडर उठ चुके हैं। वर्ष 2005 में ऐसे ही एक अन्य मामले में लोकसभा के 10 और राज्यसभा के एक सांसद की सदस्यता रद्द हुई थी। तब एक वेब पोर्टल ने स्टिंग ऑपरेशन किया था। स्टिंग में 11 सांसद सवाल के बदले में कैश का ऑफर स्वीकार करते दिखे थे। इनमें लोकसभा के 10 और राज्यसभा के 1 सदस्य को निष्कासित कर दिया गया था। तब केंद्र में डॉक्टर मनमोहन सिंह के नेतृत्व में यूपीए-1 की सरकार थी। संसद की सदस्यता गंवाने वालों में 6 बीजेपी के थे, 3 बीएसपी के और 1-1 कांग्रेस के सांसद थे। स्टिंग में सबसे कम कैश 15000 रुपये की भाजपा सांसद छत्रपाल सिंह लोढ़ा के सामने पेशकश की गई थी जबकि सबसे ज्यादा कैश 1,10,000 रुपये आरजेडी के सांसद मनोज कुमार को ऑफर की गई थी। 24 दिसंबर 2005 को संसद में वोटिंग के जरिए आरोपी सभी 11 सांसदों को निष्कासित कर दिया गया। लोकसभा में प्रणब मुखर्जी ने 10 सांसदों के निष्कासन का प्रस्ताव रखा था जबकि राज्यसभा में तत्कालीन पीएम मनमोहन सिंह ने एक सांसद को निष्कासित करने का प्रस्ताव रखा था। वोटिंग के दौरान भाजपा वॉकआउट कर गई थी। पार्टी के वरिष्ठ नेता और तत्कालीन नेता प्रतिपक्ष एलके आडवाणी ने कहा था कि सांसदों ने जो कुछ किया वह करप्शन कम, मूर्खता ज्यादा है। इसके लिए निष्कासन बहुत ही कठोर सजा होगी। जनवरी 2007 में सुप्रीम कोर्ट ने भी सांसदों के निष्कासन के फैसले को सही ठहराया था।

पाक के बलूचिस्तान में कार बम विस्फोट, चार की मौत, 20 घायल

क्वेटा,19 मई (एजेंसियां)।

पाकिस्तान के अशांत बलूचिस्तान प्रांत के किला अब्दुल्ला में एफसी फोर्ट (किला अब्दुल्ला) के पास कल एक कार बम विस्फोट में कम से कम चार लोग मारे गए और 20 अन्य घायल हो गए। यह विस्फोट किला अब्दुल्ला की पिछली दीवार से सटे जब्बार मार्केट के पास हुआ। खबर के अनुसार, डिप्टी कमिश्नर रियाज खान ने बताया कि विस्फोट में कम से कम चार लोगों की मौत हो गई और 20 अन्य घायल हो गए। घायलों को इलाज के लिए अलग-अलग अस्पतालों में ले जाया गया। उन्होंने कहा कि शक्तिशाली विस्फोट में कई वाहन और दुकानें भी नष्ट हो गईं। आतंकवादी जाहिर तौर पर एफसी फोर्ट की दीवार को निशाना बनाना चाहते थे। विस्फोट के तुरंत बाद इलाके में भीषण गोलीबारी शुरू हो गई। किला अब्दुल्ला के डिप्टी कमिश्नर ने विस्फोट की पुष्टि की और कहा कि बम एक कार में लगाया गया था, जिसे एफसी कैंप के पास एक व्यस्त बाजार में पार्क किया गया था। रियाज खान के अनुसार, विस्फोट में एफसी और अन्य सुरक्षा बलों के कर्मियों को कोई नुकसान नहीं पहुंचा है। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में स्वास्थ्य सुविधाओं की कमी के कारण कुछ घायल लोगों को क्वेटा स्थानांतरित किया जा रहा है। विस्फोट के समय कबायली नेता हाजी फैजुल्लाह खान गबीजई भी अपने कार्यालय में मौजूद थे। घायलों में कबायली नेता, उनके सुरक्षा गार्ड और एक राहगीर भी शामिल हैं। विस्फोट के बाद कानून प्रवर्तन एजेंसियों की बड़ी टुकड़ियों ने पूरे इलाके की घेराबंदी कर दी और तलाशी और निकासी अभियान शुरू कर दिया। एक अलग घटना में अज्ञात हथियारबंद लोगों ने एफसी किला गुलिस्तान चौकी पर हथगोले से हमला किया। एफसी कर्मियों ने तुरंत जवाबी कार्रवाई की और जवाबी कार्रवाई में दो आतंकवादियों को मार गिराया। एफसी बलूचिस्तान के प्रवक्ता के अनुसार, आतंकवादियों और सुरक्षा बलों के बीच कुछ समय तक गोलीबारी हुई।

अधिकारियों ने कहा कि एफसी किला गुलिस्तान चौकी के आसपास की स्थिति को नियंत्रण में कर लिया गया है और किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए इलाके में पूरी सतर्कता बरती गई है। 2021 में तालिबान शासकों के अफगानिस्तान लौटने के बाद से पाकिस्तान में आतंकी घटनाओं में वृद्धि देखी गई है।

न्यूज़ ब्रीफ

कान्स में फिर छाईं उर्वशी रौतेला, स्टनिंग लुक ने खींचा सबका ध्यान

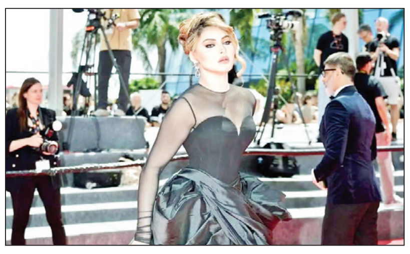

वाशिंगटन। दुनिया के सबसे प्रतिष्ठित और भव्य फिल्म समारोहों में से एक 78वां कान्स फिल्म फेस्टिवल 13 मई से शुरू हो चुका है और यह 24 मई तक चलेगा। हर साल की तरह इस बार भी भारतीय सितारों ने रेड कार्पेट पर अपनी शानदार मौजूदगी दर्ज कराई है। अब तक कान्स 2025 में जैकलीन फर्नांडिस, नितांशी गोयल और नैन्सी त्यागी ने अपने स्टाइल और ग्लैमर से सबका ध्यान खींचा है। उर्वशी रौतेला भी इस बार दूसरी बार रेड कार्पेट पर जलवा बिखेरती नजर आईं। कान्स फिल्म फेस्टिवल से उर्वशी रौतेला का दूसरा लुक भी सामने आ गया है। इस बार वह क्लासिक ब्लैक गाउन में नजर आईं, जिसे उन्होंने एक स्टाइलिश पिंक पर्स के साथ पेयर किया। इससे पहले अपने पहले लुक में उर्वशी ने रंग-बिरंगे ऑफ-शोल्डर गाउन के साथ सिर पर खूबसूरत ताज पहना था, जिसने उनके लुक को शाही अंदाज दिया। साथ ही वह एक शानदार क्रिस्टल तोता क्लच लिए दिखीं, जिसकी कीमत करीब 4.60 लाख रुपये बताई जा रही है। उर्वशी इससे पहले भी कई बार कान्स फिल्म फेस्टिवल में भारत का प्रतिनिधित्व कर चुकी हैं।

काठमांडू से लुक्ला जा रहे विमान के इंजन में खराबी, इमरजेंसी लैंडिंग कराई गई

काठमांडू। नेपाल में एक बार फिर उस वक्त एक बड़ा विमान हादसा टल गया जब इंजन में खराबी के बाद उसकी सुरक्षित इमरजेंसी लैंडिंग करा दी गई। पायलट की सूझबूझ के कारण 19 यात्रियों सहित 21 लोगों की जान बच गई। काठमांडू से लुक्ला की तरफ जा रहे समिट एयर के विमान में खराबी आने के कारण बीच रास्ते से ही उसे वापस होना पड़ा। काठमांडू के त्रिभुवन अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डा से सुबह 6 बजकर 12 मिनट पर उड़ान भरने वाले समिट एयर के विमान एसएमए303 कुछ ही देर में इंजन में खराबी आने के बाद वापस काठमांडू लौटना पड़ा। उसकी इमरजेंसी लैंडिंग कराई गई। त्रिभुवन अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डा के सूचना अधिकारी तेज बहादुर पौडेल ने बताया कि 6:12 मिनट पर काठमांडू से उड़ान भरने वाले समिट एयर के पायलट ने काठमांडू एटीसी को ट्विनअटर विमान के एक इंजन में खराबी होने की सूचना देते हुए इमरजेंसी लैंडिंग के लिए जानकारी दी। पौडेल के मुताबिक उड़ान भरने के 10 मिनट बाद ही विमान के इंजन में खराबी का पता लगते ही काठमांडू में सुरक्षित इमरजेंसी लैंडिंग कराई गई। हवाईअड्डा के प्रवक्ता पौडेल ने कहा कि चालक दल के तीन सदस्यों सहित 19 यात्रियों के साथ इमरजेंसी लैंडिंग के दौरान काठमांडू एयरपोर्ट को थोड़ी देर के लिए बंद कर दिया गया। उन्होंने बताया कि किसी भी संभावित दुर्घटना को ध्यान में रखते हुए अन्य विमानों की उड़ान और लैंडिंग को रोक दिया गया। इस दौरान रन-वे के आसपास दमकल और एंबुलेंस को भी बुला लिया गया।

चीन में भूकंप से हिली धरती, बीजिंग में महसूस किए गए तेज झटके

हांगकांग/बीजिंग। चीन की राजधानी बीजिंग में रात को भूकंप के झटके महसूस किए गए। यूनाइटेड स्टेट्स जियोलॉजिकल सर्वे अनुसार, रिक्टर स्केल पर भूकंप की तीव्रता 4.5 दर्ज की गई। भूकंप स्थानीय समयानुसार आधीरात बाद 01:21 बजे पास के बंदरगाह शहर तियानजिन के उपनगर में 10 किलोमीटर (6.2 मील) की गहराई पर आया। चीन भूकंप नेटवर्क केंद्र ने भूकंप की तीव्रता 4.2 मापी और इसका केंद्र पड़ोसी हेबेई प्रांत के योंगकिंग काउंटी में बताया। सीएनएन चैनल के अनुसार, भूकंप के झटके महसूस होते ही लोगों की नींद टूट गई। विद्यार्थी अपने छात्रावासों से भाग खड़े हुए। चीन के सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में कमरों के पंखे और अन्य सामान तेजी से हिलते नजर आ रहे हैं। बीजिंग भूकंप एजेंसी ने कहा कि भूकंप का केंद्र बीजिंग से मात्र 13 किलोमीटर की दूरी पर था। राजधानी के कुछ इलाकों में भी भूकंप के झटके महसूस किए गए। एजेंसी ने बयान में कहा कि इससे शहर की इमारतों को कोई संरचनात्मक क्षति नहीं हुई। दैनिक जीवन या उत्पादन के सामान्य कामकाज पर कोई असर नहीं पड़ेगा।

बांग्लादेश में समाज के दुश्मनों ने मददगार बुजुर्ग के घोड़े की हत्या की

ढाका,19 मई (एजेंसियां)।

बांग्लादेश के समाचार पत्रों और न्यूज वेबसाइट में एक घोड़े की हत्या की सुर्खी चर्चा के केंद्र में है। यह घोड़ा इसलिए खास है कि इसके मालिक 67 वर्षीय मनु मिया खुद अस्पताल में जीवन और मौत के बीच संघर्ष कर रहे हैं। मनु मिया ने अब तक देश के 3,057 लोगों को सुपुर्द-ए-खाक करने के लिए कब्र खोदी हैं। और इसके लिए किसी से एक टका भी नहीं लिया और न ही अन्य कोई सहायता स्वीकार की। समाज के खातिर अपना खेत बेचकर घोड़ा खरीदा और वह उनके इस कार्य में सदैव हमराह रहा। खबर के अनुसार, मनु मिया किसी की भी मौत की खबर सुनते ही अपने प्रिय घोड़े पर सवार होकर जरूरी औजारों के साथ कब्रिस्तान की ओर दौड़ पड़ते थे। अनजान लोगों की अंतिम यात्रा में किसी खास साथी की तरह मदद के लिए सच्चे हाथ आगे बढ़ाते रहे हैं। उन्होंने अपने 50 साल के जीवन में अब तक 3,057 कब्रें खोदी हैं। इसके लिए कभी किसी कुछ नहीं लिया। हां, डायरी में जरूर हर उस व्यक्ति का नाम, पता और समय दर्ज किया, जिसे उन्होंने दफनाया। दूरदराज के इलाकों में जल्दी पहुंचने के लिए मनु मिया ने कई साल पहले अपने धान के खेत बेचकर एक घोड़ा खरीदा। वे अपने सारे औजार और उपकरण इसी घोड़े पर लादकर ले जाते थे। गांव-गांव दौड़ते हुए निस्वार्थ सेवा करते थे। ऐसा लगता था मानो घोड़े ने उनकी उम्र की बाधा को पार करके उन्हें सक्रिय रखा हो। मनु मिया के शरीर में जटिल बीमारियों ने जड़ें जमा ली हैं। कुछ समय पहले वे बिस्तर पर पड़ गए और 14 मई को राजधानी ढाका के धानमंडी में बांग्लादेश मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती हुए। यही वह नाजुक समय है जब उनका प्रिय घोड़ा बर्बरता का शिकार हुआ। घर पर मनु मिया और उनकी पत्नी रहीमा बेगम की अनुपस्थिति में घोड़ा अभिभावक विहीन हो गया। शुक्रवार सुबह स्थानीय लोगों ने किशोरगंज के पड़ोसी मिथामोइन उपजिला के हाशिमपुर छत्रिस गांव में एक मदरसे के बगल में एक जलाशय में घोड़े का शव पड़ा देखा। मनु मिया के प्रिय घोड़े की हत्या कर दी गई। बांग्लादेश मेडिकल कॉलेज अस्पताल में उपचाराधीन मनु मिया की शारीरिक और मानसिक स्थिति को देखते हुए उनकी पत्नी और रिश्तेदारों ने घोड़े की हत्या की खबर उनसे छुपाई हुई है।

पहले अमेरिकी पोप लियो चौदहवें ने संभाली कमान, दिया एकता का संदेश

वेटिकन सिटी। इतिहास में पहली बार अमेरिका से चुने गए पोप, पोप लियो चौदहवें ने रविवार को अपने आधिकारिक पोंटिफिकेट (पोप पद) की शुरुआत की। उन्होंने कैथोलिक चर्च और दुनिया में व्याप्त ध्रुवीकरण को खत्म करने और एकता को बढ़ावा देने का संकल्प लिया। यह संदेश उन्होंने संत पेत्रुस स्क्वायर में आयोजित एक भव्य उद्घाटन समारोह में दिया, जहां लगभग 2 लाख श्रद्धालु, राष्ट्राध्यक्ष, धार्मिक नेता और शाही प्रतिनिधि मौजूद रहे। 69 वर्षीय अगस्टिनियन मिशनरी पोप लियो चौदहवें ने अपने पहले पोपमोबाइल यात्रा के दौरान भीड़ का अभिवादन किया, बच्चों को आशीर्वाद दिया और अमेरिकी, पेरूवियन समेत कई देशों के झंडे लहराते श्रद्धालुओं का अभिनंदन किया। कार्यक्रम के दौरान उस समय एक भावुक क्षण आया जब पोप को पोप पद की दो महत्वपूर्ण धार्मिक वस्तुएं भेड़ की ऊन से बनी स्टोल (कंधे की पट्टी) और फिशरमैन रिंग (मछुआरे की अंगूठी) सौंपी गईं। दो लाख श्रद्धालुओं की मौजूदगी में पोप लियो चौदहवें का शपथ ग्रहण झअंगूठी पहनने के बाद उन्होंने कुछ क्षणों तक उसे देखा और फिर अपने हाथ जोड़कर प्रार्थना की, जैसे कि उन्हें उस विशाल जिम्मेदारी का एहसास हुआ हो जो 1.4 अरब कैथोलिकों का नेतृत्व करने से जुड़ी है। इस अवसर पर अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व किया। वेंस ने शनिवार देर रात रोम पहुंचने के बाद स्वर्गीय पोप फ्रांसिस की समाधि पर श्रद्धांजलि अर्पित की। वेंस, पोप फ्रांसिस से मिलने वाले अंतिम विदेशी गणमान्य व्यक्तियों में से एक थे। पोप लियो चौदहवें का यह उद्घाटन संदेश ऐसे समय में आया है जब कैथोलिक चर्च कई सामाजिक, राजनीतिक और धार्मिक मुद्दों को लेकर अंदरूनी मतभेदों से जूझ रहा है। उन्होंने अपने पहले भाषण में इन चुनौतियों को स्वीकारते हुए चर्च को एकजुट रखने और हर मत को सम्मान देने की अपील की।

अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति बाइडेन को प्रोस्टेट कैंसर, ट्रंप ने चिंता जताई

वाशिंगटन,19 मई (एजेंसियां)।

अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडेन प्रोस्टेट कैंसर से पीड़ित हैं। यह उनकी हड्डियों तक फैल चुका है। बाइडेन के कार्यालय ने रविवार को जारी बयान में यह जानकारी दी। बयान में कहा गया कि प्रोस्टेट कैंसर ने आक्रामक रूप से पूर्व राष्ट्रपति को संक्रमित कर दिया है। यह उनकी हड्डियों तक फैल गया है। इस खबर से दुखी अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बाइडेन के प्रति सहानुभूति जताते हुए चिंता जताई है।

खबर के अनुसार, पूर्व राष्ट्रपति बाइडेन को मूत्र संबंधी लक्षणों में वृद्धि का अनुभव होने के बाद जांच कराई गई। शुक्रवार को प्रोस्टेट कैंसर की पुष्टि हुई। उनके कार्यालय के बयान में कहा गया है कि 82 वर्षीय बाइडेन और उनका परिवार चिकित्सकों के साथ विकल्पों पर विचार कर रहा है। ऑरलैंडो हेल्थ के यूरोलॉजिस्ट, रोबोटिक सर्जन और यूनिवर्सिटी ऑफ सेंट्रल फ्लोरिडा के कॉलेज ऑफ मेडिसिन के सहायक प्रोफेसर डॉ. जैमिन ब्रह्मभट्ट ने इसकी पुष्टि की है।

यूनिवर्सिटी ऑफ पिट्सबर्ग मेडिकल सेंटर में यूरोलॉजिक ऑन्कोलॉजी के प्रोफेसर डॉ. बेंजामिन डेविस का मानना है कि ग्लेसन स्कोर 9 का मतलब है कि यह प्रोस्टेट कैंसर का सबसे आक्रामक रूप है। सूत्र के अनुसार बाइडेन इस सप्ताहांत विलमिंगटन, डेलावेयर में अपने घर पर हैं। अमेरिकी इतिहास के सबसे उम्रदराज राष्ट्रपति बाइडेन को उम्र और स्वास्थ्य संबंधी चिंताएं पूरे कार्यकाल के दौरान सताती रहीं। फरवरी 2024 में बाइडेन ने वाल्टर रीड नेशनल मिलिट्री सेंटर में अपने चिकित्सक डॉ. केविन ओ%कॉनर की देखरेख में शारीरिक परीक्षण करवाया था। तब उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति के स्वास्थ्य को लेकर कोई चिंता की बात नहीं है।

बाइडेन के स्वास्थ्य को लेकर राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रविवार (स्थानीय समय) को चिंता जताते हुए उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर लिखा, मेलानिया और मैं बाइडेन के हाल ही के चिकित्सा निदान के बारे में सुनकर दुखी हैं।

तकनीकी खराबी के कारण पेरिस के ऑर्ली हवाई अड्डे से उड़ाने बंद, मची अफरा-तफरी

पेरिस के ऑर्ली हवाई अड्डे पर एयर ट्रैफिक कंट्रोल सिस्टम में तकनीकी खराबी के कारण रविवार को सैकड़ों उड़ानें रद्द हो गईं। बड़ी संख्या में उड़ानें देरी से उड़ीं। इस खराबी ने हजारों यात्रियों को प्रभावित किया, जिनमें से कई पहले से ही विमानों में सवार थे, जब उन्हें उड़ान रद्द होने की सूचना दी गई। फ्रांसीसी नागरिक विमानन प्राधिकरण ने चेतावनी दी है कि यह अव्यवस्था सोमवार तक जारी रह सकती है। इस खराबी ने यूरोप, उत्तरी अफ्रीका और फ्रांस के विभिन्न शहरों के लिए उड़ान भरने वाले यात्रियों को बुरी तरह प्रभावित किया। ऑर्ली हवाई अड्डे के टर्मिनलों पर वैकल्पिक परिवहन साधनों की तलाश में लंबी कतारें लग गईं। कई यात्रियों ने अपनी निराशा और असुविधा को व्यक्त किया। 63 साल के व्यवसायी अजगल अबिचू ने बताया, हम विमान में सवार थे, सीट बेल्ट बांध चुके थे और उड़ान के लिए तैयार थे। तभी हमें सूचित किया गया कि उड़ान रद्द हो गई है और हमें अपना सामान लेकर उतरना होगा। इसके बाद हमारी परेशानी शुरू हुई। फ्रांसीसी विमानन प्राधिकरण के अनुसार, यह खराबी हवाई यातायात नियंत्रण प्रणाली में एक 'दोष' के कारण हुई। एक हवाई अड्डे के सूत्र ने बताया कि यह 'रडार विफलता' थी, जिसके कारण नियंत्रण टॉवर का संचालन प्रभावित हुआ।

माउंट एवरेस्ट के शिखर पर एक दिन में पहुंचे 135 पर्वतारोही

काठमांडू,19 मई (एजेंसियां)।

पर्वतारोहियों के लिए रविवार का दिन बेहद अनुकूल रहा। मौसम ने साथ दिया और एक ही दिन में 135 पर्वतारोही दुनिया की सबसे ऊंची चोटी सागरमाथा (माउंट एवरेस्ट) के शिखर तक पहुंचने में सफल रहे। नेपाल के पर्यटन विभाग ने इस बात की पुष्टि की है कि मौसम की स्थिति अनुकूल होने के कारण 18 मई को एक ही दिन में कुल 135 पर्वतारोही माउंट एवरेस्ट के शिखर पर सफलतापूर्वक पहुंचे। यह वसंत चढ़ाई के मौजूदा मौसम में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है।

एवरेस्ट बेस कैंप में विभाग के अस्थायी फील्ड ऑफिस के अनुसार, अनुकूल मौसम होने के कारण बड़ी संख्या में पर्वतारोहियों को माउंट एवरेस्ट के शिखर तक पहुंचने में मदद मिली। कई और लोगों के भी प्रयास करने की उम्मीद है।

विभाग के निदेशक हिमाल गौतम ने कहा कि 18 मई का दिन इस सीजन के लिए एक बड़ा दिन साबित हुआ, जिसमें इतनी बड़ी संख्या में पर्वतारोही शिखर पर पहुंच गए। उन्होंने कहा कि सीजन के शुरुआती दिनों में मौसम अनुकूल नहीं होने से पर्वतारोहियों के विश्व की सबसे ऊंची चोटी पर पहुंचने में देरी हुई, लेकिन पिछले तीन दिनों से मौसम साफ होने, हवा का दबाव कम होने, बर्फीले तूफान के नहीं आने के कारण में सफल चढ़ाई में वृद्धि देखी गई है।

निर्देशक गौतम ने कहा कि इस सत्र में अब तक 200 से अधिक पर्वतारोही शिखर पर पहुंच चुके हैं, जिनमें से कई और पर्वतारोही सोमवार को शिखर पर चढ़ाई को पूरी कर सकते हैं। रविवार के सफल पर्वतारोहियों में फोटो पत्रकार और रिकॉर्ड धारक पूर्णिमा श्रेष्ठ शामिल हैं, जिन्होंने लगातार पांचवीं बार एवरेस्ट पर चढ़ाई की है। साटोरी एडवेंचर प्राइवेट लिमिटेड के अनुसार, श्रेष्ठ रविवार की सुबह शीर्ष चोटी पर पहुंच गईं। उन्होंने पिछले साल एक ही सत्र में तीन बार एवरेस्ट पर चढ़ाई करके इतिहास रचा था। उन्होंने पहली बार 2018 में एवरेस्ट पर चढ़ाई की थी।

पुतिन की यूक्रेन पर अब तक के सबसे बड़े हमले के बाद अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप से होगी बात

वाशिंगटन,19 मई (एजेंसियां)।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि वे यूक्रेन के साथ युद्ध विराम सुनिश्चित करने के लिए रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को फोन करेंगे। क्रेमलिन ने पुष्टि की कि दोनों नेता बात करेंगे। ट्रंप ने यह भी कहा कि वे यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की के साथ-साथ नाटो के नेताओं को भी फोन करेंगे। खबर में यह जानकारी दी गई। जर्मनी के चांसलर फ्रेडरिक मर्ज ने कल संवाददाताओं को बताया कि उन्होंने अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रुबियो से बात की है। फ्रांस और ब्रिटेन के नेता भी पुतिन से बात करने से पहले ट्रंप से बात करने की कोशिश कर रहे थे। ट्रंप और पुतिन की यह बातचीत ऐसे समय पर हो रही है जब रूस ने लगभग 273 विस्फोटक ड्रोन के माध्यम से यूक्रेन पर सबसे बड़ा हमला किया है। इसबीच पोप लियो ने भी शुक्रवार को वेटिकन में यूक्रेन-रूस वार्ता की मेजबानी करने की पेशकश की। इसके बाद कल जेलेंस्की ने उनसे निजी तौर पर मुलाकात की। यूक्रेन के राष्ट्रपति व्लादिमीर जेलेंस्की ने रविवार को पोप लियो 14 के उद्घाटन समारोह में हिस्सा लिया और बाद में उनसे निजी तौर पर मुलाकात की। नए पोप ने कुछ दिनों पहले रूस के साथ युद्ध को समाप्त करने में मदद करने की व्यक्तिगत इच्छा व्यक्त की थी। यह बैठक तब हुई जब नवनिर्वाचित पोप ने शुक्रवार को वेटिकन में यूक्रेन और रूस के बीच वार्ता की मेजबानी करने की पेशकश की और कहा कि वह शांति स्थापित करने के लिए हर संभव प्रयास करेंगे। लियो ने कहा, पवित्र धर्म हमेशा दुश्मनों को आमने-सामने लाने और एक-दूसरे से बात करने में मदद करने के लिए तैयार है। पोप के राज्य सचिव कार्डिनल पिएत्रो पारोलिन ने कहा कि यह पेशकश एक स्थान की उपलब्धता थी और उन्होंने वेटिकन को शांति वार्ता के लिए उपयुक्त स्थान कहा।

चीन ने अमेरिका, यूरोपीय संघ, जापान और ताइवान से आयातित प्लास्टिक पर एंटी-डंपिंग शुल्क लगाया

बीजिंग। चीन ने रविवार को अमेरिका, यूरोपीय संघ, जापान और ताइवान से आयात होने वाले पॉलीऑक्सीमेथिलीन (पीओएम) को-पॉलीमर पर कड़े एंटी-डंपिंग शुल्क लगाने की घोषणा की है। ये शुल्क अमेरिका से आने वाले आयात पर सबसे अधिक 74.9 फीसदी तक लगाए गए हैं। चीन की ओर से यह फैसला उस जांच के निष्कर्ष के बाद लिया गया, जिसमें उसके वाणिज्य मंत्रालय ने मई 2024 में शुरू की थी। यह जांच अमेरिका द्वारा चीनी इलेक्ट्रिक वाहनों, चिप्स और अन्य उत्पादों पर शुल्क बढ़ाने के कुछ ही समय बाद शुरू की गई थी। वाणिज्य मंत्रालय ने पहले जनवरी में ही प्रारंभिक जांच में यह पाया था कि इन देशों से डंपिंग की जा रही है। इसके बाद 24 जनवरी 2025 से अग्रिम जमा राशि के रूप में अस्थायी शुल्क लगाए गए थे। अमेरिका पर सबसे ऊंचा 74.9 फीसदी शुल्क चीन की ओर से लगाए गए एंटी डंपिंग शुल्क के तहत अमेरिका पर सबसे अधिक 74.9 प्रतिशत का शुल्क लगा है। जबकि यूरोपीय संघ पर 34.5 प्रतिशत, जापान पर सामान्यत: 35.5 फीसदी लेकिन असाही कासे कॉर्प पर 24.5 प्रतिशत का शुल्क लगा है। वहीं, ताइवान पर सामान्यत: 32.6 प्रतिशत लेकिन फॉर्मोसा प्लास्टिक्स पर सिर्फ 4 फीसदी और और पॉली प्लास्टिक ताइवान पर 3.8 प्रतिशत शुल्क लगाया गया है।

ला लीगा 2024-25 : एमबाप्पे-बेलिंगहैम ने रियल मैड्रिड को नौ खिलाड़ियों वाले सेविला पर 2-0 से जीत दिलाई

नई दिल्ली ,19 मई (एजेंसियां) ।

ला लीगा 2024-25 के अंतिम चरण में रियल मैड्रिड ने काइलियन एमबाप्पे और जूड बेलिंघम के दूसरे हाफ में किए गए गोलों की बदौलत सेविया को 2-0 से हराया। मुकाबले में सेविया की टीम को दो रेड कार्ड झेलने पड़े, जिससे वह नौ खिलाड़ियों के साथ मैच खत्म करने को मजबूर हुई।

मैच की शुरुआत में ही मिला पहला रेड कार्ड - मैच के शुरुआती 11वें मिनट में ही लोइक बाडे को एमबाप्पे को काउंटर-अटैक पर रोकने की कोशिश में रेड कार्ड दिखा दिया गया। यह साफ गोल स्कोरिंग मौका था, जिसे रेफरी ने गंभीरता से लिया और सेविया को शुरुआती झटका लगा। हालांकि रियल मैड्रिड ने गेंद पर नियंत्रण बनाए रखा, लेकिन पहले हाफ में एमबाप्पे और एंड्रिक गोल करने के आसान मौके भुना नहीं सके। दूसरे हाफ की शुरुआत में ही सेविया को दूसरा झटका लगा, जब आइज़ैक रोमेरो ने ओरेलियन चुआमेनी पर खतरनाक टैकल किया और उन्हें भी सीधा रेड कार्ड दिखाया गया।

एमबाप्पे का धमाका और बेलिंघम की सील - 70वें मिनट में एमबाप्पे का शॉट बार से टकराया, लेकिन 75वें मिनट में उन्होंने बॉक्स के बाहर से लो स्ट्राइक मारकर रियल के लिए खाता खोला। इसके बाद 87वें मिनट में युवा फॉरवर्ड गोंजालो गार्सिया के क्रॉस पर जूड बेलिंघम ने नजदीक से गोल कर टीम की जीत सुनिश्चित कर दी।

अंक तालिका की स्थिति - बार्सिलोना पहले ही खिताब अपने नाम कर चुका है और 85 अंकों के साथ टॉप पर है। रियल मैड्रिड 81 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर, जबकि एटलेटिको मैड्रिड 73 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर है। एथलेटिक बिलबाओ (70) और विलारियल (67) अंक के साथ टॉप-5 में हैं और ये सभी टीमें अगले सीजन यूईएफा चैंपियंस लीग में स्पेन का प्रतिनिधित्व करेंगी।

न्यूज ब्रीफ

कार्लोस अल्कराज ने सिनर को हराकर इटालियन ओपन खिताब जीता

रोम। युवा टेनिस स्टार कार्लोस अल्कराज ने रविवार को इटालियन ओपन के फाइनल में जैनिक सिनर को सीधे सेटों में 7-6 (7/5), 6-1 से हराकर खिताब अपने नाम किया। इस जीत के साथ ही अल्कराज ने रोलां गैरो (फ्रेंच ओपन) के लिए बाकी खिलाड़ियों को कड़ा संदेश दे दिया है, जहां वह अपने खिताब की रक्षा करने उतरेंगे। अल्कराज की इस सीजन में तीसरी खिताबी जीत 22 वर्षीय अल्कराज का यह सीजन में तीसरा खिताब है। यह उनका इस साल का चौथा फाइनल था और रोम मास्टर्स खिताब उनके खाते में दूसरा एटीपी 1000 खिताब बन गया है। इससे पहले वह मोंटे कार्लो में भी विजेता बने थे और बार्सिलोना में उपविजेता रहे थे। सिनर की जीत की लय तोड़ी दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी बने जैनिक सिनर की 26 मैचों की जीत की लय अल्कराज ने ही तोड़ी। गौर करने वाली बात यह है कि इस साल किसी भी टूर्नामेंट के फाइनल में सिनर को हराने वाले एकमात्र खिलाड़ी भी अल्कराज ही हैं। इससे पहले भी उन्होंने पिछले साल चीन ओपन के फाइनल में सिनर को हराया था। चोट के बावजूद शानदार प्रदर्शन अल्कराज को इस सीजन में मांसपेशियों में खिंचाव के चलते मैड्रिड ओपन में भाग लेने का मौका नहीं मिला, लेकिन फिर भी उन्होंने क्ले कोर्ट सीजन में शानदार प्रदर्शन किया है। रोलां गैरो से पहले यह फॉर्म उन्हें खिताब के बड़े दावेदारों में शामिल करता है। सिनर के लिए भी सकारात्मक संकेत हालांकि फाइनल में हार का सामना करना पड़ा, लेकिन यह टूर्नामेंट सिनर के लिए भी काफी अहम रहा। यह उनकी तीन महीने की डोपिंग प्रतिबंध के बाद पहली वापसी थी। उन्हें पिछले साल मार्च में दो बार क्लोस्टेबोल के लिए पॉजिटिव पाया गया था, जिसे डोपिंग एजेंसियों ने 'दुर्घटनावश' माना था।

ज़िम्बाब्वे की टेस्ट तैयारी को झटका, काउंटी इलेवन के खिलाफ मिली 138 रन से हार

लेस्टर। इंग्लैंड के खिलाफ अगले हफ्ते होने वाले एकमात्र टेस्ट से पहले ज़िम्बाब्वे को अभ्यास मैच में

करारी शिकस्त झेलनी पड़ी है। लेस्टर में खेले गए चार दिवसीय मुकाबले में प्रोफेशनल काउंटी क्लब सिलेक्ट इलेवन (पीसीसी) ने ज़िम्बाब्वे को 138 रन से हरा दिया। आखिरी दिन लड़खड़ाई ज़िम्बाब्वे की बल्लेबाज़ी 464/7 के स्कोर पर दूसरी पारी घोषित करने के बाद पीसीसी इलेवन ने ज़िम्बाब्वे को जीत के लिए 392 रन का लक्ष्य दिया। पीसीसी इलेवन ने पहली पारी में 330 रन बनाए थे। हालांकि, ज़िम्बाब्वे की शुरुआत बेहद खराब रही और लंच के बाद स्कोर 51/4 हो गया। हैम्पशायर के एडी जैक ने ज़िम्बाब्वे की शीर्ष क्रम की बल्लेबाज़ी को तहस-नहस कर दिया। ज़िम्बाब्वे ने अपनी पहली पारी में मधेवेरे (93), विलियम्स (76), सीगा (66), बेनेट (65) के अर्धशतकों की बदौलत 403 रन बनाए थे। वेल्श और त्सीगा की जुझारू पारियां निक वेल्श (87) ने काउंटर अटैक करते हुए पहले वेस्ली मधेवेरे (47 रन की साझेदारी) और फिर तफाद्ज़वा त्सीगा (70 रन की साझेदारी) के साथ पारी को संभालने की कोशिश की। मधेवेरे ने पहली पारी में 93 रन बनाए थे। हालांकि वेल्श शतक के करीब जाकर आउट हो गए और इसके बाद ज़िम्बाब्वे की पारी फिर बिखर गई।

गुजरात टाइटंस की जीत से आरसीबी और पंजाब भी प्लेऑफ में पहुंची

नई दिल्ली। गुजरात टाइटंस की दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ जीत के साथ ही वह प्लेऑफ में पहुंचने वाली

पहली टीम बन गयी है। इस जीत के साथ ही गुजरात के 2025 में 12 मैचों में नौ जीत से 18 अंक हो गये हैं। उसे केवल तीन मैचों में ही हार मिली है। ये हार उसे पंजाब किंग्स, लखनऊ सुपर जायंट्स और राजस्थान रॉयल्स से मिली थी। गुजरात की टीम ने तीसरी बार प्लेऑफ के लिए क्वालीफाई किया है। 2022 में टीम चैंपियन बनी थी। वहीं 2023 में उपविजेता थी, जबकि 2024 में वह शुरुआत में ही बाहर हो गयी थी। आईपीएल के इस सत्र में गुजरात की जीत से अन्य दो टीमों रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) और पंजाब किंग्स को भी आसानी से प्लेऑफ में जगह मिल गयी। इस प्रकार अब तक तीन टीमों ने प्लेऑफ में जगह बना ली है। आरसीबी की टीम ने 12 मैच खेले हैं, जिसमें से टीम ने 8 मैच जीते हैं जबकि तीन मैच वह हारी है। आरसीबी का पिछला मैच बारिश के कारण नहीं हो पाया था, जिसके कारण उसे प्लेऑफ में जगह बनाने के लिए अगले मैच का इंतजार था पर गुजरात की जीत के साथ बेंगलुरु की टीम का काम आसान हो गया।

हैदराबाद ने दर्ज की सत्र की चौथी जीत

प्लेऑफ की दौड़ से बाहर होने वाली पांचवीं टीम बनीं लखनऊ

नई दिल्ली,19 मई (एजेंसियां) । अभिषेक शर्मा और हेनरी क्लासेन की सधी हुई बल्लेबाजी से सनराइजर्स हैदराबाद ने लखनऊ सुपरजायंट्स को 6 विकेट से हरा दिया। इस हार के साथ ही लखनऊ की टीम आईपीएल 2025 के प्लेऑफ की रेस से बाहर हो गई है। इस तरह सनराइजर्स की टीम लखनऊ के लिए इस सीजन में पार्टी स्पॉयलर बन गई। सनराइजर्स के खिलाफ लखनऊ के लिए ये करो या मरो का मैच था, लेकिन इस हार के साथ ही वह किसी भी तरह अब 16 अंक तक नहीं पहुंच पाएगी। वहीं सनराइजर्स की बात करें तो वह पहले ही प्लेऑफ की रेस से बाहर थी।

इकना क्रिकेट स्टेडियम में खेले गए इस मुकाबले की बात करें तो सराइजर्स के कप्तान पैट कमिंस ने टॉस जीतने के बाद लखनऊ को पहले बल्लेबाजी के बुलाया था। लखनऊ ने मिचेल मार्श और एडेन मार्करम की दमदार अर्धषकीय पारी से निर्धारित 20 ओवर के खेल में 205 रन का स्कोर खड़ा किया था। इसके जवाब में सनराइजर्स की टीम ने 10 गेंद रहते ही लक्ष्य को हासिल कर लिया था।लखनऊ के खिलाफ इस मुकाबले में सनराइजर्स की तरफ से अभिषेक शर्मा और हेनरी क्लासेन ने अपना कमाल दिखाया। 206 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी सनराइजर्स की शुरुआत कुछ खास नहीं रही थी, लेकिन टीम के लिए अभिषेक शर्मा ने अपनी तूफानी बैटिंग से लखनऊ के गेंदबाजों को हावी होने का मौका नहीं दिया। इस दौरान अभिषेक शर्मा को ईशान किशन का बेहतरीन साथ मिला। हालांकि, अभिषेक 20 गेंद में 59 रन बनाकर आउट हो गए। अपनी इस पारी में उन्होंने 6 छक्के और 4 चौके भी लगाए।

अभिषेक शर्मा के आउट होने के बाद एक समय ऐसा लगा कि लखनऊ की टीम मैच में वापसी कर ली है, लेकिन हेनरी क्लासेन ने उसके मंसूबों पर पानी फेर दिया। क्लासेन ने 28 गेंद में 47 रन बनाकर मैच को एकतरफा बना दिया। क्लासेन ने अपनी इस पारी में 4 चौके और 1 छक्का लगाया। इसके अलावा कामिंदु मेंडिस का भी शानदार कैमियो देखने को मिला। उन्होंने 21 गेंद में 32 रन बनाकर मैच को सनराइजर्स की झोली में डालने काम किया। हालांकि, दुर्भाग्य से वह टीम के लिए विनिंग शॉट नहीं लगा सके क्योंकि चोट के कारण वह रिटायर्ड हर्ट हो गए थे। सनराइजर्स की तरफ से पारी में ईशान किशन ने भी 28 गेंद में 35 रनों की पारी खेली।

सनराइजर्स के खिलाफ इस मुकाबले में लखनऊ की बल्लेबाजी शानदार रही थी। टीम के लिए मिचेल मार्श ने 39 गेंदों पर 65 रन बनाए, जिसमें छह चौके और चार छक्के शामिल थे। उन्हें हर्ष दुबे ने आईपीएल में अपना पहला शिकार बनाया। वहीं मार्करम ने 38 गेंदों में 61 रन ठोके, जिसमें चार चौके और तीन छक्के शामिल थे। उन्हें हर्षल पटेल ने क्लीन बोल्ड किया, जो उनका आईपीएल में 150वां विकेट था। बीच में कप्तान ऋषभ पंत (7) और आयुष बदोनी (3) कुछ खास नहीं कर सके, जिससे लखनऊ की रन गति थोड़ी धीमी पड़ी। ग्यारह ओवर में 118/1 के स्कोर से टीम 17 ओवर तक 168/3 तक ही पहुंच सकी।

अंतिम ओवरों में निकोलस पूरन ने तेज रन बटोरे। उन्होंने 26 गेंदों पर 45 रनों की पारी खेली, जिसमें छह चौके और एक छक्का शामिल था। हालांकि, अंतिम ओवर में वह रन आउट हो गए। अंतिम गेंद पर आकाश दीप ने शानदार छक्का जड़कर टीम को 206 तक पहुंचाया। लखनऊ ने अंतिम ओवर में तीन विकेट गंवाए। एसआरएच की ओर से ईशान मलिंगा सबसे सफल गेंदबाज रहे, जिन्होंने 28 रन देकर दो विकेट लिए। हर्ष दुबे ने एक विकेट लिया, लेकिन उन्होंने अपने चार ओवर 44 रन लुटाए।

आईपीएल 2025: केकेआर ने शिवम शुक्ला और आरसीबी ने मुजरबानी को किया शामिल

नई दिल्ली ,19 मई (एजेंसियां) ।

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 के बाकी बचे मुकाबलों के लिए कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर)और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने अपनी-अपनी टीमों में बदलाव किया है। कोलकाता नाइट राइडर्स ने वेस्टइंडीज के ऑलराउंडर रोवमैन पावेल की जगह शिवम शुक्ला को टीम में शामिल किया है। इसी तरह रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने साउथ अफ्रीका के लुंगी एनगिडी की जगह जिम्बाब्वे के तेज गेंदबाज ब्लेसिंग मुज़रबानी को टीम में शामिल किया है।

पावेल टॉन्सिल की सर्जरी के कारण टूर्नामेंट से बाहर हो गए हैं। उनके स्थान पर शामिल किए गए शिवम शुक्ला लेग स्पिनर हैं, जो घरेलू क्रिकेट में मध्यप्रदेश का प्रतिनिधित्व करते हैं। उन्हें 30 लाख रुपये में साइन किया गया है। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने साउथ अफ्रीका के लुंगी एनगिडी की जगह जिम्बाब्वे के तेज गेंदबाज ब्लेसिंग मुज़रबानी को टीम में शामिल किया है। एनगिडी 26 मई, 2025 से दक्षिण अफ्रीका की राष्ट्रीय टीम से जुड़ने के लिए आईपीएल छोड़ेंगे। ऐसे में आरसीबी ने मुज़रबानी को 75 लाख रुपये में टीम का हिस्सा बनाया है।

ब्लेसिंग मुज़रबानी अब तक 70 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेल चुके हैं, जिसमें उन्होंने 78 विकेट हासिल किए हैं। इसके अलावा उन्होंने 12 टेस्ट और 55 वनडे मुकाबलों में भी जिम्बाब्वे का प्रतिनिधित्व किया है। उनके अनुभव को देखते हुए आरसीबी को उम्मीद है कि वह गेंदबाजी विभाग को मजबूती देंगे।

आईपीएल के अंतिम चरण में ये दोनों बदलाव टीमों के लिए निर्णायक साबित हो सकते हैं।

आईटीटीएफ विश्व टेबल टेनिस चैम्पियनशिप

कतर में आईटीटीएफ विश्व टेबल टेनिस चैम्पियनशिप में जूआना वीगोस रिटर्न शॉट लगाती हुई।

ला लीगा 2024-25 : विलारियल ने बार्सिलोना के खिताबी जश्न को फीका किया

नई दिल्ली ,19 मई (एजेंसियां) ।

स्पेनिश लीग लालीगा 2025 में बार्सिलोना को अपने आखिरी घरेलू मुकाबले में रविवार देर रात विलारियल के हाथों 2-3 से हार का सामना करना पड़ा। यह 2025 में बार्सिलोना की पहली लीग हार है। हालांकि इस हार का खिताब पर कोई असर नहीं पड़ा क्योंकि बार्सिलोना पहले ही मौजूदा सीजन का लालीगा खिताब जीत चुका है।

मैच की शुरुआत में विलारियल ने बार्सिलोना के खिलाड़ियों को गार्ड ऑफ ऑनर दिया, जहां उन्होंने नए चैंपियन को सम्मानित किया। इसके बावजूद मैदान पर उन्होंने जबरदस्त प्रदर्शन कर जीत हासिल की। विलारियल की ओर से चौथे मिनट में आयोजे पेरेज़ ने शानदार ब्रेकअवे गोल कर टीम को बढ़त दिलाई। इसके बाद लामीने यामाल ने एक और बेहतरीन गोल कर स्कोर बराबर किया। फर्मिन लोपेज ने हाफ टाइम से पहले बार्सिलोना को बढ़त दिला दी, लेकिन दूसरी छमाही में सैंटियागो कोमेसाना और ताजोन बुकानन के गोल ने विलारियल को जीत दिला दी।

15 मैचों के बाद हारी बार्सिलोना, विलारियल ने पक्का किया चैंपियंस लीग का टिकटबार्सिलोना की यह हार 21 दिसंबर 2024 के बाद पहली है, जब उसे एटलेटिको मैड्रिड से 2-1 से हार मिली थी। इसके बाद क्लब ने 15 मैचों में 12 जीत और 2 ड्रॉ हासिल किए थे। वहीं, विलारियल की यह लगातार पांचवीं जीत रही, जिससे उन्होंने 2022 के बाद पहली बार चैंपियंस लीग में वापसी पक्की कर ली है। स्पेन से पांच टीमें खेलेंगी अगली बार चैंपियंस लीग विलारियल अब बार्सिलोना, रियल मैड्रिड, एटलेटिको मैड्रिड और एथलेटिक बिलबाओ के साथ मिलकर चैंपियंस लीग 2025-26 में हिस्सा लेगा। यानी स्पेन से अगली बार यूरोप की सबसे बड़ी क्लब प्रतियोगिता में पांच टीमें भाग लेंगी। अन्य यूरोपीय प्रतियोगिताओं की स्थिति रियल बेटिस ने यूरोपा लीग का टिकट कन्फर्म कर लिया है। वहीं, सेल्टा वीगो, रायो वायेकेनो और ओसासुना के बीच बची हुई यूरोपा लीग और कॉन्फ्रेंस लीग की जगहों के लिए कड़ा मुकाबला जारी है।

बी. इंदिरा : एथलीटों के भरोसे से प्रशस्त हुई उनकी प्रसिद्धि की लंबी राह

बीते 5 मई को तमिलनाडु सरकार ने बी. इंदिरा को सर्वश्रेष्ठ कोच पुरस्कार से किया था सम्मानित

चेन्नई ,19 मई (एजेंसियां) ।

तमिलनाडु सरकार ने प्रदेश के खेल विकास प्राधिकरण की अनुभवी ट्रैक और फील्ड कोच बी. इंदिरा को सर्वश्रेष्ठ कोच पुरस्कार से सम्मानित किया है। यह सम्मान इंदिरा के अथक प्रयासों और राज्य में खेल प्रतिभाओं को बढ़ावा देने के उद्देश्य से किया गया है।

बी. इंदिरा की जीवन यात्रा, जो एक शारीरिक शिक्षा शिक्षक के रूप में उनकी भूमिका से शुरू हुई, दृढ़ता और अपने एथलीटों के प्रति गहरे समर्पण से प्रेरित है। यह समान उनके महत्वपूर्ण सफलताओं, विशेष रूप से ओलंपियन प्रवीण चित्रवेल के साथ उनके संबंधों पर आधारित है , जो उनके छात्रों को निरंतर प्रोत्साहित करने विश्वास पैदा करने और सफलता के पथ की नींव डालने पर आधारित है। 53 वर्षों के बाद, यह पुरस्कार अंततः तमिलनाडु में खेलों के विकास में इंदिरा के विशेष योगदान को याद दिलाया है।

बी. इंदिरा को दिए गए सम्मान के पीछे की कहानी जुड़ी है विश्व प्रसिद्ध बैडमिंटन चैंपियन पीवी सिंधु के संघर्षों और सफलताओं की घटनाओं से। बताया जा रहा है कि बैडमिंटन की दुनिया में सिंधु की उल्लेखनीय यात्रा उनके परिवार, कोच और साथियों से मिले समर्थन और विश्वास से भी गहराई से जुड़ी हुई है।

अपने माता-पिता द्वारा पोषित खेल के प्रति उनके शुरुआती जुनून से लेकर उनके कठोर प्रशिक्षण और उसके बाद अंतरराष्ट्रीय मंच पर जीत तक, जिसमें 2019 में विश्व चैंपियनशिप स्वर्ण और 2021 में ओलंपिक पदक शामिल हैं, सिंधु ने अपनी उपलब्धियों में इस अटूट विश्वास की महत्वपूर्ण भूमिका पर लगातार जोर दिया है। उनकी कहानी इस बात का एक शक्तिशाली प्रमाण है कि कैसे खुद से और दूसरों से विश्वास, एक एथलीट को उसके खेल के शिखर पर पहुंचा सकता है।

बी. इंदिरा और पीवी सिंधु की समानांतर कहानियाँ, हालांकि अलग-अलग खेल विधाओं में हैं, एक केंद्रीय विषय पर मिलती हैं: उत्कृष्टता की खोज में विश्वास और समर्पण की अपरिहार्य भूमिका। इंदिरा की सर्वश्रेष्ठ कोच के रूप में लंबे समय से प्रतीक्षित मान्यता उनके एथलीटों के प्रति उनकी अटूट प्रतिबद्धता को उजागर करती है, जबकि सिंधु का प्रसिद्ध बैडमिंटन करियर वैश्विक सफलता प्राप्त करने में विश्वास की शक्ति को रेखांकित करता है।

चेन्नई की दोनों कहानियां खिलाड़ियों और उनके मार्गदर्शकों को अपनी पूरी क्षमता तक पहुंचने के लिए आवश्यक आधारभूत तत्वों के बारे में प्रेरणादायी अंतर्दृष्टि प्रदान करती हैं, तथा इस बात पर बल देती हैं कि प्रतिभा और कड़ी मेहनत के अलावा, विश्वास और समर्थन का मजबूत आधार अक्सर सच्ची खेल महिमा को प्राप्त करने की कुंजी होता है।

भारत ने रिकॉर्ड 24 बिलियन डॉलर के स्मार्टफोन का निर्यात किया

नई दिल्ली, 19 मई (एजेंसियां)।

भारत ने वित्त वर्ष 2025 में स्मार्टफोन निर्यात में एक नई उपलब्धि हासिल की है। देश ने रिकॉर्ड 24.14 बिलियन डॉलर के स्मार्टफोन का निर्यात किया है, जो पिछले वर्ष के स्मार्टफोन निर्यात के 55 फीसदी ज्यादा है। भारतीय मेड इन इंडिया स्मार्टफोन की मांग अमेरिका, नीदरलैंड, इटली, जापान और चेक गणराज्य में बढ़ी है। भारत ने अकेले अमेरिका को 10.6 बिलियन डॉलर के स्मार्टफोन का निर्यात किया है। इस उछाल के साथ, भारतीय स्मार्टफोन निर्यात ने पेट्रोलियम उत्पादों और हीरे के निर्यात मूल्य को भी पार कर दिया है। भारत ने अपनी व्यवसायिक नुकसान से चीन के उत्पादन मार्ग को भी

भारत ने अकेले अमेरिका को 10.6 बिलियन डॉलर के स्मार्टफोन का निर्यात किया

स्वीकार करते हुए, ऐप्पल जैसी दिग्गज कंपनियों को अपने मैन्युफैक्चरिंग बेस को भारत में शिफ्ट करने का मौका दिया है। यह नया उत्कृष्टता का पहलू दिखाता है जो भारत को एक मान्यता प्राप्त निर्यात नेतृत्व प्राप्त कराने के लिए तैयार कर रहा है। मेड इन इंडिया स्मार्टफोन अब दुनिया भर में अपनी नई प्रतिष्ठा बना रहे हैं। वित्त वर्ष 2025 में भारतीय स्मार्टफोन्स का निर्यात भारी समृद्धि प्राप्त कर रहा है।

सरकार वैश्विक सेमीकंडक्टर चिप उत्पादन की 5 फीसदी हिस्सेदारी हासिल करेगी

नई दिल्ली। सरकार ने साल 2030 तक वैश्विक सेमीकंडक्टर चिप उत्पादन में 5 प्रतिशत हिस्सेदारी हासिल करने का लक्ष्य रखा है। भारतीय सेमीकंडक्टर योजना 2.0 के अगले चरण की तैयारी के तहत पहले ही 10 अरब डॉलर की वितरण की प्रतिबद्धता जता चुकी है। इस योजना में पहले ही कई परियोजनाएं शामिल हैं जो निर्माण के लिए तैयार हैं। विशेषज्ञों के मुताबिक, इंडियन इलेक्ट्रॉनिक्स ऐंड सेमीकंडक्टर एसोसिएशन के अनुसार, मंत्रालय ने परियोजनाओं की प्रतिदिन 7.5 करोड़ से अधिक चिप उत्पादन की कुल क्षमता को मंजूरी दे चुका है। समूहित रूप से प्रतिदिन इस क्षमता के साथ भारत अपनी मांग के हिस्से की पूर्ति के साथ-साथ निर्यात बाजार में भी प्रवेश कर सकेगा। उद्योग की शीर्ष संस्था – इंडियन इलेक्ट्रॉनिक्स ऐंड सेमीकंडक्टर एसोसिएशन (आईईएसए) के अनुसार मंत्रालय अपना लक्ष्य हासिल करने के लिए अब तक परियोजनाओं की प्रतिदिन 7.5 करोड़ से अधिक चिप उत्पादन की कुल क्षमता को मंजूरी दे चुका है।

न्यूज ब्रीफ

आईडीएफसी फर्स्ट बैंक के बोर्ड में वारबर्ग की शाखा शामिल करने का प्रस्ताव खारिज

नई दिल्ली। आईडीएफसी फर्स्ट बैंक के शेयरधारकों ने वैश्विक निजी इक्विटी फर्म वारबर्ग पिंकस की शाखा को बैंक के बोर्ड में शामिल करने के प्रस्ताव को खारिज कर दिया है। पिछले महीने आईडीएफसी फर्स्ट बैंक के बोर्ड ने निवेशक वारबर्ग पिंकस एलएलसी की सहयोगी कंपनी करंट सी इन्वेस्टमेंट्स बीवी को लगभग 4,876 करोड़ रुपये के तरजीही इक्विटी शेयर जारी करने को मंजूरी दी थी। इसके तहत करंट सी इन्वेस्टमेंट्स को बैंक के बोर्ड में एक गैर-कार्यकारी निदेशक के रूप में शामिल करने का प्रस्ताव रखा गया था। बैंक ने इसके लिए डाक मतपत्र के जरिए शेयरधारकों की मंजूरी मांगी थी। शेयर बाजार को सोमवार को दी जानकारी के मुताबिक डाक मतपत्र की गिनती में पता चला कि केवल 64.10 प्रतिशत मत प्रस्ताव के पक्ष में थे, जबकि 35.90 प्रतिशत इसके खिलाफ थे। आईडीएफसी फर्स्ट बैंक ने कहा कि विशेष प्रस्ताव अपेक्षित बहुमत नहीं होने के कारण पारित नहीं हुआ। कंपनी कानून के तहत, यदि प्रस्ताव के पक्ष में कम से कम 75 प्रतिशत वोट मिलते हैं, तो विशेष प्रस्ताव पारित हो जाता है।

मैजिकनाउ 2025-26 में खाद्य वितरण कारोबार में 20 प्रतिशत योगदान देगा

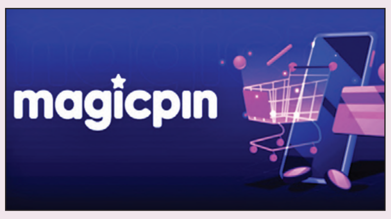

नई दिल्ली। स्थानीय स्तर पर ई-कॉमर्स सेवा मुहैया कराने वाली कंपनी मैजिकपिन को उम्मीद है कि उसकी त्वरित वाणिज्य शाखा मैजिकनाउ चालू वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान कुल खाद्य वितरण कारोबार में 20 प्रतिशत का योगदान देगी। मैजिकपिन के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि मैजिकनाउ की शुरुआत सितंबर 2024 में हुई थी और कंपनी के कुल खाद्य वितरण कारोबार में उसकी 13 प्रतिशत हिस्सेदारी है। उन्होंने कहा कि मैजिकनाउ 15 मिनट में सामान पहुंचाने वाली सेवा पहले ही हमारे कुल खाद्य वितरण कारोबार में 13 प्रतिशत का योगदान दे रही है। हम इसे चालू वित्त वर्ष के अंत तक 20 प्रतिशत तक बढ़ाने की राह पर हैं। मैजिकपिन ने मैजिकनाउ सेवाओं का विस्तार छह महानगरों से 20 घनी आबादी वाले शहरों तक किया है। उन्होंने कहा कि कंपनी को मैजिकनाउ के लिए उपभोक्ताओं और रेस्तरां भागीदारों से मजबूत प्रतिक्रिया मिली है।

भारतीय रिजर्व बैंक बढ़ा सकता है रिस्क बफर का दायरा, वित्त वर्ष 25 में सरकार को रिकॉर्ड सरप्लस ट्रांसफर की उम्मीद

नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के केंद्रीय बोर्ड ने पिछले सप्ताह अपनी बैठक में आर्थिक पूंजी ढांचे (ईसीएफ) की समीक्षा के दौरान आकस्मिक जोखिम बफर (सीआरबी) का दायरा बढ़ाने के लिए सरकार से मंजूरी मांगी है। इस मामले से संबंधित जानकारी सूत्रों के मुताबिक मिली है। बिमल जालान समिति की सिफारिश के अनुसार मौजूदा बफर केंद्रीय बैंक के बहीखाते का 5.5 से 6.5 फीसदी है। रिजर्व बैंक द्वारा सरकार को हस्तांतरित किया जाने वाला अधिशेष इस बात पर निर्भर करता है कि केंद्रीय बैंक कितना जोखिम बफर बनाए रखना चाहता है। जोखिम बफर अधिक होने का मतलब साफ है कि सरकार को हस्तांतरित की जाने वाली अधिशेष रकम कम होगी। इसी प्रकार जोखिम बफर कम रहने पर सरकार के लिए अधिशेष रकम अधिक होगी। एक सूत्र ने कहा कि जालान समिति द्वारा सुझाए गए ढांचे ने पिछले पांच साल के दौरान काफी हद तक अच्छा काम किया है। इसका दायरा काफी महत्वपूर्ण है। मौजूदा चुनौतियों और उतार-चढ़ाव के मद्देनजर हम यह देखने की कोशिश कर रहे हैं कि बड़े दायरे के बारे में कैसे सोचा जा सकता है।' अगली बैठक 23 मई को होगी।

आयात पर रोक से बांग्लादेश को 770 मिलियन डॉलर का झटका : जीटीआरआई

कोलकाता, 19 मई (एजेंसियां)।

भारत द्वारा बांग्लादेश से आयातित कई वस्तुओं पर प्रतिबंध लगाने के फैसले से पड़ोसी देश को लगभग 770 मिलियन डॉलर का झटका लगने वाला है, जो कि दोनों देशों के बीच कुल आयात का करीब 42 प्रतिशत है। यह जानकारी ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव (जीटीआरआई) के ताजा विश्लेषण में सामने आई है। बांग्लादेश से वस्त्र, प्रसंस्कृत खाद्य और प्लास्टिक उत्पादों जैसे प्रमुख आयातित सामान अब केवल कुछ सीमित समुद्री बंदरगाहों से ही भारत में आ सकेंगे या फिर पूरी तरह भूमि सीमा से प्रतिबंधित कर दिए गए हैं। वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय की ओर से 17 मई को जारी आदेश के अनुसार यह कदम भारत की व्यापार नीति में एक अहम मोड़ का संकेत है, जिसमें स्पष्ट रूप से राजनीतिक संदेश छिपा है।

जीटीआरआई ने कहा कि यह फैसला अचानक नहीं लिया गया है, बल्कि यह बांग्लादेश द्वारा भारतीय उत्पादों पर लगाए गए प्रतिबंधों और चीन की ओर उसके कूटनीतिक झुकाव का जवाब प्रतीत होता है।

बांग्लादेश से आयातित वस्त्र, जिसकी वार्षिक लागत करीब 618 मिलियन डॉलर है, अब केवल कोलकाता और न्हावा शेवा बंदरगाहों के माध्यम से ही भारत में प्रवेश कर सकेंगे। इससे बांग्लादेश की मुख्य भूमि व्यापार गलियारों तक पहुंच लगभग बंद हो जाएगी। यह निर्णय विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) की सिफारिश पर लिया गया है और इसे भारत की एक रणनीतिक प्रतिक्रिया माना जा रहा है। दिसंबर 2024 से बांग्लादेश ने भारतीय वस्तुओं पर कई व्यापारिक प्रतिबंध लगाए हैं। अप्रैल में उसने पांच प्रमुख स्थल सीमा बंदरगाहों से भारतीय सूती धागे के आयात पर रोक लगाई । चावल के निर्यात पर कड़े नियंत्रण किए और तंबाकू, मछली और दूध पाउडर समेत दर्जनों भारतीय वस्तुओं पर रोक लगा दी। इसके अलावा, बांग्लादेश ने भारतीय कार्गो पर 1.8 टका प्रति टन प्रति किलोमीटर का ट्रांजिट शुल्क भी लगा दिया, जिससे लॉजिस्टिक्स लागत और अधिक बढ़ गई।

इन प्रतिबंधों से भारतीय निर्यातकों को भारी नुकसान हुआ और भारतीय व्यापार संगठनों में जवाबी कार्रवाई की मांग तेज़ हो गई। बांग्लादेशी बंदरगाहों पर देरी और सख्त जांच ने स्थिति को और बिगाड़ दिया। भारत ने 2020 में बांग्लादेश को दी गई एक अहम ट्रांजिट सुविधा नौ अप्रैल को रद्द कर दी, जिसके तहत वह भारतीय बुनियादी ढांचे, विशेष रूप से दिल्ली हवाई अड्डे के माध्यम से यूरोप और मध्य पूर्व को सामान भेज सकता था। अब यह सुविधा केवल नेपाल और भूटान तक सीमित कर दी गई है।

बांग्लादेश के कार्यवाहक प्रधानमंत्री मुहम्मद यूनुस की हालिया चीन यात्रा के दौरान दिए गए बयानों ने विवाद को और बढ़ा दिया। यूनुस ने कहा कि भारत के उत्तर-पूर्वी राज्य भूमि से घिरे हैं और उन्हें समुद्री पहुंच के लिए बांग्लादेश पर निर्भर रहना पड़ता है। उन्होंने बांग्लादेश को हिंद महासागर का एकमात्र संरक्षक भी बताया और चीन को अपने व्यापारिक मार्गों के इस्तेमाल की पेशकश की। भारत में इन बयानों को उकसावे वाला माना जा रहा है। भारत-बांग्लादेश के बीच व्यापारिक और कूटनीतिक संबंधों में आई इस ताज़ा तल्ख़ी ने क्षेत्रीय स्थिरता को लेकर चिंताएं बढ़ा दी हैं।

आईपीओ लॉन्च करने की तैयारी में कलरबार कॉस्मेटिक्स

नई दिल्ली, 19 मई (एजेंसियां)।

मेकअप और स्किनकेयर ब्रांड कलरबार कॉस्मेटिक्स ने आईपीओ बाजार में प्रवेश करने का ऐलान किया है। कंपनी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि 2027 की शुरुआत में लिस्टिंग की योजना है। दरअसल, इस वित्तीय वर्ष में कलरबार ने नई पैकेजिंग और स्टोर अपग्रेड करने समेत कई अन्य योजनाएं बनाई हैं। उन्होंने बताया कि कंपनी का वर्तमान राजस्व दोगुना होकर 10 बिलियन रुपये से अधिक होने की उम्मीद है। कलरबार का मकसद है अपनी स्किनकेयर उत्पादों को मजबूत करने और विदेशी ब्रांडों को अधिग्रहण करने में मदद मिलना। कंपनी को नाइका और ममाअर्थ से तकरीबन सात प्रतिशत बाजार हिस्सा हासिल करने की उम्मीद है। हालांकि, कलरबार को शुगर कॉस्मेटिक्स, माईग्लैम, एस्टी लॉडर, बॉबी ब्राउन, मैक जैसी वैश्विक बड़ी कंपनियों से प्रतिस्पर्धा करनी होगी। कलरबार के 100 से अधिक आउटलेट और 1,200 से अधिक मल्टी-ब्रांड स्टोर के माध्यम से इसकी बिक्री होती है। इस वर्ष कंपनी की योजना है 15-20 नए स्टोर खोलने की। उसका लक्ष्य है अगले पांच वर्षों में संयुक्त राज्य अमेरिका और मध्य पूर्व में विस्तार करना।

रुपया 16 पैसे बढ़कर 85.41 पर खुला, रुपया शुक्रवार को तीन पैसे की गिरावट के साथ 85.57 पर बंद हुआ था

मुंबई। विदेशी बाजार में अमेरिकी मुद्रा की कमजोरी और एफआईआई की मजबूत लिवाली के चलते रुपया सोमवार को शुरुआती कारोबार में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 16 पैसे बढ़कर 85.41 पर पहुंच गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने कहा कि स्थानीय मुद्रा के सीमित दायरे में कारोबार करने की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि वैश्विक रेटिंग एजेंसी मूडीज के अमेरिका की निवेश श्रेणी की रेटिंग को कम करने के कारण भी निवेशक सतर्क हैं। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में घरेलू मुद्रा डॉलर के मुकाबले 85.43 पर खुली। इसके बाद रुपया बढ़कर 85.41 पर पहुंच गया, जो पिछले बंद भाव के मुकाबले 16 पैसे की बढ़त दर्शाता है। रुपया शुक्रवार को डॉलर के मुकाबले तीन पैसे की गिरावट के साथ 85.57 पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.28 प्रतिशत की गिरावट के साथ 100.81 पर कारोबार कर रहा था।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

तीस दिन का...

राजस्थान और हरियाणा में अवैध रूप से रह रहे बांग्लादेशी और रोहिंग्या घुसपैठियों के खिलाफ पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। राजस्थान में 30 अप्रैल 2025 से शुरू हुए विशेष अभियान में अब तक हजार से ज्यादा घुसपैठिए पकड़े गए हैं, जबकि हरियाणा के तीन जिलों नूंह, झज्जर और हांसी में 237 बांग्लादेशी नागरिक हिरासत में लिए गए हैं। इनमें से कई ने फर्जी दस्तावेजों के जरिए खुद को भारत का नागरिक बताने की कोशिश की थी। अब घुसपैठियों को खास प्लेन से पश्चिम बंगाल भेजा जा रहा है, जहां से सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) इन्हें बांग्लादेश और म्यांमार वापस भेजेगा।

राजस्थान में पकड़े गए घुसपैठियों में 341 बच्चे, 284 महिलाएं और 376 पुरुष शामिल हैं। राजस्थान में सबसे ज्यादा घुसपैठिए सीकर जिले से पकड़े गए हैं, जहां 394 लोग हिरासत में हैं। जयपुर (218), अलवर (103), कोटपूतली-बहरोड़ (117) और भिवाड़ी (67) जैसे जिलों में भी बड़ी संख्या में घुसपैठिए पकड़े गए। जांच में पता चला कि ये लोग फर्जी आधार कार्ड, मतदाता पहचान पत्र और निवास प्रमाण पत्र बनवाकर राजस्थान के मूल निवासी होने का दावा कर रहे थे। कई महिलाएं घरेलू सहायिका के रूप में काम कर रही थीं, जबकि पुरुष ईंट भट्टों, खान मजदूरी, कबाड़ बीनने और बेलदारी जैसे कामों में लगे थे। कुछ के खिलाफ चोरी और अन्य अपराधों के मामले भी सामने आए हैं।

राजस्थान सरकार ने 8 मई 2025 को केंद्रीय गृह मंत्रालय के निर्देश पर हर जिले में विशेष टास्क फोर्स और होल्डिंग सेंटर बनाए। इन सेंटरों में घुसपैठियों को अस्थायी रूप से रखा जा रहा है। 15 मई 2025 को 148 लोगों का पहला जत्था विशेष विमान से पश्चिम बंगाल भेजा गया। अगले कुछ दिनों में और लोगों को भेजने की तैयारी है। गृह विभाग इस पूरी प्रक्रिया पर नजर रख रहा है ताकि कोई चूक न हो। हरियाणा के मेवात इलाके में अब तक 237 से अधिक बांग्लादेशी घुसपैठियों को पकड़ा जा चुका है। इनमें से नूंह जिले में पुलिस ने 125 बांग्लादेशियों को पकड़ा, जो बिना वैध दस्तावेजों के ईंट भट्टों पर काम कर रहे थे। झज्जर के भदानी गांव में 47 और हांसी में 26 घुसपैठिए हिरासत में लिए गए। 12 मई को भी हांसी में 39 लोग पकड़े गए थे। इनमें से कई ने खुद को बंगाली मजदूर बताकर भट्टा मालिकों को गुमराह किया था। पुलिस अब उन मालिकों पर भी कार्रवाई की योजना बना रही है, जो बिना दस्तावेज जांच के अवैध मजदूरों को काम दे रहे हैं। नूंह पुलिस ने स्थानीय कारोबारियों से कर्मचारियों का पुलिस सत्यापन कराने की अपील की है।

भारत...

न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता और न्यायमूर्ति के. विनोद चंद्रन की पीठ ने कहा कि क्या भारत दुनिया भर के शरणार्थियों को शरण देने के लिए है? हम पहले से ही 140 करोड़ की आबादी से जूझ रहे हैं। यह कोई धर्मशाला नहीं है जहां हम हर जगह से आए विदेशी नागरिकों को जगह दें।सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि संविधान के अनुच्छेद 19 के अनुसार भारत में बसने का मौलिक अधिकार केवल भारतीय नागरिकों को है। इससे पहले रोहिंग्या घुसपैठियों को भारत में रहने देने की वकील प्रशांत भूषण की याचिका को खारिज करते हुए भी सुप्रीम कोर्ट ने यही कहा था और केंद्र सरकार को निर्देश दिया था कि बांग्लादेशी और रोहिंग्या घुसपैठियों को तत्काल प्रभाव से निकाले जाने की कार्रवाई हो।

गोगोई...

वह भी विदेश मंत्रालय या सांस्कृतिक मामलों के मंत्रालय से नहीं, बल्कि पाकिस्तानी सरकार के सबसे महत्वपूर्ण होम मिनिस्ट्री से उन्हें बुलावा आया था, जो ये बताता है कि गौरव गोगोई का यह कदम देश की सुरक्षा के लिए कितना खतरनाक है। यह बेहद गंभीर मामला है और इस पर एक्शन लिया जाना जरूरी है। यह कोई मजाक का मामला नहीं है। सीएम सरमा ने दावा किया कि उनके पास इस बात के दस्तावेजी सबूत हैं, जिन्हें समय आने पर जनता के सामने पेश किया जाएगा। इससे पहले, सरमा ने कांग्रेस नेतृत्व से गौरव गोगोई को सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल से हटाने की मांग की थी। यह प्रतिनिधिमंडल पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद को वैश्विक मंच पर बेनकाब करने के लिए बनाया गया है। कांग्रेस ने गौरव गोगोई समेत 4 नाम भेजे थे। सरमा ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि गोगोई का नाम इस लिस्ट में शामिल करना ठीक नहीं है।उल्लेखनीय है कि हिमंत बिस्व सरमा गौरव गोगोई और उनकी ब्रिटिश पत्नी एलिजाबेथ कोलबर्न के आईएसआई लिंक को लेकर गंभीर आरोप लगा चुके हैं। उन्होंने कहा था कि मामले की जांच चल रही है और मामले की जांच पूरी होने के बाद दोनों की असलियत पूरे देश के सामने लाई जाएगी। सीएम सरमा ने स्पष्ट किया है कि यह जांच मात्र एलिजाबेथ कोलबर्न तक ही नहीं बल्कि उसने जुड़े लोगों और बाकी इकोसिस्टम को भी दायरे में लेकर की जाएगी। उन्होंने कहा है कि जांच के लिए एक केस दर्ज किया जाएगा, इसके बाद उनके पासपोर्ट और वीजा की जानकारी जुटाई जाएगी। उन्होंने इस बात पर भी चिंता जताई है कि क्या गौरव गोगोई के पिता तरुण गोगोई के मुख्यमंत्री रहते हुए आईएसआई का मुख्यमंत्री दफ्तर तक दखल था। उन्होंने इसकी जांच भी करवाने की बात कही है।

सीएम हिमंत बिस्व ने गौरव गोगोई की पाकिस्तानी हाई कमिश्नर अब्दुल बासित से मुलाक़ात को लेकर भी सवाल उठाए हैं। उन्होंने उनकी पत्नी एलिजाबेथ कोलबर्न का एक पुराना ट्वीट दिखाया है, जिसमें उन्होंने इस्लामाबाद में होने की बात लिखी थी। एलिजाबेथ कोलबर्न की नागरिकता को लेकर भी सीएम बिस्वा सरमा ने सवाल उठाए थे। उन्होंने पूछा था कि विवाह के 12 साल के बाद भी कोलबर्न के पास भारतीय नागरिकता क्यों नहीं और वह अपनी ब्रिटिश नागरिकता क्यों बनाए हुए हैं। विवाह के पहले और बाद भी जिन संगठनों के साथ कोलबर्न ने काम किया, उनको लेकर सवाल उठे हैं।कोलबर्न 2011-15 के बीच क्लाइमेट एंड डेवलपमेंट नॉलेज नेटवर्क (सीडीकेएन) के लिए काम किया था। दावा है कि वह इस दौरान अधिकतर समय पाकिस्तान में रहीं। सीडीकेएन से ही जुड़े एक संगठन लीड के लिए वह पाकिस्तान में काम करती थीं। उनके पाकिस्तान सरकार की एक टास्क फ़ोर्स में भी शामिल रहने का दावा किया गया है। यह टास्क फ़ोर्स कथित तौर पर पाकिस्तान के लिए पैसा जुटाती थी। इसके आईएसआई का एक मुखौटा होने का दावा है। इसी को लेकर उन पर आईएसआई लिंक के आरोप लगाए गए हैं। पाकिस्तान और भारत में काम करने के दौरान कोलबर्न का सुपरवाइजर एक पाकिस्तानी अली तौकीर शेख था। उसका भारत विरोधी प्रोपेगेंडा भी अब सामने आया है।

कोई सुराग ...

रिमांड अवधि के पहले दिन नेशनल इंटेलिजेंस एजेंसी (एनआईए) सहित कई अन्य जांच एजेंसियों ने उससे सिविल लाइन थाने में चार-पांच घंटे पूछताछ की, लेकिन अधिकतर सवालों पर वह चुप्पी साधे रही। सिविल लाइन पुलिस ने ज्योति को पांच दिन की रिमांड पर लिया है। सेना की इंटेलिजेंस यूनिट ने भी उससे सोमवार को पूछताछ की। सैन्य खुफिया इकाई की पूछताछ के बाद ज्योति जासूस चिंता में दिख रही है।जासूसी के आरोप में पुलिस ने यूट्यूबर ज्योति मल्होत्रा को शुक्रवार रात उसके न्यू अग्रसेन कॉलोनी एक्सटेंशन के घर से गिरफ्तार किया था। शनिवार को अदालत पेश कर 5 दिन के रिमांड पर लिया है। एसएसपी शशांक कुमार सावन ने बताया कि ज्योति पर किसी तरह का दबाव था, ऐसा अभी तक कुछ सामने नहीं आया। पूछताछ में यही सामने आया है कि लाइक व सबस्क्राइबर्स के चक्कर में पाकिस्तान इंटेलिजेंस ऑपरेटिव के जाल में फंस गई। फिर उसे स्पॉन्सर्ड यात्राएं मिलने लगीं, जो पैसा कमाने का आसान रास्ता लगा। उन्होंने बताया कि वह पहलगाम हमले से पहले कश्मीर गई थी और उससे पहले पाकिस्तान भी गई। इन दोनों का क्या संबंध है, इसकी जांच की जा रही है।

पहलगाम ...

कुछ टीमें पहले ही रवाना हो रही हैं और इसलिए उन्हें कल अपनी बैठक करनी होगी। लेकिन हमारा प्रतिनिधिमंडल थोड़ी देर से रवाना हो रहा है, क्योंकि अमेरिका में मेमोरियल डे वीकेंड है और अमेरिका में संसद का सत्र दो जून तक नहीं है। इसलिए वहां बहुत जल्दी पहुंचने का कोई मतलब नहीं है। इसलिए हम देर से पहुंच रहे हैं और देर से जा रहे हैं। हम 24 मई को रवाना होंगे। हम पहले गुयाना, पनामा, कोलंबिया, ब्राजील और फिर अंत में अमेरिका जा रहे हैं।

तथ्यों को ..

पाकिस्तान ने उस अच्छी सलाह को न मानने का फैसला किया। उसके बाद 10 मई की सुबह उन्हें बुरी तरह से नुकसान पहुंचा। सैटेलाइट तस्वीरों से पता चलता है कि हमने कितना नुकसान किया और उन्होंने कितना कम नुकसान किया। यह स्पष्ट है कि गोलीबारी कौन बंद करना चाहता था।

हाईकोर्ट के ...

न्यायाधीशों को प्रतिवर्ष 15 लाख रुपए की पूरी पेंशन का भुगतान करे। साथ ही अतिरिक्त जजों और हाईकोर्ट के जजों को प्रतिवर्ष 13.6 लाख रुपए का भुगतान करे।

आज द्विपुष्कर योग का शुभ संयोग

हनुमानजी की कृपा से वृषभ समेत अन्य राशियों को कई स्रोतों से होगा धन लाभ

आज 20 मई दिन मंगलवार को चंद्रमा का संचार कुंभ राशि में होगा और चंद्रमा आज गुरु से नवम पंचम योग बना रहे हैं। इसके साथ ही आज के दिन मंगलवार होने से मंगल ग्रह का प्रभाव रहने वाला है। ऐसे में मंगल ग्रह कर्क राशि में गोचर करते हुए दिन के पहले भाग में चंद्रमा के साथ चंद्र मंगल योग बनाएंगे। और तो और आज धनिष्ठा नक्षत्र और द्विपुष्कर योग का भी शुभ संयोग बन रहा है। जिससे हनुमानजी को समर्पित आज मंगलवार के दिन का महत्व और भी बढ़ गया है। वैदिक ज्योतिष के अनुसार, आज ज्येष्ठ कृष्ण सप्तमी उपरांत अष्टमी तिथि भी है। ऐसे में द्विपुष्कर योग और बजरंगबली की कृपा से वृषभ और धनु सहित 5 राशियों के जातकों को आज भाग्य का पूरा साथ मिलेगा। आज इन राशियों को मनचाही सफलता मिल सकती है। इसके साथ ही इनके परिवार में खुशियों का माहौल रहेगा।

वृषभ राशि – वृषभ राशि के जातकों के लिए आज मंगलवार का दिन बजरंगबली की कृपा से भाग्योदय लेकर आने वाला है। आज आपके सोचे हुए काम समय पर पूरे होंगे। इससे आपके आत्मविश्वास में बढ़ोतरी होगी। खासकर आज आपके सरकारी कार्य पूरे होंगे जो काफी समय से अटके पड़े थे। आज कार्यक्षेत्र में सहकर्मियों का सहयोग मिलने से आप लक्ष्य प्राप्ति की ओर तेजी से बढ़ेंगे। आपको नई जिम्मेदारियां मिलेंगी, जिन्हें आप खुश होकर स्वीकार करेंगे और उन्हें पूरा करने की दिशा में आगे बढ़ेंगे। इसके साथ ही आपकी किसी उपलब्धि की वजह से परिवार में आज खुशनुमा माहौल देखने को मिल सकता है। सामाजिक और राजनीतिक क्षेत्र से जुड़े जातकों के लिए आज का दिन इच्छित लाभ दिलाने वाला रहने वाला है। आपके मान सम्मान में इजाफा होगा। वैवाहिक जीवन में मधुरता बनी रहेगा। जीवनसाथी का सहयोग मिलेगा।

उपाय : हनुमान जी को चमेली के तेल वाला सिंदूर का चोला अर्पित करें। इसके साथ ही 7 बार हनुमान चालीसा का पाठ करें। इससे आपके करियर में आ रहीं बाधाएं दूर होंगी।

मिथुन राशि – आज मंगलवार को मिथुन राशि के जातक भाग्य के रथ पर सवार होंगे। आज आपको कम मेहनत में अधिक लाभ मिलने के आसार हैं। इसके साथ ही आज आपकी कोई पुरानी चाहत पूरी होगी। जिससे मन में प्रशंसा का भाव आएगा। सुख समृद्धि के साधनों में बढ़ोतरी होने के आसार हैं। आप अपनी सफलता और खुशियों में करीबी मित्रों को भी शामिल करेंगे। दिन मौज मस्ती में बीतेगा। कारोबार के सिलसिले में लंबी दूरी की यात्रा पर जाने का आज योग बन रहा है लेकिन यात्रा आपके लिए काफी शानदार रहने वाली है। नए संपर्क बनेंगे, लाभ के आर्जं मौके हासिल होंगे। विद्यार्थी वर्ग के लिए भी आज का दिन अच्छा रहने वाला है। परिवार में आज पिता के सहयोग से आपके आत्मबल में इजाफा होगा। संपत्ति का लाभ मिल सकता है। आज आपका मन आध्यात्मिक कार्यों में लगेगा। दान पुण्य कर सकते हैं। इसके साथ ही आज परिवार में माहौल अनुकूल रहने वाला है। धार्मिक कार्यक्रम की योजना बन सकती है। जीवनसाथी का सहयोग मिलने से मन प्रसन्न रहेगा।

उपाय : आज हनुमान मंदिर में जाकर हनुमानजी को पान का बीड़ा अर्पित करें और इसके बाद बजरंग बाण का पाठ करें। ऐसा प्रत्येक मंगलवार करें। इससे आपके कष्ट दूर होंगे।

तुला राशि – तुला राशि वालों के लिए आज मंगलवार का दिन अति शुभ रहने वाला है। आज आपकी बुद्धिमत्ता की प्रशंसा होगा। कार्यक्षेत्र में आप अपनी सूझबूझ से किसी ऐसी समस्या का समाधान करेंगे, जिसके लिए हर किसी को आपकी सराहना करनी होगी। आज लेखन, शोध, आजा, फिल्म आदि से जुड़े जातकों को विशेष लाभ मिल सकता है। आपके कार्यों में आपकी रचनाशीलता झलकेगी। इससे आप भीड़ में अलग नजर आएंगे।

आज का दिन विद्यार्थी वर्ग के लिए अनुकूल रहने वाला है। शिक्षा को लेकर आ रहीं अड़चनें आज दूर हो सकती है। इसके साथ ही विदेश में शिक्षा के लिए कर रहे प्रयासों में प्रगति देखने को मिल सकती है। आज आपको पूर्व में किए गए निवेश का लाभ मिलने के आसार हैं। धन लाभ के प्रयासो में सफलता मिलेगी। साथ ही मानसिक रूप से भी आज आप अच्छा महसूस करेंगे। परिवार में सुख शांति बनी रहेगी। जीवनसाथी का सहयोग मिलने से मन खुश रहेगा।

उपाय : आज हनुमानजी को बूंदी का भोग लगाएं और लाल धोती पहनकर लाल आसन में बैठें और सुंदरकांड का पाठ करें। इससे आपको बजरंगबली की कृपा प्राप्त होगी।

धनु राशि – आज मंगलवार को धनु राशि के जातकों पर हनुमानजी की असीम कृपा होगी। आज आपमें बल और बुद्धि का अद्भुत समन्वय देखने को मिलेगा। आज आप नपे तुले जोखिम लेंगे जिससे आपको लाभ होगा। कार्यक्षेत्र में आप साहसिक फैसले लेंगे, जिससे आपकी प्रसिद्धि की गूंज दूर तक सुनाई देगी। शत्रु भी आज आपसे उलझने से कतराएंगे। खासकर फैमिली बिजनेस करने वालों के लिए आज का दिन अप्रत्याशित रूप से धन लाभ लेकर आ सकता है।

छोटे भाई बहनों का सहयोग मिलने से आपका आत्मविश्वास सातवें आसमान पर होगा। कारोबार के सिलसिले में छोटी दूरी की यात्रा पर जा सकते हैं। यात्रा आपको उम्मीद से बेहतर लाभ दिलाएगी। यही नहीं आज आप अपनी प्रतिभा के दम पर प्रभावशाली लोगों के संपर्क में आ सकते हैं जो आपको भविष्य में लाभ देंगे। परिवार में आज माहौल अच्छा रहेगा। जीवनसाथी आपका सम्मान करेगा। लव लाइफ में मधुरता बनी रहेगी।

उपाय : आज से अगले 5 मंगलवार तक हनुमान मंदिर में जाकर बजरंगबली को ध्वजा चढ़ाएं। और लाल गाय को रोटी खिलाएं। इससे आपकी आर्थिक परेशानियां दूर होंगी।

कुंभ राशि – कुंभ राशि वालों के लिए आज मंगलवार का दिन बेहद स्पेशल रहने वाला है। आज आपका व्यक्तित्व अलग ही निखरकर सामने आएगा। कारोबार में आप अपनी बुद्धिमत्ता और सूझबूझ की बदौलत प्रतिस्पर्धा में आगे निआज जाएंगे। नौकरीपेशा जातक अगर नौकरी में बदलाव के लिए प्रयास कर रहे थे तो आज आपको कोई अच्छी खबर सुनने को मिल सकती है। आज काउंसलिंग, कंसल्टेंसी, कोचिंग आदि से जुडे.जातकों को विशेष सफलता मिल सकती है। विदेश से भी लाभ मिल सकता है।

आज किसी धार्मिक कार्यक्रम में जाने का मौका मिल सकता है। आज आपकी सुख सुविधाओं में इजाफा होगा और आप जिंदगी को सुकून के साथ जी पाएंगे। मानसिक तनाव में राहत रहेगी। पद प्रतिष्ठा का लाभ मिल सकता है। परिवार में आज मौजमस्ती का माहौल रहेगा। बच्चों की तरफ से कोई अच्छी खबर सुनने को मिल सकती है। दिन अच्छा बीतेगा।

उपाय : आज से 21 मंगलवार तक मंदिर में विधि विधान से हनुमान जी की पूजा करें। इस दौरान एक पात्र में जल रखें और हनुमान बाहुक का पाठ करें। पाठ के बाद इसे ग्रहण कर लें। आपका भाग्योदय होगा।

दूसरे बड़े मंगल के दिन उपाय करने पर कर्ज की समस्या से मिलेगी राहत!

वैदिक पंचांग के अनुसार, आज दूसरा बड़ा मंगल है। इस दिन प्रभु श्रीराम और हनुमान जी की विशेष पूजा-अर्चना करने का विधान है। साथ ही शुभ फल की प्राप्ति के लिए व्रत भी किया जाता है। धार्मिक मान्यता के अनुसार, बड़े मंगल के अवसर पर पूजा और व्रत करने से साधक के जीवन में आ रहे दुख और संकट दूर होते हैं। साथ ही शुभ परिणाम देखने को मिलते हैं। हनुमान जी प्रसन्न होकर भक्त को सुख-समृद्धि का आशीर्वाद देते हैं। इस दिन कई उपाय भी किए जाते हैं।

अगर आप भी हनुमान जी को प्रसन्न करना चाहते हैं, तो बड़े मंगल के दिन हनुमान जी की पूजा करने के बाद उपाय जरूर करें। ऐसा माना जाता है कि बड़े मंगल के दिन उपाय करने से कर्ज की समस्या समेत कई परेशानी दूर होती है।

अगर आप लंबे समय से कर्ज की समस्या का सामना कर रहे हैं, तो बड़े मंगल के दिन हनुमान जी की पूजा-अर्चना करें। इस दौरान एक नारियल में चमेली का तेल लगाएं और लाल सिंदूर से स्वास्तिक बनाकर हनुमान जी के चरणों में अर्पित कर दें। धार्मिक मान्यता के अनुसार, इस उपाय को करने से कर्ज की समस्या दूर होगी और बजरंगबली की कृपा से जीवन में खुशियों का आगमन होगा।

मिलेगा हनुमान जी का आशीर्वाद

इसके अलावा बड़े मंगल के दिन सुबह स्नान करने के बाद हनुमान जी के सामने दीपक जलाएं। सच्चे मन से आरती और हनुमान चालीसा का पाठ करें। जीवन में सुख-शांति की प्राप्ति के लिए कामना करें। धार्मिक मान्यता के अनुसार, इस उपाय को करने से कर्ज की समस्या से राहत मिलती है। साथ ही हनुमान जी का आशीर्वाद प्राप्त होता है।

मिलेंगे शुभ परिणाम

कर्ज से छुटकारा पाने के लिए बड़े मंगल के दिन पूजा के समय 'ॐ हं हनुमते नमः' मंत्र का जप करना चाहिए। साथ ही हनुमान जी को फल और मिठाई का भोग लगाएं। इस उपाय को करने से साधक को शुभ परिणाम मिलेंगे।

पूजा के समय दिखें ये संकेत तो समझें भगवान हैं आपके साथ, भक्ति का मिलेगा बड़ा लाभ

भगवान को प्रसन्न करने और उनकी कृपा प्राप्त करने के लिए हम सुबह-शाम घर में पूजा जरूर करते हैं। इसके अलावा, घर में खुशहाली और भगवान के वास के लिए समय-समय पर हवन, पूजा, कीर्तन आदि भी कराते रहते हैं। माना जाता है कि अगर श्रद्धा पूर्वक भगवान की प्रार्थना और उनकी पूजा की जाए तो वो हमेशा हमारे बुरे वक्त में हमारे साथ खड़े रहते हैं। लेकिन लोगों के मन में यह सवाल जरूर उत्पन्न होता है कि अगर भगवान हमारी भक्ति स्वीकार कर रहे हैं और उनकी कृपा हम पर बनी हुई है, तो इसका संकेत हमें कैसे मिलेगा। शास्त्रों और पुराणों में इसे लेकर कई मान्यताएं और शुभ-अशुभ संकेत बताए गए हैं। माना जाता है कि पूजा के दौरान होने वाली कुछ घटनाएं हमें बताती हैं कि भगवान की कृपा हम पर बनी हुई है या नहीं।

भगवान भक्ति से प्रसन्न होने पर देते हैं यह संकेत

माना जाता है कि अगर पूजा करते समय दीपक या आरती की ज्योत अचानक से बढ़ जाए यानी ऊंची लौ उठने लगे तो यह बहुत शुभ संकेत होता है। इसका अर्थ होता है कि भगवान आपकी भक्ति और पूजा से प्रसन्न हैं और उनकी कृपा आप पर बनी हुई है। अगर पूजा के समय आपके साथ ऐसा होता है तो उस समय भगवान की प्रार्थना करनी चाहिए और उनसे अपनी मनोकामना के बारे में भी बताना चाहिए। ऐसा करने से व्यक्ति की इच्छा पूरी हो सकती है और जीवन में खुशहाली आने लगती है।

भगवान के साथ होने पर मिलता है यह संकेत

मान्यताओं के अनुसार, अगर पूजा करते समय आपकी आंखों से अपने आप आंसू निकलने लग जाएं, तो इसे बहुत विशेष संकेत माना जाता है। इसका अर्थ होता है कि भगवान आपके साथ हैं और अगर आप उनसे कोई इच्छा बताते हैं तो वह भी पूर्ण हो सकती है। पूजा के दौरान आंखों से आंसू आना इस बात का संकेत देता है कि ईश्वरीय शक्ति से व्यक्ति की आत्मा का मिलन हो रहा है। साथ ही, इसे मन शांत होने का संकेत भी माना जाता है। अगर आपको पूजा के दौरान यह संकेत मिलता है तो इसका मतलब है कि आपको जीवन के दुखों से जल्दी मुक्ति मिल सकती है।

भगवान द्वारा पूजा स्वीकार होने पर मिलता है यह संकेत

ऐसा माना जाता है कि पूजा करते वक्त आपने जो धूपबत्ती लगाई है अगर उसका धुआं निकलकर सीधा देवी-देवताओं की प्रतिमा की ओर जाता है तो यह बेहद शुभ संकेत होता है। इसका मतलब होता है कि भगवान ने आपकी पूजा स्वीकार कर ली है और वह आपकी भक्ति से प्रसन्न हैं। ऐसे में आप भगवान से जीवन के दुखों से निजात पाने की मनोकामना मांग सकते हैं। धूपबत्ती का धुआं देवी-देवताओं की ओर जाना इस बात का संकेत भी होता है कि भगवान हर मुश्किल परिस्थिति में आपके साथ खड़े हैं।

मंत्र जाप के समय मिले यह संकेत, तो मनोकामना होती है पूर्ण

कहा जाता है कि अगर पूजा के दौरान मंत्रों का जाप करते समय व्यक्ति को भगवान से जुड़ाव का महसूस होता है और मन एकदम शांत हो जाता है, तो यह बहुत शुभ संकेत होता है। ऐसी मान्यता है कि यह आत्मा का भगवान से मिलन का संकेत हो सकता है। साथ ही, इसका मतलब हो सकता है कि जल्द ही आपकी सभी मनोकामनाएं पूर्ण होने वाली हैं और जीवन में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होगा।

पूजा का फल मिलने पर मिलता है यह संकेत

ऐसी मान्यता है कि अगर पूजा करते समय अचानक से भगवान को चढ़ाया हुआ फूल आपकी तरफ आकर गिर जाए, तो यह बहुत शुभ संकेत होता है। इसका अर्थ है कि भगवान आपकी पूजा-अर्चना से प्रसन्न हैं और वह आपकी भक्ति को स्वीकार कर रहे हैं। यह इस बात का संकेत भी माना जाता है कि व्यक्ति को उसकी पूजा का फल जल्द ही मिलने वाला है और जीवन में सफलता भी हासिल हो सकती है। अगर पूजा के दौरान आपके साथ ऐसा होता है तो तुरंत भगवान से अपनी मनोकामना बतानी चाहिए। ऐसा करने से वह आपकी इच्छा पूरी कर सकते हैं और जीवन में आने वाली समस्याओं से भी निजात मिल सकती है।

कैलाश पर्वत के अनसुलझे रहस्य, यहां झील से आती है डमरू और ऊं की आवाज

कैलाश पर्वत को पौराणिक कथाओं में भगवान शिव का निवास स्थान माना गया है। यह रहस्यमयी पर्वत अपने आप में कई कथाओं को समेटे हैं। शिवपुराण, स्कंद पुराण, मत्स्य पुराण आदि में कैलाश खंड नाम से अलग ही अध्याय है, जिसमें कैलाश पर्वत की महिमा के बारे में बताया गया है। पौराणिक मान्यताएं कहती हैं कि कैलाश पर्वत के पास प्राचीन धन कुबेर नगरी भी है। हालांकि इसके निश्चित स्थान के बारे में अभी कुछ पता नहीं लगाया जा सका है।

अच्छी आत्माएं करती हैं वास

माना जाता है कि जो व्यक्ति अच्छे कर्म करता है उसे मृत्यु के बाद कैलाश पर्वत में स्थान मिलता है। यहां प्राचीनकाल से ही अच्छी आत्माओं का वास माना गया है। साथ ही इस स्थान को अप्राकृतिक शक्तियों का केंद्र भी माना जाता है।

कैलाश पर्वत की आकृति

इस पर्वत की आकृति एक पिरामिड के समान है और वैज्ञानिक इसे धरती का केंद्र बताते हैं। रामायण में भी इसके पिरामिडनुमा होने के बारे में उल्लेख मिलता है। धरती के इस केंद्र को एक्सिस मुंडी माना जाता है। जिसका वर्णन दुनिया की नाभि या दुनिया के केंद्र बिंदु के रूप में किया जाता है। इसे आकाशीय ध्रुव और भौगोलिक ध्रुव का केंद्र माना जाता है। माना जाता है कि यही वह बिंदु है जहां आकाश धरती से आकर मिलता है। यहीं पर आकर दसों दिशाओं का मिलन होता है। एक्सिस मुंडी वह स्थान माना जाता है कि जहां अलौकिक शक्तियों का प्रवाह होता है और यहां आकर आप उन शक्तियों से संपर्क कर सकते हैं।

हिमालय का केंद्र है कैलाश पर्वत

धरती के एक ओर उत्तरी ध्रुव है और दूसरी ओर दक्षिणी ध्रुव है। दोनों के बीचोंबीच स्थित है हिमालय और हिमालय का केंद्र माना जाता है कैलाश पर्वत।

ऐसी है कैलाश पर्वत की संरचना

कैलाश पर्वत की रचना कंपास के 4 बिंदुओं के समान है। कैलाश पर्वत पर चढ़ाई पर प्रतिबंध है, लेकिन माना जाता है कि 11वीं सदी में एक तिब्बती बौद्ध योगी मिलारेपा ने इस पर चढ़ाई की थी।

4 महान नदियों के स्रोत से घिरा है कैलाश

भौगोलिक परिदृश्य की बात करें तो कैलाश पर्वत सिंध, ब्रह्मपुत्र, सतलज, और घाघरा। कैलाश

मानसरोवर शुद्ध पानी की दुनिया की पहली सबसे उच्चतम झील मानी जाती है। जिसका आकार सूर्य के समान है। यहां राक्षस झील भी है, जो दुनिया की सबसे उच्चतम खारे पानी की झील में से एक है। इसका चंद्र के समान माना जाता है। इसको सकारात्मक और नकारात्मक ऊर्जा का स्रोत माना जाता है। हवाई दृश्य देखने पर इन सब झील और पर्वतों से स्वास्तिक के समान आकृति उभरती है। ये तो बातें रही कैलाश पर्वत के भौगोलिक स्थिति के बारे में। अब आपको बताते हैं कैलाश पर्वत से जुड़ी धार्मिक मान्यताओं के बारे में।

अलौकिक शक्ति का प्रवाह

मान्यता है कि यहां केवल पुण्यात्माएं ही निवास करती हैं। कैलाश पर्वत और उसके आस-पास के वातावरण पर अध्ययन कर चुके वैज्ञानिकों का का मानना है कि यहां चारों ओर एक प्रकार की अलौकिक शक्ति का प्रवाह है जिसमें आज भी कई तपस्वी गुरु अपनी साधना करते हैं और ईश्वर से संबंध स्थापित करते हैं।

डमरू और ओम की आवाज

यदि आप कैलाश मानसरोवर झील के क्षेत्र में जाएंगे जो यहां आपको निरंतर एक प्रकार की ध्वनि सुनाई देगी। ध्यान से सुनने पर यहां आपके कानों में डमरू और ऊं की ध्वनि गुंजायमान होगी। इस ध्वनि का स्रोत आज तक कोई नहीं जान पाया है। वैज्ञानिकों के शोध के आधार पर यह भी कहा जाता है कि यहां पर हवाएं जब पहाड़ से टकराती हैं और बर्फ पिघलती है तो यह ध्वनि उत्पन्न होती है। इतना ही नहीं पर्वत के ऊपर आसमान में भी कई बार विशेष प्रकार दिव्य रोशनी देखे जाने की बात कही गई है।

देश सबसे पहले... तुर्किये बॉयकॉट पर बोलीं मंजरी फडनीस

भारत-पाकिस्तान तनाव पर पड़ोसी देश का समर्थन करने वाले तुर्किये का आम लोगों के साथ ही फिल्म जगत के सितारे भी विरोध करते नजर आ रहे हैं। भारत में तुर्किये बॉयकॉट की मांग उठने लगी है। अभिनेत्री रूपाली गांगुली, कुशाल टंडन, विशाल मिश्रा के बाद अब अभिनेत्री-गायिका मंजरी फडनीस की प्रतिक्रिया सामने आई है।मंजरी ने तुर्किये बॉयकॉट पर कहा कि वह देशभक्त हैं और सबसे पहले देश आता है।जब उनसे पूछा गया कि तुर्किये और अजरबैजान जैसे देशों ने आतंकवाद पर पाकिस्तान का खुलेआम समर्थन किया है तो क्या पर्यटन और अर्थव्यवस्था को प्रभावित करने के लिए उनका बहिष्कार किया जाना चाहिए?इस पर फडनीस ने स्पष्ट किया कि वह किसी भी ऐसे देश या व्यक्ति का समर्थन नहीं कर सकतीं जो उनकी मातृभूमि का अनादर करता है या उसका विरोध करता है। उनके लिए, राष्ट्रीय गौरव और निष्ठा सबसे पहले है। वह हर चीज से ऊपर अपने देश के साथ मजबूती से खड़ी रहना पसंद करती हैं।मंजरी फडनीस ने बताया, कोई भी देश या व्यक्ति जो मेरे देश का अनादर करता है या उसके खिलाफ खड़ा होता है, मैं उनका समर्थन नहीं कर सकती। मेरी निष्ठा हमेशा मेरे देश के प्रति है।

अभिनेत्री-गायिका ने बताया, मेरे घर का माहौल देशभक्ति वाला रहा है। मैं एक आर्मी परिवार से ताल्लुक रखती हूं, मेरे पिता ने सेना में ड्यूटी की है। मैं देशभक्त हूं। मैंने अपना पूरा बचपन सेना के अधिकारियों के बीच बिताया। मैंने खुद देखा है कि भारतीय सेना कैसे काम करती है और वे कितने समर्पित और अनुशासित हैं। उस अनुभव ने मुझे देश के साथ गहरा और मजबूत संबंध बनाने में मदद की।बातचीत के दौरान मंजरी ने सोशल मीडिया पर शेयर किए गए पोस्ट पर भी अपनी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने बताया, जरूरी नहीं कि सोशल मीडिया पर आप पोस्ट शेयर नहीं कर रहे हैं तो देश के प्रति आपकी भावनाएं नहीं हैं। ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम से हमारे देश ने जिस तरह से प्रतिक्रिया दी है, उस पर मुझे गर्व है। मुझे लगता है कि हम सभी देश के लिए एकजुटता में एक साथ आए हैं, देश की एकता देखने को मिली।

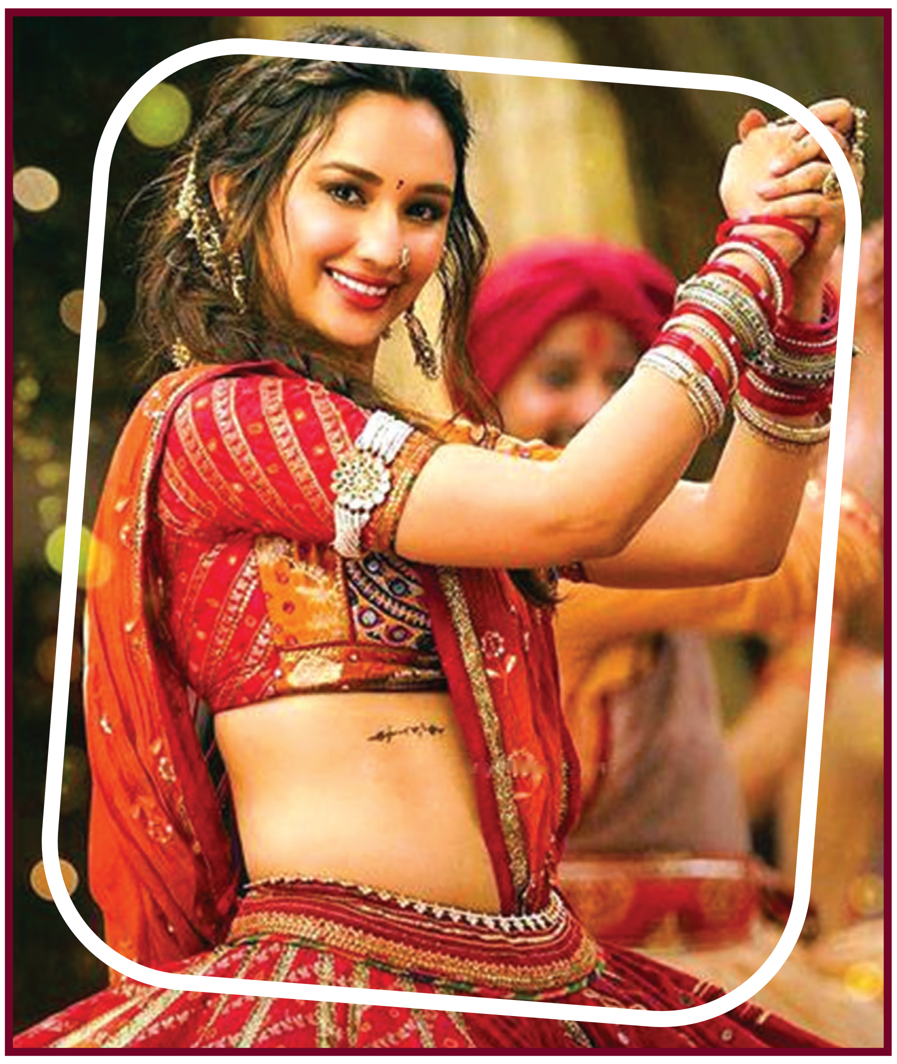

ढोलीडा ढोल नगाड़ा : 45 डिग्री सेल्सियस तापमान में आकांक्षा शर्मा ने किया डांस

बॉलीवुड को अक्सर केवल ग्लैमर से जोड़कर देखा जाता है, लेकिन कलाकार अपने किरदार में रमने के लिए कभी कड़कड़ाती ठंड तो कभी भीषण गर्मी में काम करते नजर आते हैं। अभिनेत्री आकांक्षा शर्मा ने 45 डिग्री सेल्सियस तापमान में डांस किया है, जिसके लिए उनकी खूब
...ल नगाड़ा गाना उनकी
...र का है। अभिनेत्री
...ंग फिल्म केसरी वीर
...नगाड़ा में उनके गरबा
मूव्स के लिए काफी सराहना मिल रही है। हालांकि, अभिनेत्री और डांस यूनिट के लिए यह आसान नहीं था, क्योंकि उन्होंने 45 डिग्री सेल्सियस तापमान में शूटिंग की। गाने के निर्माण के पीछे अपनी तैयारी के बारे में आकांक्षा ने कहा, हमने पूरे गाने को लगभग 45 डिग्री के तापमान में शूट किया और वहां एसी भी नहीं थी। कल्पना कीजिए कि 200 से 300 लोग एक ही हॉल में भरे हुए हैं, सभी नाच रहे हैं, सभी पसीने से लथपथ हैं, यह बहुत ही भयानक था।

अभिनेत्री ने आगे बताया, गर्मी असहनीय थी और हम सभी का गर्मी से हाल बेहाल था। इसे और भी चुनौतीपूर्ण बनाने वाली बात यह थी कि शूटिंग से पहले हमारे पास केवल दो दिन का रिहर्सल था। कठिन परिस्थितियों के बावजूद, सभी ने अपना बेस्ट दिया और मैं इस बात से बहुत खुश हूं कि लोगों को गाना पसंद आ रहा है। आकांक्षा के डांस मूव्स ने सभी को आश्चर्यचकित कर दिया है और ढोलीडा ढोल नगाड़ा में आकांक्षा के मूव और एनर्जी को दर्शकों का खूब प्यार भी मिल रहा है। फिल्म में सूरज पंचोली भी मजबूत किरदार में नजर आएंगे। वह एक गुमनाम योद्धा वीर हमीरजी गोहिल की भूमिका में दिखेंगे। वहीं विवेक ओबेरॉय खलनायक की भूमिका निभाते नजर आएंगे। केसरी वीर: लीजेंड्स ऑफ सोमनाथ इस साल की मोस्ट अवेटेड फिल्मों में से एक है।

आलिया भट्ट ने दिखाया पूल बूट कैंप का जलवा

बॉलीवुड एक्ट्रेस आ...
बताया कि उनका...
थोड़ा सुस्त चल रहा था,...
जब उन्होंने पूल बूट कैंप...
तो उनका मूड बेहतर हो...
और एनर्जी बढ़ ग...
आलिया भट्ट ने अप...
इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक...
तस्वीर शेयर की। इस...
फोटो में वह अपने फिटनेस ट्रेनर ईशान मेहरा के साथ स्विमिंग पूल में...
नजर आ रही हैं। दोनों पूल के किनारे कैमरे की तरफ देखकर मुस्कुराते...
हुए पोज दे रहे हैं।

आलिया भट्ट ने अपनी पोस्ट में कैप्शन लिखा, ग्लूमी मंडे प्लस...
अ पूल बूट कैंप पावर्ड बाय ईशान मेहरा। यानी सोमवार थोड़ा सुस्त था...
लेकिन उनके ट्रेनर ईशान मेहरा के साथ किए गए पूल बूट कैंप ने उनके...
दिन को बेहतर बना दिया। वर्कफ्रंट की बात करें तो आलिया भट्ट जल्द...
एक नई फिल्म अल्फा में नजर आएंगी। यह महिलाओं पर आधारित जासू...
फिल्म है। इस फिल्म में आलिया भट्ट और शरवरी दोनों ही जासूस के कि...
में नजर आएंगी। इस फिल्म का निर्देशन शिव रावल कर रहे हैं। अल्फा...
यशराज फिल्म्स के स्पाई यूनिवर्स की सातवीं फिल्म है। इस स्पाई यूनि...
शुरुआत 'एक था टाइगर फिल्म से हुई थी, जिसमें सलमान खान औ...
कैफ थे। इसके बाद टाइगर जिंदा है, वॉर, पठान और टाइगर 3 जैसी फि...

अल्फा फिल्म इसी साल क्रिसमस के दिन, यानी 25 दिसंबर को सिने...
होगी। आलिया के पास एक और बड़ी फिल्म संजय लीला भंसाली की...
इस फिल्म में आलिया के साथ उनके पति रणबीर कपूर और एक्टर...
आएंगे। यह फिल्म आलिया और भंसाली की दूसरी फिल्म होगी। इससे प...
में आई हिट फिल्म गंगूबाई काठियावाड़ी में काम किया था।लव एंड वॉ...
विक्की कौशल स्क्रीन पर एक बार फिर साथ में नजर आएंगे।

मौनी रॉय ने कांस में अपनी गरिमामयी उपस्थिति से दर्शकों को किया मोहित

अभिनेत्री, एंटरप्रेन्योर और भारत की अपनी डार्लिंग डीवा मौनी रॉय ने 78वें कांस फिल्म फेस्टिवल के रेड कार्पेट पर अपनी शानदार उपस्थिति से सभी का ध्यान आकर्षित किया। उन्होंने ग्लोबल मंच पर भारतीय सिनेमा की भावना का जश्न मनाया। भारत और भारतीय फिल्म इंडस्ट्री का प्रतिनिधित्व करते हुए मौनी ने कैरोलीन कॉउचर के शानदार परिधान में प्रतिष्ठित फ्रेंच रिवेरा की शोभा बढ़ाई, जिसमें उनकी खूबसूरती और आत्मविश्वास झलक रही थी। उनके लुक में चार चांद लगाए चोपार्ड के खूबसूरत आभूषणों ने, जिससे मौनी की कालातीत सुंदरता और भी निखरकर सामने आई। मौनी इस प्रतिष्ठित मंच पर भारतीय कला और फैशन की प्रतीक बनकर खड़ी रहीं।

यह कांस फिल्म फेस्टिवल में मौनी की दूसरी उपस्थिति थी, और उनकी वापसी बेहद शानदार रही। डार्लिंग डीवा ने अपनी गरिमामयी उपस्थिति से दर्शकों को मोहित कर दिया, जिससे यह साफ हो गया कि वह न केवल एक प्रतिभाशाली अभिनेत्री हैं, बल्कि वैश्विक फैशन जगत की एक जानी-मानी हस्ती भी हैं। अपने फैशनेबल अंदाज़ और आकर्षक व्यक्तित्व के लिए मशहूर मौनी का कांस 2025 लुक पारंपरिक भव्यता और आधुनिक परिष्कार का बेहतरीन संगम था, जिसने न सिर्फ़ लोगों का ध्यान खींचा बल्कि फैशन प्रेमियों का दिल भी जीत लिया।

कांस फिल्म फेस्टिवल में मौनी की मौजूदगी केवल एक फैशन स्टेटमेंट नहीं थी, बल्कि यह भारत के बढ़ते वैश्विक सिनेमा और सांस्कृतिक प्रभाव का उत्सव भी थी। उनकी भागीदारी इस बात का प्रमाण है कि भारत और भारतीय कलाकार किस तरह से वैश्विक मंचों पर अपनी छाप छोड़ रहे हैं। और कहीं न कहीं, कान्स में भाग लेना मौनी के टेलीविज़न की स्टार से लेकर भारतीय ग्लैमर का एक मशहूर वैश्विक चेहरा बनने के व्यक्तिगत सफ़र को भी दर्शाता है।

इस साल देश का प्रतिनिधित्व करने वाली चुनिंदा भारतीय हस्तियों में से एक के रूप में, मौनी रॉय का रेड कार्पेट पर चलना सिर्फ़ व्यक्तिगत जीत का पल नहीं था, बल्कि भारतीय सिनेमाई प्रतिभा के लिए एक बड़ी छलांग भी थी।

मेरा दिल पापा की वर्दी के लिए धड़कता है : रकुल प्रीत सिंह

मशहूर एक्ट्रेस रकुल प्रीत सिंह ने हाल ही में अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक बेहद प्यारी तस्वीर शेयर की। तस्वीर में वह अपने पिता के साथ नजर आ रही हैं। यह तस्वीर उनके बचपन की है। इस तस्वीर को शेयर करते हुए उन्होंने बेहद प्यारा नोट लिखा, जिसमें उन्होंने अपने बचपन का जिक्र किया और भारतीय सेना के प्रति सम्मान भी जाहिर किया।

रकुल ने इंस्टाग्राम पर अपने पिता के साथ एक तस्वीर शेयर करते हुए बेहद खूबसूरत कैप्शन दिया है। उन्होंने लिखा, सेना दिवस भले ही पूरी दुनिया में मनाया जाता हो, लेकिन मेरा दिल एक वर्दी के लिए धड़कता है, मेरे पापा की वर्दी के लिए। एक आर्मी ऑफिसर के बच्चे के रूप में मैंने बचपन से ही त्याग, सम्मान और हिम्मत का मतलब समझा। आज मैं सिर्फ अपने पापा को नहीं, बल्कि उन सभी सैनिकों को सलाम करती हूं, भारत और दुनिया भर के, जो खुद से पहले देश की सेवा को चुनते हैं। खासकर हाल के समय में भारतीय सेना की बहादुरी हमें याद दिलाती है कि शांति मुफ्त में नहीं मिलती, उसे सैनिकों की कुर्बानी से सुरक्षित रखा जाता है। मैं दिल से शुक्रगुजार हूं।

रकुल का यह पोस्ट न केवल उनके पिता के प्रति सम्मान को दर्शाता है, बल्कि उन सभी सैनिकों के लिए भी एक श्रद्धांजलि है जो दिन-रात देश की सेवा में लगे रहते हैं।

एक्ट्रेस ने इससे पहले 11 मई को मदर्स डे के मौके पर इंस्टाग्राम पर अपनी मां कुलविंदर सिंह और सास पूजा भगनानी के साथ तस्वीरें शेयर की थीं और लिखा, दो अविश्वसनीय महिलाओं को हैप्पी मदर्स डे... मेरी मां को मेरा पहला घर, मेरा सबसे बड़ा सहारा और मेरी जिंदगी की सबसे मजबूत महिला होने के लिए धन्यवाद। मेरी सास को भी, एक शख्स को बड़ा करने के लिए धन्यवाद जिसके साथ मैं अपना जीवन बिता रही हूं। मैं बहुत भाग्यशाली हूं कि मेरे जीवन में सिर्फ एक नहीं, बल्कि दो अद्भुत मां हैं। हैप्पी मदर्स डे।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आपके माता पिता आपकी फिजूलखर्ची को देखकर आज चिंतित हो सकते हैं और इसलिए आपको उनके गुस्से का शिकार भी होना पड़ सकता है। आज आप सामाजिक कार्यों पर ज़्यादा ध्यान देंगे और ज़रूरतमंदों की मदद करने की कोशिश करेंगे। आज आप अपने किसी वादे को पूरा नहीं कर पाएंगे जिसकी वजह से आपका प्रेमी आपसे नाराज हो जाएगा। नए संपर्क बनाने और व्यावसायिक उद्देश्यों के लिए की गयी यात्रा फलदायी साबित होगी। आज आप सब कामों को छोड़कर उन कामों को करना पसंद करेंगे जिन्हें आप बचपन के दिनों में करना पसंद करते थे।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

अपने धन का संचय कैसे करना है यह हुनर आज आप सीख सकते हैं और इस हुनर को सीख कर आप अपना धन बचा सकते हैं। दिन के उत्तरार्ध में अचानक आई कोई अच्छी ख़बर पूरे परिवार को ख़ुशी देगी। व्यवसाय में किसी धोखेबाज़ी से बचने के लिए अपने आँख–कान खुले रखें। अगर आपके पास हालात से उबरने के लिए दृढ़ इच्छा–शक्ति है, तो कुछ भी असंभव नहीं है। आप अपने जीवनसाथी को समझने में आपसे ग़लती हो सकती है, जिसकी वजह से सारा दिन उदासी में गुज़रेगा।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ङ,छ,के,को,ह

आज अपने घर के उन सदस्यों से दूर रहना चाहिए जो आपसे पैसा मांगते हैं और फिर लौटाते नहीं हैं। सही समय पर आपकी सहायता किसी को बड़ी परेशानी से बचा सकती है। दफ़्तर में आपको कुछ ऐसा काम मिल सकता है, जिसे आप हमेशा से करना चाहते थे। अगर आप अपने घर से बाहर रहकर अध्ययन या नौकरी करते हैं तो आज के दिन आप खाली समय में अपने घर वालों से बात कर सकते हैं। घर की किसी खबर को सुनकर आप भावुक भी हो सकते हैं। कई लोग साथ तो रहते हैं, लेकिन उनके जीवन में रोमांस नहीं होता। लेकिन यह दिन आपके लिए बेहद रोमानी होने वाला है।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

जो लोग शादीशुदा हैं उन्हें आज अपने बच्चों की पढ़ाई पर अच्छा खासा धन खर्च करना पड़ सकता है। आप अनुभव करेंगे कि आपका जीवन अधिक अर्थपूर्ण हो रहा है। अपनी दीवानगी को क़ाबू में रखें, नहीं तो यह आपके प्रेम–संबंध को मुश्किल में डाल सकती है। कार्यक्षेत्र में बेहतर काम करने के लिए अपनी क्षमताओं को मांजने की कोशिश करें। अगर आप किसी विवाद में उलझ जाएँ तो तल्ख़ टिप्पणी करने से बचिए। पड़ोसियों का दख़ल शादीशुदा ज़िन्दगी में दिक़्क़त पैदा करने की कोशिश कर सकता है, लेकिन आप व आपके जीवनसाथी के बीच का बंधन बहुत मज़बूत है और इसे तोड़ना आसान नहीं है।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

परिवार के किसी सदस्य के बीमार पड़ने की वजह से आपको आर्थिक परेशानी आ सकती है, हालांकि इस वक्त आपको धन से ज्यादा उनकी सेहत की चिंता करनी चाहिए। घर में तालमेल बनाए रखने के लिए साथ में मिलकर काम करें। हालाँकि प्यार में निराशा हाथ लग सकती है किसी भी तरह की साझीदारी करने से पहले उसके बारे में अपनी अंदरूनी भावना की बात ज़रूर सुनें। आज आपको ढेरों दिलचस्प निमंत्रण मिलेंगे– साथ ही आपको एक आकस्मिक उपहार भी मिल सकता है। जीवनसाथी के साथ एक आरामदायक दिन बीतेगा।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आपके द्वारा धन को बचाने के प्रयास आज असफल हो सकते हैं हालांकि आपको इससे घबराने की जरुरत नहीं है स्थिति जल्द ही सुधरेगी। अपने जी–वन–साथी के साथ बेहतर समझ ज़िन्दगी में ख़ुशी, सुकून और समृद्धि लाएगी। आज कार्यक्षेत्र में अचानक आपके काम की छानबीन हो सकती है। ऐसे में अगर आपने कोई गलती की होगी तो आपको इसका भुगतान करना पड़ सकता है। इस राशि के कारोबारी आज अपने कारोबार को नई दिशा देने के बारे में विचार कर सकते हैं। जीवन साथी की किसी बात को गंभीरता से न लेने की स्थिति में विवाद हो सकता है।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आज आप अपना धन धार्मिक कार्यों में लगा सकते हैं जिससे आपको मानसिक शांति मिलने की पूरी संभावना है। पारिवारिक सदस्यों से मतभेद ख़त्म कर आप अपने उद्देश्यों की पूर्ति आसानी से कर सकते हैं। आप क़ामयाबी ज़रूर हासिल करेंगे – बस एक–एक करके महत्वपूर्ण क़दम उठाने की ज़रूरत है। आपके पास समय तो होगा लेकिन बावजूद इसके भी आप कुछ ऐसा नहीं कर पाएंगे जो आपको संतुष्टि दे। कोई रिश्तेदार अचानक आपके घर आ सकता है, जिसके चलते आपकी योजनाएँ गड़बड़ा सकती हैं।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

शाम के समय थोड़ा आराम कीजिए। कोई बड़ी योजनाओं और विचारों के ज़रिए आपका ध्यान आकर्षित कर सकता है। किसी भी तरह का निवेश करने से पहले उस व्यक्ति के बारे में भली–भांति जाँच–पड़ताल कर लें। पारिवारिक मोर्चे पर समस्याएँ मुँह बाए खड़ी हैं। पारिवारिक ज़िम्मेदारियों की अनदेखी आपको सबकी नाराज़गी की केंद्र बना सकती है। आज किसी ऐसे इंसान से मिलने की संभावना है जो आपके दिल को गहराई से छूएगा। लेकिन आप अकेले तो होंगे लेकिन शांत नहीं आपके दिल में आज के दिन कई चिंताएं हैं होंगी।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आप घूमने–फिरने और पैसे ख़र्च करने के मूड में होंगे– लेकिन अगर आपने ऐसा किया तो बाद में आप को पछताना पड़ सकता है। दिन चढ़ने पर किसी पुराने दोस्त से सुखद मुलाक़ात होगी। आज आपकी कलात्मक और रचनात्मक क्षमता को काफ़ी सराहना मिलेगी और इसके चलते अचानक लाभ मिलने की संभावना भी है। आज काफ़ी दिमाग़ी कसरत मुमकिन है। आपमें से कुछ शतरंज खेल सकते हैं, वर्ग–पहेली हल कर सकते हैं, कोई कविता–कहानी लिख सकते हैं या भविष्य की योजनाओं पर गहराई से सोच सकते हैं। किसी पड़ोसी, दोस्त या रिश्तेदार की वजह से वैवाहिक जीवन में अनबन मुमकिन है।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आज आप उम्मीदों की जादुई दुनिया में हैं। आपके द्वारा धन को बचाने के प्रयास आज असफल हो सकते हैं हालांकि आपको इससे घबराने की जरुरत नहीं है स्थिति जल्द ही सुधरेगी। परिवार के सदस्य सहयोगी होंगे, लेकिन उनकी काफ़ी सारी मांगें होंगी। आज आपकी कलात्मक और रचनात्मक क्षमता को काफ़ी सराहना मिलेगी और इसके चलते अचानक लाभ मिलने की संभावना भी है। आज खाली वक़्त किसी बेकार के काम में खराब हो सकता है। ज़िन्दगी बहुत ख़ूबसूरत नज़र आएगी, क्योंकि आपके जीवनसाथी ने आपके लिए कुछ ख़ास योजना बनाई है।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

नौकरी पेशा से जुड़े लोगों को आज धन की बहुत आवश्यकता पड़ेगी लेकिन बीते दिनों में किये गये फिजुलखर्च के कारण उनके पास पर्याप्त धन नहीं होगा। किसी दूर के रिश्तेदार के यहाँ से मिली आकस्मिक अच्छी ख़बर आपके पूरे परिवार के लिए ख़ुशी के लम्हे लाएगी। आपके बॉस किसी भी बहाने में दिलचस्पी नहीं ज़ाहिर करेंगे– इसलिए निगाहों में बने रहने के लिए अपना काम अच्छी तरह से करें। आपको महसूस होगा कि आपका जीवनसाथी इससे बेहतर पहले कभी नहीं हुआ।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

धार्मिक और आध्यात्मिक रुचि के काम करने के लिए अच्छा दिन है। लम्बे अरसे को मद्देनज़र रखते हुए निवेश करें। आपको चिंतामुक्त होकर अपने क़रीबी दोस्तों और परिवार के बीच ख़ुशी के लम्हे तलाशने की ज़रूरत है। प्यार का भरपूर लुत्फ़ मिल सकता है। जो कला और रंगमंच आदि से जुड़े हैं, उन्हें आज अपना कौशल दिखाने के लिए कई नए मौक़े मिलेंगे। वक्त की नाजाकत को समझते हुए आज आप सब लोगों से दूरी बनाकर एकांत में वक्त बिताना पसंद करेंगे। ऐसा करना आपके लिए हितकर भी होगा। आज से पहले शादीशुदा ज़िन्दगी इतनी अच्छी कभी नहीं रही।

आज का पंचांग

दिनांक : 20 मई 2025, मंगलवार
विक्रम संवत : 2082
मास : ज्येष्ठ ,कृष्ण पक्ष
तिथि : सप्तमी प्रातः 05:54 तक
नक्षत्र : धनिष्ठा रात्रि 07:33 तक
योग : ऐन्द्र रात्रि 02:49 तक
करण : बव प्रातः 05:54 तक
चन्द्रराशि : मकर प्रातः 07:36 तक
सूर्योदय : 05:42 , सूर्यास्त 06:42 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 05:53 , सूर्यास्त 06:39 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 05:44 , सूर्यास्त 06:32 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:35 , सूर्यास्त 06:32 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

चल : 09:00 से 10:30
लाभ : 10:30 से 12:00
अमृत : 12:00 से 01:30
राहुकाल : सायं 03:00 से 04:30
दिशाशूल : उत्तर दिशा
उपाय : गुड खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : कालाष्टमी , दादूदयाल पुण्य तिथि ,
पंचक आरंभ प्रातः 07:37 से , अष्टमी तिथि का क्षय

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

प्रधानमंत्री के नेतृत्व में रेलवे सुविधाओं का हो रहा निरंतर सुदृढ़ीकरण : भजनलाल शर्मा

जयपुर, 19 मई (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रस्तावित बीकानेर यात्रा (22 मई) के तहत मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सोमवार को मुख्यमंत्री निवास पर तैयारियों को लेकर समीक्षा बैठक ली। उन्होंने अधिकारियों को प्रधानमंत्री की प्रस्तावित यात्रा के तहत सभी आवश्यक व्यवस्थाएं चाक चौबन्द करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि संबंधित विभाग अपनी तय जिम्मेदारियों के अनुसार काम करें तथा आपस में समन्वय स्थापित कर कार्यक्रम का सफल आयोजन सुनिश्चित करें।

शर्मा ने कहा कि तेज गर्मी के मद्देनजर आयोजन स्थल पर आमजन के लिए बैठने की व्यवस्था, पेयजल, आवागमन सहित अन्य सभी व्यवस्थाओं का उचित संचालन सुनिश्चित किया जाए, जिससे जनता को किसी भी तरह की असुविधा ना हो। उन्होंने बीकानेर कलक्टर को एयरपोर्ट, हेलीपैड तथा सभा स्थल पर सभी व्यवस्थाओं को समयानुसार पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री की प्रस्तावित यात्रा के तहत सुरक्षा व्यवस्था को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए गृह विभाग आगंतुकों के लिए सुरक्षा पास, यातायात प्रबंधन जैसी समुचित व्यवस्थाएं करें।

मुख्यमंत्री ने कहा कि संबंधित विभाग व्यवस्थाओं के सुचारू संचालन के लिए अपने–अपने विभाग का नोडल अधिकारी नियुक्त करें। साथ ही, शर्मा ने अधिकारियों को प्रधानमंत्री कार्यालय एवं रेलवे विभाग से आवश्यकतानुसार समन्वय बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग, पर्यटन, सार्वजनिक निर्माण विभाग, सूचना प्रौद्योगिकी विभाग एवं संचार विभाग, सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग को भी प्रधानमंत्री की प्रस्तावित यात्रा के सफल संचालन के लिए आवश्यक दिशा–निर्देश प्रदान किए।

उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में केन्द्र सरकार ने यात्री सुविधाओं के दृष्टिगत रेलवे स्टेशनों के सुदृढ़ीकरण को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है। बीकानेर में प्रस्तावित कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री अमृत भारत देशनोक रेलवे स्टेशन का उद्घाटन, बीकानेर मुंबई एक्सप्रेस टेऱ्रन को हरी झंडी तथा देशभर में विभिन्न परियोजनाओं का शिलान्यास तथा उद्घाटन करेंगे। प्रधानमंत्री इस दौरान बीकानेर में विश्व प्रसिद्ध करणी माता मंदिर के दर्शन भी करेंगे।इस दौरान मुख्य सचिव सुधांश पंत सहित विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी तथा वी.सी. के माध्यम से संबंधित जिलों के अधिकारीगण जुड़े।

किसान–पशुपालकों के उत्थान के लिए प्रतिबद्ध राज्य और केन्द्र सरकार : सीएम भजनलाल

अलवर, 19 मई (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि दुग्ध संघ पशुपालकों के सामर्थ्य के प्रतीक के रूप में उभर रहे हैं। छोटे पशुपालकों की यह संस्थाएं, जिस बड़े पैमाने पर संगठित होकर काम कर रही है, वह 'सहकार ही शक्ति है' को धरातल पर सफलता से क्रियान्वित कर रही है। इन संघों ने विकास, जनभागीदारी और आत्मनिर्भरता के नए आयाम स्थापित किए हैं। उन्होंने कहा कि महिलाओं की डेयरी क्षेत्र में सक्रियता प्रमुखता से बढ़ी है, जिससे उनका आर्थिक सशक्तीकरण हो रहा है।

शर्मा सोमवार को अलवर में श्वेत क्रांति द्वितीय चरण एवं अलवर दुग्ध संघ दिवस कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर उन्होंने

सिलिसेढ़ क्षेत्र से नलकूप व पाइपलाइन के माध्यम से अलवर शहर की पेयजल योजना संवर्द्धन कार्य (लगभग 23.27 करोड़) का शिलान्यास और अलवर डेयरी के नवीन उत्पाद मावा तथा 15 किलो के पैक में टोन्ड मिल्क के दही की लाचिंग की। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज पशुपालकों और किसानों की मेहनत का उत्सव है।

अधिकारी परिवेदनाओं का शीघ्र करें निस्तारण : शर्मा

जयपुर, 19 मई (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि पं. दीनदयाल उपाध्याय एवं डॉ. भीमराव आम्बेडकर की अंत्योदय की अवधारणा के अनुरूप हमारे लिए जनसेवा ही सर्वोपरि है। जनता की प्रत्येक समस्या का समाधान कर उनकी जनकल्याणकारी योजनाओं तक सुलभ पहुंच सुनिश्चित करवाना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार प्रशासन में जबावदेहिता एवं पारदर्शिता अपनाते हुए सुशासन के लक्ष्य पर केन्द्रित होकर काम कर रही हैं। शर्मा सोमवार को मुख्यमंत्री निवास पर नियमित जनसुनवाई कर रहे थे। जनसुनवाई में सैकड़ों की संख्या में परिवादी अपनी समस्या को लेकर आए।

विकसित कृषि संकल्प अभियान 29 मई से

जयपुर, 19 मई (एजेंसियां)। केन्द्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने सोमवार को सभी राज्यों के कृषि मंत्रियों के साथ 'विकसित कृषि संकल्प अभियान' की जानकारी देने व तैयारियां सुनिश्चित करने के लिए वीसी का आयोजन किया। वीसी में केन्द्रीय कृषि मंत्री ने बताया कि केन्द्रीय कृषि मंत्रालय, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आई.सी.ए.आर.) और सभी राज्यों के कृषि विभागों के साथ मिलकर आगामी 29 मई से 12 जून तक पूरे देश में 'विकसित कृषि संकल्प अभियान' चलाएगा । इसके तहत देश के विभिन्न गांवों में किसानों को खरीफ फसलों की उत्पादकता बढ़ाने के बारे में जानकारी दी जायेगी।केन्द्रीय कृषि मंत्री ने ''एक राष्ट्र, एक कृषि और एक टीम'' का नारा देते हुए कहा कि इस अभियान में किसान वैज्ञानिकों से चर्चा करेंगे। चर्चा में आए सुझाव और समस्याओं पर वैज्ञानिक शोध करेंगे और उसके अनुसार समस्याओं का समाधान किया जायेगा।

केंद्र सरकार को साफ करना चाहिए कि भारत–पाकिस्तान के बीच कोई तीसरा व्यक्ति नहीं चाहिए : अशोक गहलोत

जयपुर, 19 मई (एजेंसियां)। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने केंद्र की भाजपा सरकार पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने सरकार की विदेश नीति पर सवाल उठाते हुए कहा कि केंद्र सरकार को अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की भारत–पाकिस्तान मध्यस्थता की पेशकश को स्पष्ट रूप से खारिज करना चाहिए था। उन्होंने सरकार पर डैमेज कंट्रोल के लिए तिरंगा यात्रा निकालने का आरोप लगाया।

अशोक गहलोत ने कहा, सरकार यह मानने को तैयार नहीं कि उससे गलती हुई। ट्रंप होते कौन हैं बीच में बोलने वाले? सरकार को कहना चाहिए था कि भारत–पाकिस्तान के बीच कोई तीसरा व्यक्ति नहीं चाहिए। अब

ट्रंप कह रहे हैं कि उन्होंने मध्यस्थता कराई,ऐसे में कौन सच बोल रहा है? सरकार को अपना रुख स्पष्ट करना चाहिए। यह मामला देश की संप्रभुता से जुड़ा है और इसे हल्के में नहीं लिया जा सकता।इसके अलावा, गहलोत ने विदेश में पाकिस्तान को बेनकाब करने और ऑपरेशन सिंदूर के बारे में जानकारी देने जा रहे संसदों के प्रतिनिधिमंडल के लिए सांसदों के चयन को लेकर भी सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा ने जानबूझकर विपक्ष को कमजोर करने की कोशिश की।

देश के साथ गद्दारी करने वालों को नहीं बख्शा जाएगा : अनिल विज

अंबाला, 19 मई (एजेंसियां)। 'ऑपरेशन सिंदूर' के बाद हरियाणा से पकड़े गए जासूसों को लेकर कैबिनेट मंत्री अनिल विज का बयान आया है। उन्होंने कहा कि जो लोग देश के साथ गद्दारी कर रहे हैं, उन्हें बख्शा नहीं जाएगा।

हरियाणा सरकार में कैबिनेट मंत्री अनिल विज ने सोमवार को मीडिया से बात करते हुए कहा, सरकार अंदर और बाहर सब जगह निगाह रखे हुए है, जो लोग देश में रहकर पाकिस्तान की मदद कर रहे हैं, वे बहुत घातक हैं और उन्हें पकड़ कर उनके अंजाम तक पहुंचाना जरूरी है। हर मोर्चे में सरकार काम कर रही है, चाहे बॉर्डर हो या फिर देश के अंदर, उन्हें बख्शा नहीं जाएगा।हरियाणा के एक प्रोफेसर को गिरफ्तार किए जाने पर विज ने कहा, इस वक्त हर सच्चे हिंदुस्तानी का यह धर्म और कर्म बनता है कि इस सफलता के लिए उन सपूतों के हक में खड़े हों, जिन्होंने गोलियों के आगे खड़े रहकर भारत को कामयाबी दिलाई है।

अनिल विज ने आगे कहा, इस युद्ध के महानायक पीएम मोदी ने हर मोर्चे पर कहा कि आतंकवादियों को हम घर में घुसकर मारेंगे। हमारी सेना को बड़ी कामयाबी मिली और उनके 9 मुख्य अड्डों को खत्म कर दिया। अभी युद्ध खत्म नहीं हुआ, अभी सिर्फ सीजफायर हुआ है और युद्ध समाप्त करने के लिए जो होगा, वह करेंगे, लेकिन पाकिस्तान में चल रहे उग्रवाद की फैक्ट्री को खत्म करके रहेंगे। पाकिस्तान में आतंकी हाफिज सईद की रिहाई की मांग को लेकर कैबिनेट मंत्री अनिल विज ने कहा, पाकिस्तान में जो उग्रवादी हैं, वे वहां की सरकार और लोगों के बहुत ही चहेते हैं, इसलिए उनकी रिहाई की मांग की जा रही है, लेकिन भारत उन्हें नहीं छोड़ेगा। विज ने विभिन्न देशों में सांसदों के प्रतिनिधिमंडल को भेजने के फैसले का स्वागत किया।

सीईटी के नियम तक नहीं कर पा रही सरकार हाईकोर्ट में फिर खुली पोल : हुड्डा

चंडीगढ़, 19 मई (एजेंसियां)। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा है कि एक बार फिर हाई कोर्ट के सामने बीजेपी सरकार की पोल खुल गई है। भर्तियां या सीईटी करवाना तो दूर, इतने साल बाद भी सरकार सीईटी के नियम तक तय नहीं कर पाई। अब बाकायदा हाई कोर्ट ने नियम तय करने के आदेश दिए हैं। ऐसा ना कर पाने पर कोर्ट ने मुख्यमंत्री या आयोग के अध्यक्ष को पेश होने के सख्त निर्देश दिए हैं।

हुड्डा ने कहा कि तीसरी बार सत्ता हथियाने के बाद बीजेपी सरकार ने फिर से बेरोजगार युवाओं के भविष्य से खिलवाड़ शुरू कर दिया है। इतने महीने बाद भी अब तक ग्रुप सी और डी पदों की भर्ती के लिए कॉमन एलिजिबिलिटी टेस्ट की कोई तैयारी नजर नहीं आ रही है। वर्षों से सीईटी का इंतजार कर रहे लाखों युवाओं के साथ इस सरकार ने सबसे बड़ा धोखा किया है। कायदे से हर 6 महीने या 1 साल के भीतर एक

बार सीईटी होना चाहिए। लेकिन बीजेपी 5 साल में बमुश्किल एक बार ये टेस्ट करवा पा रही है।

पूर्व मुख्यमंत्री हुड्डा ने कहा कि पिछले कार्यकाल के दौरान भी भाजपा द्वारा यही खेल खेला गया था। सरकार ने पूरे 5 साल तक जानबूझकर भर्तियों को लटकाए रखा था। और फिर युवाओं को चुनाव में ब्लैकमेल करते हुए कहा कि अगर बीजेपी सत्ता में आई तो ही उनकी भर्तियों का रिजल्ट जारी होगा। डर के मारे बेरोजगार युवाओं ने बीजेपी को वोट दिया। लेकिन सत्ता में आते ही सरकार ने फिर भर्तियों को लटकाने के हथकंडे अपनाने शुरू कर दिए।

इतना ही नहीं सीईटी पास युवाओं को 9000 महीना देने का वादा करके सत्ता में आई भाजपा का ये वादा भी झूठा साबित हुआ। इस बार के बजट में कहीं भी सीईटी पास युवाओं को 9000 रुपये मासिक देना का जिक्र तक नहीं है।भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा है कि भर्तियों के नाम पर धांधली और लेटलतीफी इस सरकार का तय नियम बन गया है। इसी के चलते पिछले महीने ही हाई कोर्ट ने हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग पर 50000 का जुर्माना लगाया था। टीजीटी भर्ती मामले में सरकार को आईना दिखाते हुए हाईकोर्ट ने स्पष्ट तौर पर एग्जामिनर्स की योग्यता पर सवालिया निशान खड़ा किया था।इससे पहले भी कई बार भर्तियों धांधलियों को लेकर कोर्ट सरकार को जुर्माना और फटकार लगा चुकी है।

योग, आयुर्वेद व प्राकृतिक चिकित्सा को अपनाएं नागरिक: सैनी

चंडीगढ़, 19 मई (एजेंसियां)। हरियाणा के मुख्यमंत्री। नायब सिंह सैनी ने आज पानीपत जिले के समालखा स्थित सेवा साधना एवं ग्राम विकास केन्द्र परिसर में ऋषिकुलम् वेलनेस सेंटर का शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने नागरिकों से अपील की कि वे इस केंद्र की सुविधाओं का अधिक से अधिक लाभ उठाएं तथा अपने दैनिक जीवन में योग, आयुर्वेद एवं प्राकृतिक चिकित्सा को अपनाकर एक स्वस्थ जीवन शैली को बढ़ावा दें।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इस केंद्र की स्थापना जिन उद्देश्यों को लेकर की गई थी, आज वे साकार होते प्रतीत हो रहे हैं। यह केंद्र न केवल ग्राम विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, बल्कि हमारी सनातन परंपराओं और संस्कारों को और प्रगाढ़ कर रहा है। उन्होंने इस अवसर पर संस्था को 51 लाख रुपये देने की घोषणा भी की।

नायब सिंह सैनी ने कहा कि आज देश को दो चीजों की आवश्यकता है, पहली हमारी सीमाएं सुरक्षित हों और

दूसरा हमारा शरीर स्वस्थ हो और यह केंद्र वेलनेस सेंटर के माध्यम से नागरिकों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करेगा। उन्होंने कहा कि इस केंद्र में किसानों को प्राकृतिक खेती के प्रति प्रोत्साहित और जागरूक किया जा रहा है। उन्होंने किसानों से अपील की कि वे रासायनिक कीटनाशकों के अत्याधिक उपयोग से बचें और प्राकृतिक खेती की ओर अग्रसर हों।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सेवा साधना एवं ग्राम विकास केन्द्र में अत्याधुनिक सुविधाओं से युक्त स्किल सेंटर संचालित किए जा रहे हैं, जहां लगभग 450 युवा प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं और उन्हें विभिन्न क्षेत्रों में रोजगार के अवसर भी उपलब्ध कराए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि विकसित भारत के निर्माण में युवाओं की महत्वपूर्ण भूमिका है और यह केंद्र उन्हें उस दिशा में मार्गदर्शन और साधन प्रदान कर रहा है। उन्होंने कहा कि संस्था से जुड़े प्रत्येक व्यक्ति की यह जिम्मेदारी बनती है कि वह संस्था को और अधिक ऊंचाइयों तक ले जाने में अपना सक्रिय योगदान दें। इस मौके पर माधव जन सेवा न्यास के अध्यक्ष पवन जिंदल ने कहा कि यह वेलनेस सेंटर उन लोगों के लिए नींव का पत्थर होगा जो तनाव मुक्त रहना चाहते हैं। उन्होंने वेलनेस सेंटर का उद्घाटन करने के लिए मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि यह वेलनेस सेंटर सभी आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित होगा।

कार्यक्रम के उपरांत पत्रकारों से बातचीत करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा था कि आतंकवाद की जमीन को अब मिट्टी में मिलाने का समय आ गया है और हमारे जांबाज सैनिकों ने मात्र 3 घंटों में आतंकवाद की उस जमीन को मिट्टी में मिलाने का काम किया है।

राष्ट्रीय सुरक्षा के मद्देनजर जासूसी के आरोप में पकड़े जा रहे लोगों के संबंध में पूछे गए सवाल का जवाब देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि ऐसे लोगों के खिलाफ पुलिस कार्रवाई कर रही है और आगे भी ऐसे लोगों पर कार्रवाई की जाती रहेगी।

इस अवसर पर शिक्षा मंत्री महीपाल ढांडा, विधायक प्रमोद विज, मनमोहन भड़ाना, भारतीय जनता पार्टी के प्रदे–शाध्यक्ष मोहन लाल कौशिक, मुख्यमंत्री के ओएसडी वीरेंद्र बड़खालसा और डॉ राज नेहरू, पूर्व विधानसभा अध्यक्ष ज्ञानचंद गुप्ता, पूर्व मंत्री असीम गोयल सहित अन्य गणमान्य उपस्थित रहे।

सीएम नीतीश ने भोजपुरवासियों को दी बड़ी सौगात

315 प्रखंड उद्यान पदाधिकारियों को दिया नियुक्त पत्र

पटना (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने आज मीठापुर स्थित कृषि भवन में 315 नवनियुक्त प्रखंड उद्यान पदाधिकारियों को नियुक्ति पत्र प्रदान किया। साथ ही कृषि विभाग की कई योजनाओं का शिलान्यास, लोकार्पण और शुभारंभ किया। वहीं चौथे कृषि रोड मैप के तहत कृषि को लाभकारी बनाने हेतु राज्य में बागवानी योजनाएँ संचालित की जा रही हैं। इन योजनाओं का लाभ किसानों तक पहुंचाने के उद्देश्य से बिहार लोक सेवा आयोग से अनुशंसित 315 प्रखंड उद्यान पदाधिकारियों की नियुक्ति कृषि विभाग के द्वारा की गयी है। मुख्यमंत्री कृषि भवन की छत पर भी गए और वहां से पूरे परिसर को देखा। इस दौरान मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि छत पर सोलर प्लेट लगाएं जिससे सौर ऊर्जा का उत्पादन होगा और कृषि भवन की जरूरतें पूरी होंगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि कहा कि हमलोग शुरू से किसानों के हित में काम कर रहे हैं। चार कृषि रोड मैप बनाए गए हैं जिससे फसलों की उत्पादन और उत्पादकता बढ़ी है। कृषि क्षेत्र के विकास के लिए अनेक योजनाएं चलाई जा रही हैं। हमलोगों का उद्देश्य है कि कृषि के क्षेत्र में भी राज्य की तरक्की हो और किसान समृद्ध बनें। कृषि क्षेत्र को लाभकारी बनाने और किसानों की आमदनी बढ़ाने के लिए कई कदम उठाए गए हैं।

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने 144.72 करोड़ रुपये की लागत से रिमोट के माध्यम से शिलापट्ट अनावरण कर कृषि अभियंत्रण महाविद्यालय, आरा (भोजपुर) के निर्माण कार्य का शुभारंभ किया। तृतीय कृषि रोड मैप (2017-22) के तहत कृषि शिक्षा एवं अनुसंधान को सुदृढ़ करने हेतु आरा (भोजपुर) में कृषि अभियंत्रण महाविद्यालय की स्थापना की गयी है। वर्ष 2021-22 से इसका संचालन कृषि महाविद्यालय, बक्सर के परिसर में किया जा रहा है। इसके लिए भोजपुर जिला में 16 एकड़ जमीन चिन्हित कर कुल 144.72 करोड़ रूपये की लागत से भवन निर्माण विभाग के द्वारा भवन का निर्माण किया जायेगा। इसमें प्रशासनिक भवन, क्लास रूम, पुस्तकालय, छात्र-छात्राओं के लिए अलग-अलग छात्रावास, कृषि यंत्रों के लिए कार्यशाला एवं आवासीय परिसर का प्रावधान किया गया है। इस महाविद्यालय में बीटेक (एग्री इंजीनियरिंग) में प्रत्येक वर्ष 60 छात्रों का नामांकन किया जायेगा।

कृषि विभाग की ओर से बताया कि भोजपुर के हसनपुर में स्थापित हो रहे कृषि अभियंत्रण महाविद्यालय का उद्देश्य है कि युवाओं को वैज्ञानिक दृष्टिकोण से कृषि अभियंत्रण की उच्च शिक्षा मिल सके। यह संस्थान न केवल शिक्षण का केंद्र बनेगा, बल्कि यहाँ कृषि अनुसंधान, प्रशिक्षण और प्रसार गतिविधियाँ भी संचालित की जाएंगी। इस महाविद्यालय की स्थापना से प्रदेश में जलवायु अनुकूल कृषि तकनीकों, पोस्ट-हार्वेस्ट मैनेजमेंट, संरक्षित खेती और फसल अवशेष प्रबंधन जैसे विषयों में नवाचार को बढ़ावा मिलेगा। यह महाविद्यालय हमारी नई पीढ़ी को रोजगार और उद्यमिता के नए अवसर उपलब्ध कराएगा।

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार 55.26 करोड़ रुपये लागत की 62 अनुमंडल स्तरीय कृषि भवनों का भी शिलान्यास किया। इसके निर्माण से अनुमंडल स्तर पर कृषि से जुड़ी सभी सेवाएं उपलब्ध हो जाएगी। इस भवन में किसानों के लिए सिंगल विंडो सिस्टम के माध्यम से सभी कृषि संबंधी सेवाएं, योजनाएं, तकनीकी सलाह और सरकारी सहायता एक ही छत के नीचे उपलब्ध होंगी। साथ ही यह भवन किसानों और सरकार के बीच बेहतर संवाद का माध्यम बनेगा, जिससे निर्णय लेने की प्रक्रिया तेज और पारदर्शी होगी।

कृषि भवन परिसर से मुख्यमंत्री ने खरीफ महाभियान-2025 का शुभारंभ किया। इस दौरान उन्होंने खरीफ महाभियान-2025 से संबंधित 20 प्रचार वाहन तथा बीज वाहन को हरी झंडी दिखाकर जिलों के लिए रवाना किया। यह प्रचार वाहन के तहत किसानों को खरीफ मौसम से संबंधित सभी योजनाओं की जानकारी देते हुए उन्हें जागरूक किया जाएगा। इन वाहनों से ऑडियो/वीडियो माध्यम के द्वारा किसानों को जागरूक किया जायेगा। साथ ही मुख्यमंत्री ने आधुनिक तकनीक से सुसज्जित एलईडी प्रचार वाहन को भी हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

स्वास्थ्य मंत्री ने जसौली स्वास्थ्य उपकेंद्र का किया उद्घाटन

46 स्वास्थ्य संस्थानों का किया शिलान्यास

सीवान (एजेंसियां)। स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय ने सोमवार को पचरुखी प्रखंड के जसौली गांव में नव-निर्मित स्वास्थ्य उपकेंद्र का उद्घाटन किया। इस मौके पर उन्होंने जिले के विभिन्न क्षेत्रों में 23.52 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाले 46 नए स्वास्थ्य संस्थानों का शिलान्यास भी किया। मंत्री ने कहा कि स्वस्थ और समृद्ध बिहार सरकार का प्राथमिक लक्ष्य है। उन्होंने दावा किया कि पिछले छह महीनों में जितने स्वास्थ्य संस्थानों का उद्घाटन और शिलान्यास हुआ है, उतना कार्य संभवतः 1990 से 2005 तक की सरकारों में नहीं हुआ था।

उन्होंने जानकारी दी कि सिवान सदर अस्पताल परिसर में 100 बेड वाले मॉडल अस्पताल और 100 बेड के मातृ-शिशु अस्पताल सहित कुल 282 बेड की सुविधा तैयार की जा चुकी है, जबकि कुछ निर्माण अभी जारी हैं। उन्होंने बताया कि जिले में 20 करोड़ रुपये की लागत से 46 स्वास्थ्य संस्थानों और 3.5 करोड़ रुपये की लागत से 50 बेड का प्री-फैब्रिकेटेड अस्पताल भी बनाया जा रहा है। इन संस्थानों का लाभ महाराजगंज, गोरेयाकोठी, जीरादेई, बड़हरिया, दारौंदा, रघुनाथपुर और दरौली जैसे क्षेत्रों को मिलेगा।

स्वास्थ्य मंत्री ने सिविल सर्जन और डीपीएम को निर्देश दिया कि 9 से 14 वर्ष की छात्राओं का एचपीवी टीकाकरण स्कूलों में जाकर सुनिश्चित किया जाए, ताकि भविष्य में गर्भाशय ग्रीवा कैंसर से बचाव हो सके। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने इसके लिए महंगी वैक्सीन की खरीद को मंजूरी दी है। उन्होंने यह भी कहा कि आयुष्मान भारत योजना के तहत पात्र लाभार्थियों को पांच लाख रुपये तक का नि:शुल्क इलाज मिल रहा है। साथ ही राशन कार्ड धारकों के लिए आयुष्मान कार्ड बनवाने की सुविधा भी उपलब्ध है।

ग्रामीणों को संबोधित करते हुए मंत्री ने भोजपुरी में कहा कि अब अस्पताल पंचायत स्तर पर बन रहल बा, एसे छोट-छोट बीमारी खातिर शहर के चक्कर नइखे लगावे के पड़ी। कार्यक्रम के दौरान मंत्री ने एईएस किट बैग सिविल सर्जन और अन्य स्वास्थ्य अधिकारियों को सौंपे तथा हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर का निरीक्षण कर खुद रक्त जांच भी करवाई। इस अवसर पर सांसद विजय लक्ष्मी देवी, विधान पार्षद मनोज सिंह, पूर्व विधायक रमेश सिंह कुशवाहा, सिविल सर्जन डॉ. श्रीनिवास प्रसाद सहित कई अधिकारी और स्थानीय जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

चांदपुर नहर में मिला अज्ञात महिला का शव

सीवान (एजेंसियां)। सीवान जिले के सिसवन थाना क्षेत्र अंतर्गत चांदपुर गांव में उस समय सनसनी फैल गई जब ग्रामीणों ने सुबह-सुबह नहर में एक अज्ञात महिला का शव तैरता हुआ देखा। घटना की जानकारी मिलते ही स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी। पुलिस ने बताया कि महिला की शिनाख्त नहीं हो सकी है और शव को पोस्टमॉर्टम के लिए सीवान सदर अस्पताल भेजा गया है। मामले की गंभीरता को देखते हुए फोरेंसिक टीम को भी बुलाया गया, जिसने मौके से जरूरी साक्ष्य एकत्र किए हैं।

घटना के बाद चांदपुर और आसपास के गांवों में दहशत का माहौल है। ग्रामीणों ने नहर के किनारे असामाजिक तत्वों की बढ़ती गतिविधियों पर चिंता जताई है और पुलिस पर रात में गश्त में लापरवाही बरतने का आरोप लगाया। स्थानीय निवासियों ने प्रशासन से क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने की मांग की है। सिसवन थाना प्रभारी ने बताया कि शव को पहचान के लिए 72 घंटे तक अस्पताल में सुरक्षित रखा जाएगा। इस दौरान परिजन सामने नहीं आए तो नियमानुसार अंतिम संस्कार की प्रक्रिया शुरू की जाएगी। पुलिस यह भी जांच कर रही है कि महिला की हत्या कर शव को यहां फेंका गया या फिर पानी में बहकर यह शव यहां पहुंचा। पुलिस ने आसपास के थाना क्षेत्रों में दर्ज गुमशुदगी के मामलों की जानकारी जुटानी शुरू कर दी है।

अपराधियों ने दिनदहाड़े व्यवसायी को भून डाला, हालत गंभीर

पटना (एजेंसियां)। पटना में दिनदहाड़े एक व्यवसायी को अपराधियों ने गोली मार दी। व्यवसायी की हालत गंभीर है। परिजनों ने उन्हें प्राइवेट अस्पताल में भर्ती करवाया है। घटना बेउर बाइपास इलाके में सोमवार की सुबह हुई। बताया जा रहा है कि मैरिज हॉल के मालिक संजय यादव मॉर्निंग वॉक पर निकले थे।

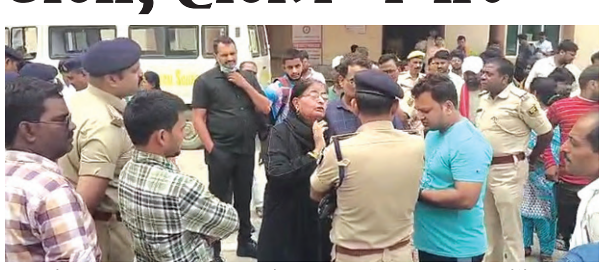

तेज प्रताप नगर के भवानी कमेटी हॉल के पास पहले से घात लगाए अपराधियों ने संजय यादव को रोक दिया। इसके बाद उन्हें मारपीट कर जमीन पर गिराकर गोलियों से भून डाला। अपाधियों ने व्यवसायी को छह गोली मारी। घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया। आसपास के लोगों की भीड़ लग गई। स्थानीय लोगों ने खून से लथपथ व्यवसायी को पुलिस की मदद से अस्पताल में भर्ती करवाया।

स्थानीय लोगों का कहना है कि हमलावरों ने पहले से ही संजय यादव की रेकी की थी और मौका पाकर उन्हें धक्का देकर गिराया। गोली लगते ही संजय सड़क पर खून से लथपथ होकर गिर पड़े। इधर, वारदात की सूचना पर बेउर थाना पुलिस और डायल 112 की टीम घटनास्थल पर पहुंची, जहां फुलवारी शरीफ के डीएसपी सुशील कुमार सिंह ने पूरे मामले की जांच शुरू की। उन्होंने बताया कि यह वारदात पूरी प्लानिंग के तहत की गई है, और अपराधियों को संजय की दिनचर्या की पूरी जानकारी थी।

पुलिस ने घटनास्थल का जायजा लिया और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की जांच शुरू कर दी है। एफएसएल टीम को भी बुलाया गया है ताकि तकनीकी साक्ष्य जुटाए जा सकें। घटना के बाद परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। वह अपराधियों की गिरफ्तारी की मांग कर रहे हैं।

पैसों की खातिर बेटे ने की पिता की हत्या, पुलिस ने किया गिरफ्तार

नालंदा (एजेंसियां)। नालंदा जिले से एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है, जहां एक बेटे ने पैसे के लिए अपने ही पिता की जान ले ली। यह वारदात गिरियक थाना क्षेत्र के पहेलीआ गांव की है। मृतक की पहचान 50 वर्षीय सिद्धेश्वर पंडित के रूप में हुई है, जबकि हत्या का आरोप उनके बड़े बेटे दिवाकर पंडित पर लगा है। इस पारिवारिक त्रासदी ने पूरे गांव को स्तब्ध कर दिया है।

परिजनों के मुताबिक, दिवाकर पंडित आए दिन पैसों को लेकर अपने माता-पिता के साथ झगड़ा और मारपीट करता था। रविवार को भी इसी तरह के विवाद के बाद उसने अपने पिता के साथ मारपीट की, जिससे वे गंभीर रूप से घायल हो गए। इसके बाद दिवाकर खुद उन्हें इलाज के लिए पावापुरी मेडिकल कॉलेज ले गया, लेकिन देर रात इलाज के दौरान सिद्धेश्वर पंडित की मौत हो गई।

पिता की मौत के बाद दिवाकर चुपचाप अंतिम संस्कार की तैयारी में लग गया। लेकिन गांव के लोगों को जब इस घटना की भनक लगी, तो उन्होंने तुरंत परिवार के अन्य सदस्यों और पुलिस को इसकी सूचना दे दी। सूचना मिलते ही गिरियक थाना पुलिस मौके पर पहुंची और दिवाकर पंडित को गिरफ्तार कर लिया। फिर पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए बिहारशरीफ सदर अस्पताल भेज दिया।

सिर्फ पिता ही नहीं, दिवाकर पंडित की हिंसक प्रवृत्ति पहले भी सामने आ चुकी है। वर्ष 2021 में उसने अपनी मां के साथ भी गंभीर मारपीट की थी, जिससे उन्हें सिर पर गहरी चोट लगी थी और मानसिक स्थिति अस्थिर हो गई थी।

उस मामले में भी दिवाकर के खिलाफ चार्जशीट दाखिल की गई थी। पत्नी भी मारपीट से तंग आकर मायके चली गई है, जबकि छोटा भाई बहन के घर रहने लगा है।

गिरियक थाना अध्यक्ष दीपक कुमार ने बताया कि उन्हें गांववालों से घटना की सूचना मिली थी। मौके पर पहुंच कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया और आरोपी बेटे को तत्काल गिरफ्तार कर लिया गया। मृतक के साले द्वारा थाने में आवेदन दिया गया है, जिसमें दिवाकर पर हत्या का आरोप लगाया गया है। पुलिस सभी पहलुओं पर जांच कर रही है।

इस घटना से गांव में शोक और आक्रोश का माहौल है। एक बेटा, जिसने पहले मां को चोटिल किया, अब पिता की जान ले बैठा। ग्रामीणों का कहना है कि दिवाकर अक्सर पैसे को लेकर हंगामा करता था और अब उसकी करतूत ने पूरे परिवार को तोड़ दिया है। पुलिस की कार्रवाई से लोगों ने राहत की सांस ली है।

सरेआम एसडीएम साहब ने ट्रक चालक को जड़ दिया थप्पड़, देखते रह गए सब

पटना (एजेंसियां)। बक्सर से एक वीडियो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है। इसमें सदर अनुमंडल पदाधिकारी एक ट्रक चालक को सरेआम थप्पड़ जड़ते हुए दिख रहे हैं। वीडियो में स्पष्ट दिख रहा है बातचीत के दौरान अचानक एसडीएम ने ट्रक चालक को थप्पड़ मार दिया। इस घटना को किसी ने अपने कैमरे में कैद कर लिया और सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल कर दिया। वीडियो वायरल होने के बाद लोगों में आक्रोश है। उनका कहना है कि किसी को इस तरह से मारने का हक प्रशासन को नहीं है। लोगों ने बक्सर के जिलाधिकारी अंशुल अग्रवाल से कार्रवाई की मांग की है।

बताया जा रहा है कि भोजपुर-सिमरी पथ पर डीएम अंशुल अग्रवाल निरीक्षण के लिए पहुंचे थे। इसी दौरान डुमरांव एसडीएम राकेश कुमार ने ट्रक चालक को थप्पड़ मार दिया। वीडियो में साफ दिखाई दे रहा है कि ट्रक चालक कुछ कहने की कोशिश कर रहा था, लेकिन अधिकारी ने उसकी बात सुने बिना उस पर हाथ उठा दिया। मामले में पीड़ित ट्रक चालक शिवजी यादव ने बताया कि रविवार को मैं ट्रक पर बालू लोड कर बिहटा से देवरिया (उत्तर प्रदेश) जा रहा था। रास्ते में ट्रक मालिक का फोन आया कि गाड़ी को नियाजीपुर लेकर चले आओ। इसके बाद मैं मार्ग बदलकर नियाजीपुर जाने लगा। भोजपुर-सिमरी पथ पर तभी अधिकारियों ने गाड़ी रोक दी। मैं नीचे उतरा और सारे कागजात दिखाया। अधिकारी मुझसे पूछताछ कर ही रहे थे कि अचानक डुमरांव अनुमंडल के एसडीओ राकेश कुमार ने मुझे थप्पड़ जड़ दिया। इसके बाद मैं दंग रह गया।

ट्रक चालक ने बताया कि मेरे ट्रक में बालू तय मानकों के अनुसार ही लोड था। मैं अधिक लोड लेकर नहीं चल रहा था। लेकिन, अधिकारियों का कहना है कि ग्रामीण सड़क पर ट्रक का परिचालन नहीं करना है। मैंने उन्हें कहा भी कि ग्रामीण इलाके की सड़कों पर ट्रक चलाना मना है, यह स्पष्ट कहीं लिखा नहीं लिखा गया है। वहीं मामले में आरोपी एसडीएम राकेश कुमार ने कहा कि ट्रक चालक ग्रामीण सड़क पर भारी वाहन लेकर जा रहा था।

व्यापारी की हत्या कर नदी में फेंका शव, चेहरे पर गहरे जख्म

मुजफ्फरपुर (एजेंसियां)। मुजफ्फरपुर जिले के गरहा थाना क्षेत्र के भूसाही गांव में सोमवार की सुबह एक व्यापारी का शव नदी में उतराता हुआ मिला, जिससे इलाके में सनसनी फैल गई। मृतक की पहचान 42 वर्षीय मुकेश कुमार साह के रूप में हुई है, जो मौना भूसाही गांव के रहने वाले थे और स्थानीय स्तर पर कई व्यवसायों से जुड़े हुए थे। वह अनाज की खरीद-बिक्री और पोल्ट्री फार्म संचालन जैसे व्यवसाय करते थे।

परिजनों के अनुसार मुकेश कुमार रविवार की सुबह घर से बाजार के लिए निकले थे, लेकिन देर शाम तक वापस नहीं लौटे। पूरे दिन परिजन उन्हें खोजते रहे, लेकिन उनका कोई सुराग नहीं मिला। इस संबंध में देर शाम गरहा थाना में गुमशुदगी की रिपोर्ट भी दर्ज कराई गई थी। लेकिन अगले ही दिन सोमवार की सुबह ग्रामीणों ने भूसाही नदी के पास एक शव को उतराता देखा, जो बाद में मुकेश कुमार का निकला। सूचना मिलते ही मौके पर भारी भीड़ जमा हो गई और परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल हो गया।

मृतक के शरीर, विशेषकर चेहरे पर गहरे जख्म के कई निशान पाए गए हैं, जिससे प्रथम दृष्टया यह स्पष्ट होता है कि उनकी निर्मम हत्या की गई है। आशंका है कि हत्या कर शव को भूसाही पुल के नीचे नदी में फेंक दिया गया। शव उनके घर से महज एक किलोमीटर की दूरी पर बरामद हुआ है। परिजनों का आरोप है कि मुकेश की हत्या उनके कारोबारी साझेदारों या जान-पहचान वालों ने ही की है।

घटना की सूचना मिलने पर गरहा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए मेडिकल कॉलेज भेज दिया गया। साथ ही एफएसएल (फॉरेंसिक साइंस लैब) की टीम को भी मौके पर बुलाया गया है, जो घटनास्थल से सबूत इकट्ठा कर रही है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला, हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com